25 जून 2025
बुधवार

डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

पटना का कुख्यात अपराधी अजय वर्मा अपने गुर्गों के साथ गिरफ्तार

4

आपातकाल के दौरान मेरे गांव से 184 लोग गए थे जेल, मैं उस दिन को नहीं भूल सकता: शाह

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को 'आपातकाल के 50 साल' कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, जब आपातकाल लगाया गया था, तब मैं 11 साल का था। गुजरात में आपातकाल का असर कम था, क्योंकि वहां जनता सरकार बनी थी। लेकिन बाद में वह सरकार गिर गई। उन्होंने कहा, मैं एक छोटे से गांव से आता हूं। मेरे गांव से ही 184 लोग जेल गए थे। मैं उस दिन और उन दृश्यों को मरने तक नहीं भूलूंगा। शाह ने कहा, केवल आजाद होने के विचार के लिए जेल जाना, इसका अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता। हम कल्पना भी नहीं कर सकते कि वह सुबह भारत के लोगों के लिए कितनी निर्दयी रही होगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, आपातकाल को एक वाक्य में परिभाषित करना मुश्किल है। मैंने इसका एक अर्थ निकाला है। एक लोकतांत्रिक देश के बहुपक्षीय लोकतंत्र को तानाशाही में बदलने की साजिश ही आपातकाल है। उन्होंने कहा, यह लड़ाई इसलिए जीत ली गई क्योंकि इस देश में कोई तानाशाही बर्दाश्त नहीं कर सकता। भारत लोकतंत्र की जननी है। उस समय आपातकाल को कोई पसंद नहीं करता था, सिवाय तानाशाहों और उस छोटे-से संकुचित समूह के जिन्हें फायदा हुआ था। उन्हें भ्रम था कि कोई उनकी चुनौती नहीं दे सकता, लेकिन आपातकाल के बाद जब पहले लोकसभा चुनाव हुए, तब पहली बार स्वतंत्रता के बाद गैर-कांग्रेस सरकार बनी और मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने।

शाह ने कहा, सुबह 8 बजे प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ऑल इंडिया रेडियो पर घोषणा की कि राष्ट्रपति ने आपातकाल लगा दिया है। क्या संसद की मंजूरी ली गई? क्या कैबिनेट की बैठक बुलाई गई? क्या विपक्ष को भरोसे में लिया गया? जो आज लोकतंत्र की बात करते हैं, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि वे उस पार्टी से जुड़े हैं जिसने लोकतंत्र को खत्म किया। जो वजह बताई गई वह राष्ट्रीय सुरक्षा थी, लेकिन असली वजह सत्ता की सुरक्षा थी। इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं, लेकिन उनके पास संसद में वोट देने का अधिकार नहीं था। उनके पास प्रधानमंत्री के रूप में कोई अधिकार नहीं था। उन्होंने नैतिकता का दायरा छोड़ दिया और प्रधानमंत्री बने रहने का फैसला किया।

उन्होंने कहा, मुझे याद है, हमारे गांव से हम लोग एक ट्रक में बैठकर एक अखबार की इमारत के सामने लोकसभा चुनाव के नतीजे देख रहे थे... जब हमें पता चला कि इंदिरा गांधी चुनाव हार गई हैं, यह रात के करीब 3 या 4 बजे की बात है, हमें यह भी पता चला कि संजय गांधी भी चुनाव हार गए हैं, तब हजारों लोगों के चेहरों पर जो खुशी थी, वह मैं कभी नहीं भूल सकता।

इंदिरा गांधी को एकमात्र खतरा पद का था

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, कई घटनाओं की एक श्रृंखला ने लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को हिला दिया। हम अभी हाल ही में बांग्लादेश के साथ युद्ध जीत चुके थे। कोई आंतरिक या बाहरी खतरा नहीं था। इंदिरा गांधी को एकमात्र खतरा पद का था... लोग जाग गए थे और समझ गए थे कि वे जो वोट भावना के आधार पर देते हैं, उनका गलत इस्तेमाल हो रहा है। इसे समझकर इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगा दिया। सुबह 4 बजे कैबिनेट की बैठक बुलाई गई। बाद में बाबू जगजीवन राम और स्वर्ण सिंह ने कहा कि उनसे एजेंडा पर चर्चा तक नहीं की गई, उन्हें केवल सूचित किया गया, गृह सचिव को बुलाया गया और आदेश पारित किए गए।

वाराणसी में संपन्न हुई मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक

वाराणसी। वाराणसी जिले में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक मंगलवार को संपन्न हुई। इस दौरान अमित शाह ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में चार राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल रहे। इनमें यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, मप्र के सीएम मोहन यादव और छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव मौजूद रहे। बैठक के बाद सभी ने साथ में लंच किया। इसके बाद अमित शाह बाबतपुर एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हुए। नदेसर स्थित ताज होटल में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक हुई। बैठक में सामाजिक विकास, परिवहन सीमा विवाद, कानून व्यवस्था, पर्यावरण और अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में उन मुद्दों पर भी चर्चा हुई जो बिना केंद्र की सहायता के मुद्दे राज्य सुलझा नहीं सकते हैं। इसमें राज्य की संपत्ति, पानी विवाद या सीमा विवाद से जुड़े मामले भी हो सकते हैं। इसके अलावा सामाजिक विकास, पर्यावरण, कानून व्यवस्था समेत कई अन्य मुद्दों पर भी बात की गई।

खबरें फटाफट

इजरायल ईरान के बीच युद्धविराम, ट्रंप बोले- इसे न तोड़ें

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजरायल को चेतावनी दी कि वह अपने पायलटों को वापस बुलाए, क्योंकि वह इजरायल और ईरान के बीच युद्ध विराम को बनाए रखने की कोशिश कर रहे थे। ट्रंप ने पत्रकारों को यह भी बताया कि इजरायल और ईरान ने शत्रुता समाप्त करने के लिए मंगलवार की समय-सीमा के बाद हमलों के साथ युद्ध विराम की शर्तों का उल्लंघन किया। हेग में नाटो शिखर सम्मेलन के लिए रवाना होने से पहले ट्रम्प ने लगातार हमलों के बारे में निराशा व्यक्त की। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने इसका उल्लंघन किया लेकिन इजरायल ने भी इसका उल्लंघन किया। ट्रंप ने कहा कि मैं इजरायल से खुश नहीं हूं। लगभग उसी समय, उन्होंने ट्रुथ पोस्ट में कहा कि इजरायल। उन बमों को मत गिराओ। अगर तुम ऐसा करते हो तो यह एक बड़ा उल्लंघन है। अपने पायलटों को अभी घर ले आओ! इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर अब लागू हो चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा- अभी से सीजफायर लागू होता है। प्लीज इसे न तोड़ें। इजरायल और ईरान के बीच पूरी तरह से सहमति बन गई है।

सीएम नीतीश की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 46 एजेंडों की मंजूरी

जीविका दीदियों के लिए बैंक ऋण की सीमा तीन लाख से बढ़ाकर 10 लाख हुई

- ग्राम पंचायतें 5 लाख की जगह 10 लाख रुपये तक की योजनाएं कर सकेंगी स्वीकृत
- जीविका से जुड़े 1.40 लाख कर्मियों का मानदेय हुआ दोगुना

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता मंत्रिमंडल की बैठक संपन्न हो गई। बैठक में सीएम नीतीश ने कुल 46 प्रस्तावों पर अपनी स्वीकृति दी। सीएम ने बिहार निःशक्कता पेंशन की राशि बढ़ाने के फैसले पर मुहर लगा दी। मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजना और दीदी की रसोई की थाली की दर को कम करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी दे। बिहार के विभिन्न प्रखंडों और मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में दीदी की रसोई शुरू की जाएगी, जहां 1 जुलाई से मरीजों के परिजनों को मात्र 20 रुपये में थाली उपलब्ध होगी। जीविका दीदियों के लिए बैंक ऋण की सीमा 3 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी गई है, जिसमें 7% की ब्याज दर लागू होगी। इसके अलावा, जीविका से जुड़े 1.40 लाख कर्मियों का मानदेय दोगुना कर दिया गया है।

मुजफ्फरपुर में बाबा खगेश्वरनाथ महादेव मंदिर परिसर में लगने वाले मेले को बिहार राज्य मेला प्राधिकार में शामिल करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई है। वहीं मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना के तरह अररिया जिला के कुसार्काटा पंचायत में चौक रोड से टिरा गांव जाने सड़क से बकरा नदी में पुल का निर्माण करवाया जाएगा। इसके लिए 63.31 करोड़ राशि से पुल निर्माण को स्वीकृति दी गई। इसके अलावा वृद्धजन पेंशन योजना की राशि 400 से बढ़ाकर 1100 करने के प्रस्ताव पर भी मुहर लगा दी गई। बिहार सरकार के मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा ने कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान कहा कि महिलाओं से विमर्श के बाद नीतीश सरकार ने कई निर्णय लिए हैं। जीविका दीदी के वेतन में वृद्धि का फैसला लिया गया है तो उन्हें मिलने वाले कर्ज में भी बढ़ोतरी की गई है। मुख्य सचिव ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों के वेतन भत्ता में भी वृद्धि की गई है। इसके साथ ही 94 लाख परिवारों की बेहतरी के लिए कमेटी के गठन का फैसला लिया गया है।

मुखिया व सरपंचों को अब 7,500 रुपये, जबकि वार्ड सदस्यों और पंचों को 1,200 रुपये मासिक मानदेय मिलेगा। प्रतिनिधियों की सामान्य या आकस्मिक मृत्यु पर 5 लाख रुपये की अनुग्रह सहायता दी जाएगी।

अंतरराज्यीय मार्गों के लिए 75 एसी बस खरीदेगी सरकार

नीतीश सरकार बिहार में 68 लाख रुपये की दर से 74 नॉन एसी बस खरीदेगी। इसके लिए 50.32 करोड़ रुपये सहायक अनुदान के रूप में उपलब्ध कराये जाएंगे। वहीं अंतरराज्यीय मार्गों पर 74 लाख रुपये की दर से 75 एसी बस खरीदे जाएंगे। इसके लिए 55.50 लाख रुपये सहायक अनुदान के रूप में उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा अंतरराज्यीय मार्गों पर निजी भागीदारी बढ़ाने लिए निजी बस संचालकों को एसी बस की खरीद पर प्रोत्साहन के रूप में 20 लाख रुपये की राशि प्रति बस की दर से दिए जाएंगे। मनरेगा योजनाओं को लेकर राज्य सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। अब ग्राम पंचायतें 5 लाख की जगह 10 लाख रुपये तक की योजनाएं स्वीकृत कर सकेंगी, जिससे गांवों में विकास कार्यों को रफ्तार मिलेगी, साथ ही पंचायती राज प्रतिनिधियों के मानदेय में डेढ़ गुना तक बढ़ोतरी की गई है।

हाईब्रिड एन्यूटी मॉडल के तहत होगा दीघा से कोईलवर तक सड़क का निर्माण

पटना के दीघा से कोईलवर तक प्रस्तावित सड़क निर्माण को लेकर नीतीश कैबिनेट ने फैसला किया है कि इस सड़क का निर्माण हाईब्रिड एन्यूटी मॉडल के तहत कराया जाएगा। बिहार की महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल दीघा-शेरपुर-बिहटा-कोईलवर तक लगभग 36.65 किमी लंबे मार्ग का जेपी गंगा पथ परियोजना का हिस्सा है। जिसको लेकर खुद नीतीश कुमार ने दिलचस्पी दिखाई थी। अपनी तरह की यह बिहार में यह पहली परियोजना है। 5500 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस फोरलेन सड़क का निर्माण चार साल में पूरा होगा। 18 किलोमीटर तक इसमे एलिवेटेड सड़क भी शामिल है। शेष 17.65 किलोमीटर एटग्रेड सड़क होगी। दानापुर और शाहपुर से इसे जोड़ा जाएगा। पश्चिम में यह सड़क जेपी गंगा सेतु के पास दीघा से कनेक्ट होगी। इस सड़क के बन जाने से आरा और पटना के बीच की यात्रा आसान हो जाएगी।

बिहार में पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाने का रास्ता साफ

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने किया ऐलान

केटी न्यूज/पटना

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बिहार में परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाने का ऐलान किया है। उन्हेंने कहा कि बिहार सरकार की मांग पर परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए केंद्र सरकार हर सहायता देने को तैयार है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार का बिहार को भरपूर फायदा मिल रहा है। सूबे की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के मद्देनजर केंद्र सरकार ने प्रदेश में परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाने में भरपूर मदद का ऐलान किया है। इसके साथ ही राज्य में पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाए जाने का रास्ता साफ हो गया है।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मंगलवार को पटना में ऊर्जा मंत्रियों के सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे थे। यहां उन्होंने पत्रकारों से बातचीत की और बताया कि देश की ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब देश में छह स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) स्थापित किए जाएंगे। जिनमें से एक रिएक्टर बिहार में लगाया जाएगा। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार बिहार में परमाणु संयंत्र लगाने के लिए हर संभव मदद के लिए तैयार है।

हर राज्य में परमाणु संयंत्र लगाने का लक्ष्य

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार का लक्ष्य है कि हर राज्य में कम से कम एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे देश की विकास दर बढ़ रही है, वैसे वैसे बिजली की मांग भी बढ़ रही है। ऐसे में परमाणु ऊर्जा एक भरोसेमंद, टिकाऊ और दीर्घकालिक विकल्प है। एसएमआर यानी स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर, आधुनिक तकनीक से तैयार छोटे आकार के परमाणु रिएक्टर होते हैं जिन्हें पारंपरिक रिएक्टरों की तुलना में कम समय, कम लागत और ज्यादा सुरक्षा के साथ लगाया जा सकता है। एसएमआर को कम आबादी वाले क्षेत्रों या मध्यम ऊर्जा खपत वाले इलाकों में भी आसानी से लगाया जा सकता है।

दलितों की गरिमा को रौंदने वाली हर घटना संविधान पर हमला: राहुल गांधी

एजेंसी/नई दिल्ली

ओडिशा के एक गांव में दो दलित युवकों के साथ की गई बदसलूकी को लेकर सियासत तेज हो चुकी है। अब इस मामले पर कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। राहुल गांधी ने इस घटना को लेकर जहां बीजेपी पर सवाल उठाए हैं, तो वहीं कहा है कि देश संविधान से चलेगा न कि मनुस्मृति से। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर गहरी नाराजगी जताई। राहुल गांधी ने लिखा कि ओडिशा में दो दलित युवकों को घुटनों पर चलने, घास खाने और गंदा पानी पीने पर मजबूर करना सिर्फ अमानवीय नहीं, बल्कि मनुवादी सोच की बर्बरता है। राहुल गांधी ने कहा कि ये घटना उन लोगों के लिए आईना है जो कहते हैं कि जाति अब मुद्दा नहीं रही। कांग्रेस नेता ने कहा कि दलितों की गरिमा को रौंदने वाली हर घटना, बाबा साहेब के संविधान पर हमला है।

वैष्णो देवी मंदिर मार्ग में भूस्खलन, मलबा हटा

एजेंसी/श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों के ऊपर माता वैष्णो देवी मंदिर के लिए नए मार्ग पर लैंडस्लाइड (भूस्खलन) हुआ। अधिकारियों ने कहा कि रास्ते से मलबा हटा दिया गया है और अभी यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। जानकारी के मुताबिक, सोमवार को लैंडस्लाइड से अर्धकुंवारी में वैष्णो देवी मार्ग बंद हो गया। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कोई घायल नहीं हुआ। यात्रा बिना किसी व्यावधान के जारी है।

जानकारी के अनुसार, लैंडस्लाइड की वजह से बंद की गई बैटरी कार सेवा फिर से बहाल कर दी गई है। प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और श्रद्धालुओं को रोक कर रास्ते को साफ करने का काम शुरू किया। मलबा हटने के बाद बैटरी कार सेवा फिर से चालू की गई। अधिकारियों ने बताया कि 30 फीट से अधिक क्षेत्र में फैले मलबे को हटाने के लिए मशीनें भेजी गई। जम्मू-कश्मीर पर्यटन अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कोई घायल नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि तीर्थयात्रा को पुराने मार्ग पर मोड़ दिया गया है और बिना किसी व्यवधान के यात्रा चल रही है। अधिकारियों ने बताया कि हिमकोटि मार्ग पर सत्या व्यू प्वाइंट के पास भूस्खलन उस समय हुआ जब तीर्थयात्रियों की आवाजाही नहीं हो रही थी। बता दें कि सोमवार को श्री माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर तेज बारिश के चलते हिमकोटि के समीप अर्धकुमारी से भवन तक जाने वाले बैटरी कार मार्ग पर भारी भूस्खलन हुआ। इससे यह मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया और बैटरी कार सेवा को अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया। भारी वर्षा के कारण मार्ग पर मलबा और बड़े-बड़े पत्थर गिरने से रास्ता बंद हो गया।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने महाराष्ट्र के पुणे में आयोजित कार्यक्रम में कही बात

परियोजनाओं के लिए धन की कमी नहीं, नौकरशाही में लचीलेपन की कमी

एजेंसी/मुंबई

महाराष्ट्र के पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि परियोजनाओं के लिए धन की कोई कमी नहीं है लेकिन नौकरशाही में लचीलेपन की कमी और लीक से हटकर न सोचना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि आम तौर पर अधिकारी नए आईडियाज को रिजेक्ट ही कर देते हैं। नितिन गडकरी ने कहा कि पूर्व नौकरशाह विजय केलकर ने लचीला रुख अपनाया और वे अपवाद हैं। इस समारोह में केलकर को पुण्यभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि हमारे पास धन की कमी नहीं है। मैं हमेशा एक लाख करोड़, 50,000 करोड़ या दो लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं की बात करता हूं। मोदी सरकार के वरिष्ठ मंत्री गडकरी ने कहा कि आम तौर पर पत्रकार बड़ी घोषणाओं के मामले में राजनेताओं पर भरोसा नहीं करते। मैं उनसे कहता हूं कि मैं जो कहता हूं उसे रिकॉर्ड करें और अगर काम पूरा नहीं होता है तो ब्रेकिंग न्यूज चलाएं। मंत्री ने यह भी कहा कि चिंता धन की उपलब्धता की बजाय काम की धीमी गति को लेकर है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों में जब मवेशी चरने जाते हैं तो वे एक ही पंक्ति में चलते हैं। वे इतने अनुशासित होते हैं कि कभी भी क्रम नहीं तोड़ते। मुझे कभी-कभी नौकरशाही के बारे में भी यही महसूस होता है। यहां लीक से हटकर विचार अपनाना पूरी तरह मना है।

पूर्व नौकरशाह केलकर को सम्मानित किए जाने के मौके पर गडकरी ने कहा कि उन्होंने केलकर से उस समय मुलाकात की थी जब वह वित्त आयोग के चेयरमैन थे और उन्हें बताया था कि 3.85 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली 406 परियोजनाएं रुकी हुई हैं और बैंकों के सामने तीन लाख करोड़ रुपये की गैर-निष्पादित आस्तियां होने का खतरा है।

सिमरी के राजस्व अधिकारी समेत तीन पर सीजीएम कोर्ट में परिवाद दर्ज

♦ जानबूझकर मूल दस्तावेज के डीड के बदले गलत डीड डालकर फर्जी तरीके से जमीन का दाखिल खारिज करने का लगाया गया आरोप

केटी न्यूज/डुमरांव

जिस जमीन पर नंबरी वाद चल रहा था तथा उस पर पूर्व में आपत्ति डाला गया था, उसका फर्जी तरीके से मूल दस्तावेज के डीड संख्या में फेरबदल कर सिमरी के राजस्व अधिकारी द्वारा दाखिल खारिज कर दिया गया है। इस मामले की जानकारी होने के बाद पीड़िता ने इस संबंध में सिमरी के आरओ समेत कुल तीन लोगों पर बक्सर सीजीएम कोर्ट में परिवाद दर्ज कराया है। मामले की जानकारी मिलते ही सिमरी अंचल प्रशासन में हड़कंप मच गया है।

आपत्ति डालने के बावजूद आरओ ने किया दाखिल खारिज

यह मामला अंचल के राजपुर पर्षनपाह पंचायत के परनही कला मौजा के थाना संख्या 02, खाता 175, प्लाट 339 व 361 जिसका रकबा क्रमशः 31.332 डिसमील व 94.334 डिसमील है, से जुड़ा है। जिसके दाखिल खारिज का जिम्मा विभाग द्वारा राजस्व अधिकारी राहुल सिंह को दिया गया है।

सीजीएम को दिए आवेदन में परिवादी ने जिक्र किया है कि उक्त भूखंड का दाखिल खारिज कराने के लिए सिमरी अंचल में वाद संख्या 2371/24-25 दर्ज किया गया था, जिसमें मैने कोर्ट में नंबरी मुकदमा चलने का जिक्र करते हुए आपत्ति डाली थी। जिसके बाद उक्त वाद को पेंडिंग दिखाते हुए सिमरी के राजस्व अधिकारी ने विपक्षियों रामावती देवी व उनके पति तेजनारायण यादव को लाभ पहुंचाने के उदेश्य से वाद संख्या 2371 को छुपाकर दूसरा आवेदन दिया गया, जिसका वाद संख्या 100/25-26 है।

इस आवेदन पर आरओ द्वारा मूल दस्तावेज के डिड संख्या 1095 को छिपाकर उसके जगह फर्जी डिड संख्या 1114 डालकर उसका दाखिल खारिज कर दिया गया है।

दाखिल खारिज को रद्द करने की मांग की थीः जबकि पीड़िता द्वारा पूर्व में एक अप्रैल 25 व 25 अप्रैल 25 को सीओ तथा इसके बाद 16 मई को जिलाधिकारी के पास आपत्ति का आवेदन दे उक्त दाखिल खारिज को रद्द करने की मांग की थी, लेकिन उसे न तो सीओ से और न ही जिलाधिकारी को आवेदन देने से न्याय मिला। इसी दौरान उक्त पंचायत का प्रभार आरओ राहुल सिंह को मिल गया, उन्होंने डिड संख्या व वाद संख्या बदल उक्त भू-खंड का दाखिल खारिज स्वीकृत कर दिया है। पीड़िता के अधिवक्ता शशिकांत उपाध्याय ने बताया कि इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 338, 336(3), 61(2) तथा आईपीसी की धारा 467, 468 व 120 (बी) के तहत परिवाद दर्ज किया गया है।

वहीं, सिमरी सीओ भवानी शंकर पांडेय ने कहा कि पर्षनपाह पंचायत आरो के जिम्मे है। मीडिया के माध्यम से परिवाद दायर होने की जानकारी मिली है। मामले की जांच की जा रही है। इस मामले में दोषी पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ वरीय नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

दिवंगत छात्रा मधु की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा, पुस्तकालय को आलमारी दान कर दी मिसाल

राजपुर। प्रखंड के मंगराव गांव में दिवंगत इंटर अंतिम वर्ष की छात्रा मधु कुमारी की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्याम कुमार सिंह ने की। सभा की शुरूआत बौद्धिक रीति से पंचशील दीप प्रज्वलन और मधु कुमारी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। इस अवसर पर आए अतिथियों को मधु कुमारी की स्मृति में फलदार पौधे भेंट किए गए। उपस्थित जनों ने पौधारोपण कर धरती को बचाने और जल-जीवन-हरियाली अभियान को गति देने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने मधु कुमारी को एक होनहार छात्रा बताया, जिनका सपना अधूरा रह गया। उनके पिता ने उनकी स्मृति में प्रियदर्शी सम्राट अशोक पुस्तकालय को एक आलमारी दान की, जिसे एक अमूल्य योगदान और बेटी की याद को जीवित रखने का अनोखा माध्यम बताया गया। इससे आने वाले विद्यार्थियों और पाठकों को प्रेरणा मिलेगी। पूर्व मुखिया मकरध्वज सिंह विद्रोही ने जलवायु परिवर्तन और धरती के बढ़ते ताप पर चिंता जताई और हर अवसर पर पौधारोपण की अपील की। इस अवसर पर बौद्धाचार्य भंते आनंद, जिला पार्षद प्रतिनिधि मनोज कुशवाहा, ज्योति सिंह, पैक्स अध्यक्ष राजेश सिंह, दीनदयाल सिंह, राधेश्याम सिंह, डॉ. लक्ष्मण सिंह, मिथिलेश सिंह, राजेन्द्र राम, सत्येंद्र राम, शिक्षक भृगुनाथ सिंह, रिंकू सिंह, जितेंद्र सिंह सहित अन्य लोगों ने भी संकल्प लिया।

बारिश में सोनवर्षा सब्जी बाजार जलमग्न, निकासी व्यवस्था नहीं होने से बिगड़े हालत

नावानगर। आद्रा नक्षत्र की पहली ही बारिश ने पंचायत प्रतिनिधियों की तैयारियों और व्यवस्था की पोल खोल दी। मंगलवार को कुछ ही घंटों की बारिश ने सोनवर्षा सब्जी बाजार को तालाब में तब्दील कर दिया। सड़कों और गलियों में घुटनों तक पानी जमा हो गया, जिससे दुकानदारों और ग्राहकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि जलजमाव के कारण बाजार की गतिविधियां ठप हो गईं। कीचड़ और गंदगी में ग्राहक आने से कतरा रहे हैं, जिससे व्यापार पर सीधा असर पड़ा है। जल निकासी व्यवस्था पहले से ही जर्जर है, ऊपर से कई लोगों ने नालियों के किनारे चबूतरे बनाकर अतिक्रमण कर रखा है, जिससे पानी की निकासी और भी बाधित हो गई है। स्थानीय निवासी श्याम बिहारी पाण्डेय, कलामुद्दीन, नौसाद अली, संतोष साहू, अजमेर खां ने बताया, ह्हर साल यही हाल होता है। जब तक प्रशासन स्थायी समाधान नहीं करेगा और अतिक्रमण नहीं हटाएगा, तब तक हालात नहीं सुधरेंगे।ह्व इधर ग्रामीणों ने बताया कि नालियां कई स्थानों पर जाम हैं और अतिक्रमण के कारण सफाई भी ठीक से नहीं हो पाती। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि प्रशासन जल्द से जल्द अतिक्रमण हटाए, जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करे और बारिश से पहले सभी नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित करे। अन्यथा लगातार बारिश की स्थिति में बाजार पूरी तरह पंगु हो सकता है और दुकानदार से लेकर आम लोगों को भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है।

नया भोजपुर थाना क्षेत्र के पुराना भोजपुर में वज्रपात का तांडव, घर में मचा कोहराम

आंगन में खेल रही नौ साल की मासूम पर गिरी बिजली, इलाज के दौरान मौत

♦ सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस, स्वजनों ने नहीं कराया शव का पोस्टमार्टम

केटी न्यूज/डुमरांव

मंगलवार को नया भोजपुर थाना क्षेत्र के पुराना भोजपुर में एक अमंगल घटना हो गई। सुबह करीब सात बजे अपने घर के आंगन में खेल रही एक नौ वर्षीय बच्ची पर अचानक आकाशीय बिजली गिर गई, जिसके चपेट में आने से वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई तथा प्राथमिक इलाज के बाद हायर सेंटर ले जाने के दौरान रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

हंसते-खेलती बच्ची की अचानक मौत से स्वजनों में क्रंदन चित्कार मच गया। बिजली गिरने की आवाज व स्वजनों के क्रंदन-चित्कार को सुन पड़ोसी भी उसके घर दौड़े भागे पहुंचे। इस दौरान स्थानीय पुलिस को भी घटना की जानकारी दी गई। जानकारी मिलते ही पुलिस भी तत्काल मौके पर पहुंची, लेकिन स्वजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया। इसके बाद पुलिस बैरंग लौट आई।

मृतका की पहचान पुराना भोजपुर वार्ड 12 निवासी राहुल राम की नौ वर्षीय पुत्री आरती कुमारी के रूप में हुई है। राहुल मजदूरी कर अपने परिवार की आजीविका चलाता है। उसके आरती समेत कुल तीन बच्चियां है।

मिली जानकारी के अनुसार सुबह में आंख खुलने के बाद आरती अभी आंगन में खेल रही थी। इसी दौरान आसमान में बिजली कड़कने की आवाज सुनाई पड़ी। लोग अभी कुछ समझ पाते कि आकाशीय बिजली उसके आंगन के समीप ही गिर गई, जिसकी चपेट में आने से आरती गंभीर रूप से जख्मी हो गई। स्वजन आनन-फानन में उसे इलाज के लिए डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसकी बिगड़ती हालत को देख चिकित्सकों ने उसे सदर अस्पताल बक्सर रेफर कर दिया। स्वजन उसे लेकर बक्सर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद ग्रामीण भी डरे सहमे हुए है। गौरतलब है कि अभी तक आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं सिर्फ बाधार में ही हो रही थी, लेकिन अब घर के समीप बिजली गिरने से ग्रामीण चिंतित है।

नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पुराना भोजपुर में आकाशीय बिजली गिरने से नौ वर्षीय एक बच्ची की मौत हो गई है। स्वजनों ने पोस्टमार्टम नहीं करवाया है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो युवक घायल, समय पर इलाज से बची जान

केटी न्यूज/केसठ

मंगलवार को तेज बारिश के साथ गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आकर पोखराटोला गांव के दो युवक घायल हो गए। घायलों की पहचान 18 वर्षीय अजीत कुमार पिता भिखारी यादव और 22 वर्षीय गुड्डू कुमार पिता नरेश यादव, के रूप में की गई है।

घटना के बाद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केसठ में भर्ती कराया। इलाज कर रहे चिकित्सक डॉ. जीयाउलहक ने बताया कि दोनों युवकों को आकाशीय बिजली की हल्का झटका लगा है, फिलहाल दोनों की स्थिति सामान्य और स्थिर है। समय पर अस्पताल पहुंचा दिए जाने से बड़ी दुर्घटना टल गई। जानकारी के अनुसार दोनों युवक खेत में काम कर रहे थे। बारिश शुरू होते ही वे नजदीक के आम के पेड़ के नीचे छिप गए। तभी तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली वहीं गिर पड़ी, जिससे दोनों झुलस गए। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही पंचायत मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने डॉक्टरों से समुचित इलाज सुनिश्चित करने को कहा।

जीतवडीह मोड़ के समीप खाई में गिरी यात्री बस, बड़ा हादसा टला

नावानगर। बासुदेवा थाना क्षेत्र अंतर्गत जीतवडीह मोड़ के पास मंगलवार को एक बड़ा हादसा उस समय टल गया जब एक यात्री बस अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और सभी यात्री सुरक्षित हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बस नावानगर से डुमरांव की ओर जा रही थी। इसी दौरान जीतवडीह मोड़ के पास एक बाइक को बचाने के प्रयास में बस चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे बस सीधे खाई में जा गिरी। हादसे के तुरंत बाद क्षेत्र के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी बासुदेवा थाना को दी। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष मधुबाला भारती के नेतृत्व में पुलिस दल मौके पर पहुंचा और घटनास्थल का निरीक्षण किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि नावानगर से डुमरांव जा रही बस जितवडीह मोड़ के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। सौभाग्यवश, बस में सवार किसी भी यात्री को चोट नहीं आई है। लोगों का कहना है कि मोड़ पर तीव्र घुमाव और सड़क की स्थिति के कारण इस तरह की घटनाएं पहले भी घट चुकी हैं। प्रशासन से मांग की जा रही है कि सड़क पर आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाएं ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं रोकी जा सकें।

महिलाओं से संबंधित समस्याओं को ध्यान से सुनकर करें मामले का निष्पादनः एसपी

केटी न्यूज/नावानगर

एसपी शुभम आर्य ने मंगलवार को बासुदेवा थाना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में एसपी ने बारी-बारी से सभी फाइलों को खंगाला। जिसमें आगंतुक पंजी, पासपोर्ट पंजी, आरटीआई पंजी, मालखाना पंजी, लोक शिकायत पंजी, वारंट, इश्तिहार, कुर्की, डैकती, लूट, फिरारी, दागी, गुंडा समेत अन्य पंजीयों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। थाना में संधारित सभी तख्ती एवं पंजियों का अवलोकन किया गया।

करीब दो घंटे तक चले निरीक्षण के दौरान एसपी ने अपराध नियंत्रण को लेकर सख्त निर्देश दिये। थाना में नियमित रुप से नोटिस निर्गत कर क्रिमनल परेड कराने एवं क्रिमनल की उपस्थिति दर्ज करने के साथ हीं नये दागियों को चिन्हित करते हुए उनपर कार्रवाई करने हेतु निर्देश दिया। इसके अलावा एसपी ने थाना के पुलिस पदाधिकारियों को पब्लिक फ्रैंडली रखने पर विशेष जोर दिया। इसके अलावा महिलाओं से संबंधित समस्याओं को ध्यान पूर्वक सुनने व उनकी समस्याओं का निष्पादन करने का आदेश भी दिए।

एसपी ने शराब तस्करी की सूचना संकलन कर शराब बिक्री पर अंकुश लगाने एवं शराब तस्करों, माफियाओं की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कहा शराब से जुड़े अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शाना नहीं है। साथ ही विधि-व्यवस्था संधारण एवं अपराध नियंत्रण के दृष्टिकोण से नियमित रूप से वाहन चेकिंग करने व चौकीदारों के माध्यम से सूचना संकलन करने पर एसपी ने थानाध्यक्ष को विशेष हिदायत दिया। क्षेत्र के सभी गतिविधियों पर नजर रखते हुए वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री खेल विकास योजना के तहत 205.92 लाख की प्रशासनिक स्वीकृति की कवायद शुरू

♦ आधुनिक सुविधाओं से युक्त आउटडोर स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा

केटी न्यूज/डुमरांव

विधानसभा क्षेत्र के खेल प्रेमियों के लिए एक अच्छी खबर है। डुमरांव विधायक डॉ. अजीत सिंह कुशवाहा की पहल पर जल्द ही खेल के क्षेत्र में बड़ी सौगात मिलेगी। इसके तहत डुमरांव राज हाई स्कूल में आधुनिक सुविधाओं से युक्त आउटडोर स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। इसमें 200 मी. का एथलेटिक्स ट्रैक और एक पूर्ण आकार का फुटबॉल मैदान शामिल होगा।

इस परियोजना के लिए राज्य सरकार के खेल विभाग ने मुख्यमंत्री खेल विकास योजना के तहत कुल 205.92 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति निर्गत करने की प्रारंभिक कवायद शुरू कर दी है। यह परियोजना डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह की विशेष पहल और अनुशंसा पर स्वीकृत की गई है। विधायक ने विधानसभा में इस प्रश्न को उठाने के साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के दौरान युवाओं की खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए इस तरह की आधारभूत खेल संरचना की आवश्यकता को प्रभावी ढंग से उठाया था।

इस संबंध में खेल विभाग के अवर सचिव उमाकांत प्रसाद ने पत्र जारी कर बताया कि खेल मैदान में 200 मीटर ट्रैक युक्त फुटबॉल स्टेडियम के निर्माण कार्य हेतु तकनीकी अनुमोदित प्राक्कलन के प्रशासनिक स्वीकृति निर्गत करने की कार्रवाई प्रक्रियाधीन कर दी गई है। विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने इस स्वीकृति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य सिर्फ खेल को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। डुमरांव में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन उन्हें दिशा देने और संसाधनों की उपलब्धता की जरूरत है। यह स्टेडियम उन्हीं संभावनाओं को साकार करने की दिशा में एक ठोस कदम है।

एक दशक से करूअज के ग्रामीण सड़क बनने का कर रहे इंतजार

डुमरांव। ग्रामीण क्षेत्र को सड़क से जोड़ उनके विकास करने की बात आए दिन सरकार से लेकर अधिकारी तक करते आ रहे हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी गांव हैं, जिन्हें सड़क नसीब तक नहीं हुई है। आज की तारीख में भी बेचार गड्ढे नुमा सड़क से होकर गुजरने पर मजबूर हैं। मजबूरी उस समय और सताती है, जब कोई बीमार पड़ता है और जर्जर रोड के कारण कोई वाहन वाला तैयार नहीं होता है। गांव के लोग वैसे मरीज को खाट पर लादकर अस्पताल पहुंचाते हैं। ऐसा ही गांव है डुमरांव प्रखंड का करूअज गांव। दो हजार की अबादी को समेटे इस गांव के बच्चे पैदल चलकर डुमरांव पढ़ने के लिये आते हैं। साइकिल से पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की साइकिल कब जवाब दे देगी, उसका कोई भरोसा नहीं है। इस जर्जर सड़क पर साइकिल की सवारी करना भी किसी मुसिबत से कम नहीं है। इधर ग्रामीणों का कहना है कि धरना-प्रदर्शन ही करने के लिये रह गया है, जो शीघ्र ही आयोजित होगा।

बक्सर में हुआ एवरग्रीन रेस्टोरेंट एंड कैफे का भव्य उद्घाटन, भोजन व ठहरने की उत्तम व्यवस्था

ऐसे प्रतिष्ठानों से युवाओं को मिलेगा रोजगार का अवसरः डॉ. श्रवण

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर कलेक्ट्रेट के समीप मंगलवार को एवरग्रीन रेस्टोरेंट एंड कैफे का भव्य उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। इस नए प्रतिष्ठान में ग्राहकों के लिए स्वादिष्ट भोजन के साथ ठहरने की भी बेहतरीन व्यवस्था की गई है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आरपीएफ इंस्पेक्टर कुंदन कुमार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में रेडक्रॉस सचिव डॉ. श्रवण तिवारी, अधिवक्ता सत्यप्रकाश पांडेय और मुथूट फिनकॉर्प के शाखा प्रबंधक निकेश पांडेय उपस्थित रहे।

इस क्रम में सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर रेस्टोरेंट का उद्घाटन किया। रेस्टोरेंट के शुभारंभ से क्षेत्रवासियों में उत्साह देखा गया और उम्मीद की जा रही है कि यह स्थान शहर का प्रमुख आकर्षण केंद्र बनेगा।

मुख्य अतिथि कुंदन कुमार ने रेस्टोरेंट के शुभारंभ पर संचालक को शुभकामनाएं दीं और कहा कि इस प्रकार के प्रतिष्ठान न केवल स्थानीय युवाओं को रोजगार प्रदान करते हैं, बल्कि शहर के विकास में भी अहम भूमिका निभाते हैं। रेडक्रॉस सचिव डॉ. श्रवण तिवारी ने भी प्रतिष्ठान के उद्घाटन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आधुनिक और सुविधाजनक स्थानों की आवश्यकता शहर में लंबे समय से थी। यह रेस्टोरेंट निश्चित रूप से ग्राहकों की उम्मीदों पर खरा उतरेगा।

वहीं, अधिवक्ता सत्य प्रकाश पांडेय ने कहा कि कलेक्टेज्ट के समीप आधुनिक रेस्टोरेंट खुलने से कलेक्टेज्ट आने वाले लोगों, कर्मियों के साथ ही अधिवक्ताओं को भी लजीज व्यंजन का स्वाद मिलेगा। उन्होंने इस प्रयास के लिए संचालक रामबाबू जायसवाल एवं गौरव जायसवाल को शुभकामनाएं दी।

वहीं, रेस्टोरेंट संचालक रामबाबू जायसवाल एवं संचालक गौरव जायसवाल ने सभी आगंतुक अतिथियों का फूल माला, बुके, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि ग्राहकों को यहां गुणवत्तापूर्ण भोजन एवं आरामदायक ठहरने की सुविधा मिले। इस अवसर पर कई गणमान्य अतिथि भी मौजूद रहे जिनमें रमेश जायसवाल, जितेंद्र राय, मान्यवर शोरूम के प्रोपराइटर प्रकाश गुप्ता, विकास कुमार, बार एसोसिएशन के सचिव बिंदेश्वरी पांडेय, पूर्व अध्यक्ष अधिवक्ता सूबेदार पांडेय, अधिवक्ता धीरज ठाकुर, मनीष पाठक, अधिवक्ता अमित यादव, आरपीएफ उपनिरीक्षक दिनेश चौधरी तथा समाजसेवी संतोष भारती सहित अन्य सम्मानित व्यक्ति शामिल थे।

दूसरे दिन मिला कर्मनाशा में डूबे किशोर का शव, मुआवजा के लिए लोगों ने किया सड़क जाम

- सीओ के समझाने पर ग्रामीणों ने हटाया जाम
- बोले... मिलेगा नियमानुसार मुआवजा

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के डिहरी गांव में कर्मनाशा नदी में डूबे किशोर उमेश कुमार उर्फ छोटू पिता रामाशीष राम का शव घटना के दूसरे दिन मंगलवार को उत्तर प्रदेश की सीमा में स्थित सायर घाट से बरामद किया गया।

इधर शव मिलने की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के बाद नाराज परिजनों व ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर कैमूर स्टेट हाईवे को डिहरी गांव के पास जाम कर दिया था।

बता दें कि सोमवार की दोपहर किशोर अपने मवेशियों को धोने कर्मनाशा नदी गया था। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। स्थानीय गोताखोरों ने देर शाम तक खोजबीन की, लेकिन सफलता नहीं मिली। मंगलवार की सुबह किशोर का शव नदी में बहता हुआ यूपी की सीमा में मिला। सूचना पर परिजन शव लेकर गांव पहुंचे।

जाम की सूचना मिलते ही हरकत में आया प्रशासन : शव पहुंचते ही आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर कैमूर स्टेट हाईवे पर जाम लगा दिया। जाम की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया। मौके पर पहुंचे एसआई पुलिस बल के साथ जाम स्थल पहुंचे लोगों को समझा-बुझाकर जाम हटवाने का प्रयास किया जा रहा है। लगभग डेढ़ घण्टे जाम करने वाले ग्रामीण बड़े अधिकारियों को बुलाने की मांग पर अड़े है।

करीब तीन घंटे बाद 10.30 बजे सीओ उद्धव मिश्र मौके पर पहुंचे, उन्होंने ग्रामीणों को समझा बुझाकर शांत कराया तथा उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया, जिसके बाद स्वजनों का आक्रोश शांत हुआ तथा स्वजनों ने जाम हटाया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा।

प्रशासनिक उदासीनता तीन घंटे तक लगा रहा जाम: इस घटना के बाद प्रशासनिक उदासीनता पर सवाल खड़े हो गए है। ग्रामीणों ने सुबह सात बजे ही ग्रामीणों ने स्टेट हाइवे को डिहरी के पास जाम कर दिया था तथा घटना स्थल पर वरीय अधिकारियों को बुलाने की मांग पर अड़े थे, बावजूद स्थानीय सीओ को वहां पहुंचने में तीन घंटे का समय लग गया। इस दौरान जाम से वाहन चालकों के साथ ही आम लोगों को खासे परेशान होना पड़ा।

एक नजर

पशुपालकों को दी गई योजनाओं की जानकारी

बक्सर। पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालकों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए गांव-गांव जाकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में चौसा के कोचाढ़ी एवं मोहनपुरवा गांव में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पशुपालकों को विभाग की योजनाओं और 1962 हेल्पलाइन सेवा की जानकारी दी गई। नाटक मंडली ने बताया कि 1962 नंबर पर कॉल कर पशुपालक घर बैठे मुफ्त पशु इलाज की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही, यह चेतावनी दी गई कि झोलाछाप या घुमंतू डॉक्टरों की सलाह पर दवा देने से पशु की स्थिति और खराब हो सकती है। चौसा प्रखंड की 1962 पशु चिकित्सा इकाई के डॉ. अजय यादव, पैरावेट अमित कुमार और चालक श्री शत्रुघ्न कुमार ने ग्रामीणों को बताया कि हर दिन दो गांवों में जाकर विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जाती है और बीमार पशुओं का निशुल्क इलाज किया जाता है। भ्रमणशील के पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि 25 जून से 25 जुलाई तक गौ पालन, भैंस पालन, छोटे एवं बड़े दूध उत्पादन यूनिट की स्थापना हेतु ऑनलाइन आवेदन मांगे जा रहे हैं। इच्छुक लाभार्थी पशुपालन विभाग की वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं।

सैनिक सह रक्तवीर सम्मान समारोह का आयोजन करेगी अभिनय कला संगम

डेहरी। देश के चर्चित समाजिक व सांस्कृतिक संस्था अभिनव कला संगम द्वारा आगामी 26 जून को सैनिक सम्मान सह रक्तवीर सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर सोमवार कि रात पाली रोड स्थित रघुकुल निवास मे अभिनव कला संगम बैठक हुई। बैठक में अध्यक्ष कमलेश कुमार व सचिव विनय मिश्रा ने कहा कि पिछले पांच जून को संस्था द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें बड़ी संख्या मे रक्त वीरों ने रक्तदान किया था। प्रति वर्ष संस्था द्वारा रक्तदान करने वाले रक्त वीरों को सम्मानित किया जाता है। इसी क्रम मे इस वर्ष भी शहर के पाली रोड स्थित एक निजी होटल मे सैनिक सम्मान सह रक्त वीर सम्मान समारोह का आयोजन किया जाना है, जो संस्था कि गौरव की बात है। जहां एक और देश की रक्षा के लिएहै सैनिक अपना जान देते हैं, वहीं कई जिंदगियों को बचाने के लिए रक्तबीर अपना खून देते हैं। ऐसे में इस प्रकार के सम्मान समारोह के आयोजन से समाज में एक सकारात्मक संदेश जाता है। सम्मान समारोह कार्यक्रम मे प्रशासनिक अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों व समाजिक संगठनो कि भूमिका अहम रहेगी। बैठक मेहै कार्यक्रम कि तैयारी को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में संरक्षक सिमल सिंह, भूपेन्द्र नारायण सिंह, सचिव विनय मिश्रा, निदेशक कौशलेंद्र कुशवाहा, महासचिव प्रो. रणधीर सिंहा, उपाध्यक्ष संजय यादव, मुकुल मणि, रवि तिवारी, आलोक मिश्रा, संजय गुप्ता उर्फ नीलू, मनोज गुप्ता, बैजू गुप्ता समेत अन्य उपस्थित थे।

सड़क हादसे में दो की दर्दनाक मौत, एक गंभीर रूप से जख्मी

सासाराम। मंगलवार को सुबह करीब 8 बजे ऑटो और ट्रक की भीषण टक्कर हो गई। जानकारी के अनुसार सासाराम नगर थाना क्षेत्र के बेदा नहर के समीप ऑटो-ट्रक में भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतना भीषण था कि ऑटो सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने घंटों सड़क को जाम किया। घटना अहले सुबह की है, जहाँ बेदा नहर के पास सड़क हादसे में ऑटो सवार संतोष सिंह महतो तथा ऑटो चालक भोला पासवान की मौत मौके पर ही हो गयी।

जबकि एक ऑटो सवार गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका इलाज सदर अस्पताल के ट्रामा सेंटर में चल रहा है। सड़क हादसे में मृतक लोगों की पहचान संतोष सिंह महतो चेनारी थानाक्षेत्र के नायकपुर गांव के निवासी के रूप में किया गया है। जबकि दूसरा मृतक भोला पासवान शिवसागर थानाक्षेत्र के मोरसराय के बताए जाते है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सासाराम की पुरानी जीटी रोड को बेदा नहर के पास तीन घंटे तक जाम रखा। मौके पर पहुंचे सदर अनुमंडल पदाधिकारी आशुतोष रंजन तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-1 दिलीप कुमार ने लोगों को समझा-बुझाकर सड़क को खाली कराया। पुलिस दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर सदर अस्पताल सासाराम पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया।

मुख्य सचिव ने की कई विभागों के कार्यों की समीक्षा, दिए आवश्यक निर्देश

प्रत्येक ग्राम पंचायतों व नगर निकायों में कराएं खेल क्लब गठन: मुख्य सचिव

- वीसी में शामिल हुए जिलाधिकारी डॉ. विद्यानन्द सिंह के साथ विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी

केटी न्यूज/बक्सर

मंगलवार को बिहार सरकार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा की अध्यक्षता में वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सामान्य प्रशासन विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, खान एवं भूतत्व विभाग, मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन विभाग, परिवहन विभाग, विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी विभाग, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, एवं खेल विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। जिसमें बक्सर जिलाधिकारी डॉ. विद्यानन्द सिंह एवं संबंधित विभाग के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

योग्य लाभुकों का की प्रविष्टि हर हाल में होनी चाहिए: जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्य सचिव ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग अंतर्गत डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत आयोजित शिविर में प्राप्त आवेदनों का विकास रजिस्टर 2.0 पर निष्पादन, वासगीत पर्चा के आवेदन को ऐप पर प्रविष्टि एवं ऐप के माध्यम से निष्पादन आदि की समीक्षा करते हुए इन कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया तथा कहा कि योग्य लाभुकों का की प्रविष्टि हर हाल में होनी चाहिए।

वहीं, जीविका के तहत संचालित महिला संवाद कार्यक्रम के दौरान महिलाओं द्वारा की गई आकांक्षाओं एवं उसके निष्पादन की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने प्राथमिकता के आधार पर उसका निष्पादन करने को कहा। मुख्य सचिव ने कहा महिलाओं द्वारा अपने गांव या पंचायत में जिन जरूरतों की मांग की गई है, उसकी उपयोगिता को देखते हुए उसे पूरा किया जाए। जबकि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अंतर्गत ऑनलाइन दाखिल खारिज, परिमार्जन प्लस, जमाबंदी सत्यापन, अभियान बसेरा-2, सरकारी भूमि का सत्यापन एवं दाखिल खारिज आदि की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिए।

गृह विभाग अंतर्गत बिहार अपराध नियंत्रण अधिनियम 2025, शस्त्र सत्यापन, शस्त्रागार का निरीक्षण, चरित्र प्रमाण पत्र सत्यापन, भूमिहीन थाना एवं अग्निशमालय के लिए भूमि की उपलब्धता, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से संबंधित मामले, भू समाधान पोर्टल, कब्रिस्तान की घेराबंदी, मंदिर चाहरदीवारी, विधिक आदेशिकाएं एवं तमिला, सीसीओएनएस पर दर्ज काण्ड आदि की समीक्षा करते हुए इसके समाधान के निर्देश मुख्य सचिव ने दिए है।

जिलाधिकारी ने बताया कि बैठक के बाद जिले में भूमिहीन थानों, अग्निशमलाय आदि के कार्यालय निर्माण के लिए उनकी सूची तलब की जाएगी।

खान एवं भू-तत्व विभाग के अंतर्गत अनिलामित बालू घाटों, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए आवश्यक निदेश दिए गए।

जन शिकायत मामलों का जल्द निष्पादन करने का दिश निर्देश: मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के अंतर्गत रोक सूची के अंतर्गत खेसरा, जिला मद्य निषेध एवं उत्पाद कार्यालय एवं मद्य निषेध थानों के लिए भूमि की उपलब्धता, अवैध विदेशी शराब की बिक्री के विरुद्ध छापेमारी, अधिहरण तथा नीलामी हेतु लंबित वाहन की समीक्षा करते हुए आवश्यक निदेश दिए गए। सामान्य प्रशासन विभाग के अंतर्गत डीसी विपत्रों के समायोजन, रोजगार सृजन, स्वच्छ बिहार पोर्टल, लंबित सीपीग्राम, सीएम डैशबोर्ड एवं जन शिकायत के मामलों का निष्पादन की समीक्षा करते हुए आवश्यक निदेश दिए गए। बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी के अंतर्गत मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली, कैडर मैपिंग की समीक्षा की गई।

खेल विभाग के अंतर्गत राज्य के प्रत्येक नगर एवं ग्राम पंचायत में खेल क्लब का गठन, खेल भवन सह व्यायामशाला निर्माण, खेलो इंडिया आधारभूत अवसंरचना निर्माण, प्रखंड स्तरीय आउटडोर स्टेडियम, खेल छात्रवृति योजना, प्रतिभा खोज अभियान मशाल प्रगति यात्रा के दौरान किए गए घोषणाओं में कार्य प्रगति की समीक्षा की गई तथा खेल के विकास के लिए हर संभव उपाय का निर्देश दिया गया।

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के अंतर्गत नियमित रूप से सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार प्रसार, फॉलोवर्स, फेसबुक लाइव स्ट्रीमिंग, विभागीय होर्डिंग, प्रचार प्रसार, सफल कहानियों आदि की समीक्षा करते हुए आवश्यक निदेश दिए गए।

कला संस्कृति एवं युवा विभाग बिहार के अंतर्गत बिहार फिल्म प्रोत्साहन नीति 2024 का क्रियान्वयन, पुरास्थलों की घेराबंदी, अटल कला भवन निर्माण मॉय भारत पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग कराने की समीक्षा करते हुए आवश्यक निदेश दिए गए।

मलाईदार कुर्सी पद के लिए मोटी रकम लेकर पोस्टिंग कर रही है सरकार: भाकपा

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

मंगलवार को भाकपा माले एरिया कमेटी के बैनर तले जन समस्याओं के निदान करने हेतु अनुमंडल कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन एवं सभा का आयोजन किया गया। जिस सभा की अध्यक्षता कामरेड अनिल गुप्ता एवं संचालन कामरेड हीरामन राम ने की। धरना प्रदर्शन की शुरूआत जुलूस के द्वारा किया गया, जो बिक्रमगंज चौराहा आरा रोड से चलकर अनुमंडल कार्यालय पहुंच सभा में तब्दील हो गया।

भाकपा माले के रोहतास जिला सचिव कामरेड अशोक बैठा ने कहा कि बिहार में नीतिश सरकार पूरी तरह से कमीशन खोरी और घूसखोरी की गंगोत्री में डूबी हुई है। बिहार में

अफसर शाही चरम सीमा पर है। सभी निर्माण कार्यों में विभाग के मंत्री, अधिकारी एवं क्लर्क सभी मिलकर टोटल राशि के 65 प्रतिशत रुपया खुलेआम बैठकर कमीशन खाने के काम ही विकास का काम है। उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों का तबादला मलाईदार कुर्सी पद के लिए मोटा रकम लेकर पोस्टिंग कर रही है। फिर इन अधिकारियों को छूट देकर जनता को लूटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून की जगह गुंडा माफियाओं,भ्रष्टाचारियों एवं कमीशन खोरो का राज कायम हो गया है। उक्त दौरान अन्य वक्ताओं ने अपना अपना विचार रखा। मौके पर सुरेंद्र पासवान, सुभाष पासवान, सोनू कुमार, कामरेड मंटू कुमार, कामरेड अनिल बैठा, अनिल गुप्ता, सोनू पासवान, मनोज राम सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

प्रतिनियोजन के बाद भी आराम फरमा रही शिक्षिका

केटी न्यूज/सासाराम

काराकाट प्रखंड क्षेत्र के कई शिक्षक अधिकारियों और कर्मचारियों की मिली भगत से अपने को प्रतिनियोज में दिखाकर घर का काम कर रह है। ऐसा हीं एक शिकायत डीईओ रोहतास से किया गया है। दिनेश कुमार सिंह द्वारा भेजे गये शाकायत पत्र में कहा गया है कि प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी एवं डाटा इंट्री ऑपरेटर की मिली भगत से मध्य विद्यालय काराकाट, विद्यालय में पदस्थापित शिक्षिका टविंकल मौर्य को प्रतिनियुक्ति दिखा कर घर रहने की छूट दी गई है उक्त शिक्षिका मौर्य को 10 से 22 फरवरी तक प्रतिनियोजन दिखा कर घर रहने की छूट दी गई। वहीं आठ से 18 अप्रैल तक मौर्य को प्रतिनियोजन दिखाया गया।

जिस पत्र में कोई पत्रांक व दिनांक अंकित नहीं है एवं शिक्षक उपस्थित पंजी में सीएल भर दी गई है। सबसे मजे की बात तो यह है ऑन डियूटी ई. शिक्षा कोष पर जो लोकेशन बता रहा है ओ अनुमंडल बिक्रमगंज से भी काफी दूर दिखा रहा है। इतना ही नहीं टविंकल मौर्य शिक्षिका पर बीईओ काराकाट इतना मेहरबान दिखे कि 19 अप्रैल से 14 मई तक चिकित्सा अवकाश पर दिखाया गया व चिकित्सा अवकाश वगैर सक्षम पदाधिकारी से स्वीकृत कराए ही वेतन भी दे दी गई जो गभीर वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आती है। बीईओ एवं डाटा इंट्री ऑपरेटर के इस कृत को अपने स्तर से जाँच कर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी एवं डाटा ऑपरेटर सहित विद्यालय से फरार रहने वाली शिक्षिका टविंकल मौर्य के विरुद्ध सरकार को धोखा देने, वित्तीय अनियमितता बरतने, चिकित्सा अवधि का वेतन वगैर सक्षम पदाधिकारी के स्वीकृति के ही भुगतान लेने के आरोप में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी काराकाट, बाटा इंट्री ऑपरेटर, अपने कर्तव्य के प्रति लापरवाह शिक्षिका टविंकल मौर्य के विरुद्ध जाँचोपरान्त दोषी पाए जाने पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए सरकारी राशि की वसूली करने की मांग की है।

अगर टिकट मिला तो ब्रह्मपुर सीट पक्की : डॉ. सत्य प्रकाश

डुमरांव। पार्टी अगर ब्रह्मपुर सीट देती है तो जो 225 सीट जितने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उसमें ब्रह्मपुर सीट एक रहेगी। मैं शुरू से ही आरएसएस का कार्यकता रहा हूं, उसी के सिद्धांत पर रहते हुए काम करता हूं और आगे भी करता रहूंगा। मुझे टिकट नहीं मिलती है तो कोई बात नहीं पहले जैसा काम करते आ रहा हूं, उसमें कोई परिवर्तन नहीं होने वाला है। उक्त बातें बिहार प्रदेश भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के कोषाध्यक्ष डा. सत्य प्रकाश तिवारी ने एक प्रेसवर्ता के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि हमारे जिले का दियारांचल क्षेत्र कितना पिछड़ा हुआ है, उसे बढ़ाने के लिये मेरे द्वारा कई योजनाओं पर काम करवाया गया है और किया भी जा रहा है। आज लोगों को अपना व्यापार बढ़ाने में काफी मदद मिल रही है, कम समय में ही यूपी के कई भाग से जुड़ जाते हैं।

विडंबना: बगैर प्राक्कलन बोर्ड लगाए धड़ल्ले से नाली, गली बनाने पर चल रहा है काम

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद के अधीन बड़े पैमाने पर नाली, गली और पीसीसी रोड बनाने का काम चल रहा है। बगैर प्राक्कलन का बोर्ड लगाए संवदेक धड़ल्ले से काम को अंजाम दे रहें हैं। जिस वार्ड या गली में काम चल रहा है, वहां के लोगों को यह जानकारी नहीं हो पती है कि इसकी प्रक्कलन राशि क्या है। इसी तरह का कार्य नगर भट्ठी खाना रोड में नाली निर्माण का कार्य चल रहा है।

नाली से पानी से भरा हुआ है, लेकिन संवेदक अपनी मनमानी करते हुए उसी में ईंट बिछाकर ढलैया करा रहा है। इतना ही नहीं पहले से नाली बनी हुई है, लेकिन नाली के उपर नाली का निर्माण कराया जा रहा है, ऐसे में राजस्व की बबार्दी हो रही है। जहां काम चल रहा है, वहां पर जेई या नप कर्मी झांकने तक नहीं जाते हैं।

इसी तरह के दर्जनों मामले हैं, लेकिन नप चुप्पी साधे हुए है। इसी तरह के कार्य ढेलवानी मोहल्ला, जंगलबाजार, मां काली रोड सहित लगभग हर वार्ड में चल रहा है तो कुछ समाप्त हो गए हैं। ऐसा कोई काम नहीं है, जो गुणवत्ता पूर्ण हुआ है। कई रोड ऐसे हैं, जो बनने के कुछ ही दिन के बाद टूटने लगे हैं और उनमें दरार पड़ने लगी है। इसकी शिकायत करने पर भी कोई सुनने वाला नहीं है। जब यहां के अधिकारियों व जन प्रतिनिधियों से शिकायत करने पर कोई कार्रवाई नहीं देखे अब लोग उच्च अधिकारियों से लेकर मंत्रियों तक करने लगे हैं। उनके पास किये गए शिकायत पर संज्ञान लिया जा रहा है और जांच के लिये लिखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि आने वाला समय बताएगा कि नप में कितना लूटपाट हुआ है।

हर साल की भांति इस वर्ष भी सावन में भक्तों की उमड़ी भीड

प्राकृतिक झरने के आकर्षण का लुत्फ ले रहे लोग

- जय मां तुतला भवानी के जयघोष से गूंज उठा क्षेत्र

केटी न्यूज/सासाराम

कैमूर पहाड़ी की कोख में बसे मां तुतला भवानी धाम में मंगलवार की सुबह आई घनघोर घटा और झमाझम बारिश के साथ जलप्रपात की पहली धारा फूट पड़ी। जैसे ही जलधारा का पहला प्रवाह धरती पर गिरा, श्रद्धालुओं और सैलानियों में उल्लास की लहर दौड़ गई और पूरे पर्वतीय क्षेत्र में "जय मां तुतला भवानी" के जयघोष गूंज उठे।

वन क्षेत्र पदाधिकारी दीपक कुमार सिंह ने जानकारी दी कि मंगलवार के सुबह में पहाड़ी इलाके में हुई बारिश के कारण झरने की पहली धारा प्रारंभ हुई। इसके साथ ही सैकड़ों श्रद्धालु और पर्यटक इस

अद्भुत दृश्य के साक्षी बने। गौरतलब है कि मानसून की शुरूआत के साथ ही यह क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य से सराबोर हो जाता है, और जलप्रपात सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बन जाता है। जून के मध्य से अक्टूबर तक यहां पर्यटकों का सैलाब उमड़ता है। पिछले वर्ष एक दिन में एक लाख श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने का रिकॉर्ड कायम हुआ था। इस वर्ष भी लाखों की संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। वन विभाग और मां तुतला भवानी ट्रस्ट समिति की ओर से सैलानियों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। इनमें शुद्ध पेयजल, ई-रिक्शा सेवा, जंगल सफारी, पार्किंग व्यवस्था और झूला पुल (हैंगिंग ब्रिज) प्रमुख हैं।

भीड़ नियंत्रण के लिए झूला पुल पर वनकर्मियों की तैनाती की गई है। मां तुतला भवानी धाम की प्राकृतिक छटा बरसात में अपने चरम पर होती है। चारों ओर फैली हरियाली, पहाड़ों की गोद में गिरता जलप्रपात, कुंड में गिरती कल-कल करती जलधारा, और ठंडी हवाएं यहां आने वालों के मन को मोह लेती हैं। यहां की सुंदरता ऐसी होती है कि एक बार आने वाला पर्यटक बार-बार लौटने को विवश हो जाता है। श्रद्धा और आस्था का संगम बना यह धाम बरसात के दिनों में और भी जीवंत हो उठता है। श्रद्धालु यहां मन्नतें पूरी होने पर पूजा-अर्चना और बकरे की बलि भी अर्पित करते हैं। साथ ही जलकुंड में स्नान कर भक्तगण मां का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। वन विभाग ने इस बार भी सभी सुविधाओं का सुनियोजित प्रबंधन किया है ताकि पर्यटकों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो और वे पूरी तरह से प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक माहौल का आनंद ले सकें।

पुलिस ने दो नामजद अभियुक्त को भेजा जेल

काराकाट। स्थानीय पुलिस ने थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांव से विभिन्न मामले में नामजद दो प्राथमिकी अभियुक्त को किया गिरफ्तार। थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत चिकसिल निवासी स्वर्गीय अर्जुन पासवान के पुत्र संजीत कुमार को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना में कांड संख्या 287/24 के आलोक में मामला दर्ज था। जो लंबे दिनों से पुलिस की गिरफ्त से फरार चल रहा था। लेकिन आखिरकार फरार चल रहे अभियुक्त पुलिस की गिरफ्त में आ गया। वहीं दूसरी ओर स्थानीय पुलिस ने थाना क्षेत्र के सकला गांव से कृष्णा राम के पुत्र रामबाबू कुमार को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों को जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98 Biology : 91
English Core : 97 Physics : 91
Physical Education : 96 Business Studies : 86
Mathematics : 92 Economics : 83
TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

फैसला... राज्य के 85 बड़े पुलों का होगा सुरक्षा ऑडिट

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार ने राज्य में पुलों की सुरक्षा और संरचनात्मक मजबूती को लेकर ऐतिहासिक कदम उठाया है। मंगलवार को बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड ने आईआईटी दिल्ली और आईआईटी पटना के साथ एक अहम समझौता किया है। इस समझौते के तहत राज्य के 85 बड़े पुलों का सुरक्षा ऑडिट किया जाएगा और ब्रिज इंफॉर्मेशन एंड मैनेजमेंट सिस्टम विकसित किया जाएगा। यह समझौता बिहार राज्य पथ विकास निगम के सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में हुआ। पथ निर्माण मंत्री नीतिन नवीन ने कहा कि इस साझेदारी से पुलों की स्थिति का आकलन,

संरचनात्मक कमियों की पहचान और लक्षित मरम्मत की रणनीति बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, यह कदम राज्य की आर्थिक और सामाजिक प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बिहार में कुल 3968 पुल हैं, जिनमें से 532 पुलों को वृहद श्रेणी में रखा गया है। पहले चरण में इनमें से 85 पुलों का सुरक्षा ऑडिट कराया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार ने 17 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी है। आईआईटी पटना को 45 पुलों का ऑडिट, आईआईटी दिल्ली को 40 पुलों का ऑडिट सौंपा गया है।

ऑडिट की प्रक्रिया से पुलों की वास्तविक स्थिति का पता चलेगा, जिससे समय रहते उनकी मरम्मत कर उन्हें सुरक्षित बनाया जा सकेगा। दोनों संस्थान एक वर्ष के भीतर इन पुलों की हेल्थ रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। मंत्री नितिन नवीन ने बताया कि राज्य सरकार ने हाल ही में बिहार राज्य पुल प्रबंधन एवं संधारण नीति-2025 को मंजूरी दी है। यह नीति भारत में किसी भी राज्य द्वारा लागू की गई अपनी तरह की पहली नीति है। इसके तहत सभी पुलों का नियमित रख-रखाव किया जाएगा जिससे मरम्मत खर्च में कमी आएगी और संरचनाएं लंबे समय तक उपयोग योग्य बनी रहेंगी।

नीति के तहत निम्नलिखित आधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया जाएगा: विजुअल इंस्पेक्शन, नॉन-डिस्ट्रक्टिव टेस्टिंग, सेंसर टेक्नोलॉजी, ड्रोन कैमरा। इन तकनीकों से ब्रिज हेल्थ इंडेक्स और मेंटेनेंस प्रायोरिटी इंडेक्स तैयार किए जाएंगे, जिसके आधार पर प्रत्येक पुल का 'हेल्थ कार्ड' बनाया जाएगा। इससे समयबद्ध एवं प्रभावी संधारण संभव होगा। यह पहल राज्य में आधारभूत संरचनाओं की दीर्घकालिक मजबूती सुनिश्चित करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो सकती है।

सहरसा जिले में लोजपा (रामविलास) के प्रखंड अध्यक्ष के बेटे की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या

केटी न्यूज/सहरसा

सहरसा जिले के सलखुआ थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। लोजपा (रामविलास) के प्रखंड अध्यक्ष अरुण यादव के 24 वर्षीय बेटे राकेश कुमार की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस हमले में राकेश की मां और पत्नी भी घायल हो गईं। घटना सलखुआ थाना क्षेत्र के डीह टोला वार्ड नंबर 10 की है। राकेश कुमार हैदराबाद में एक प्राइवेट कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था और एक महीने पहले ही अपने गांव लौटा था। वह तीन भाइयों में सबसे छोटा था। परिवार वालों के मुताबिक, राकेश के पिता अरुण यादव किसी राजनीतिक काम से बाहर थे। तभी उन्हें फोन पर सूचना मिली कि उनके बेटे और पत्नी को पीटा गया है। जब वे गांव पहुंचे तो देखा कि बेटा गंभीर रूप से घायल था और बाद में उसकी मौत हो गई। मां रंभा देवी (60 वर्ष) को भी बुरी तरह पीटा गया है।

अरुण यादव ने बताया कि गांव के कपूरचंद यादव से खेत को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। थाने में दोनों पक्षों की शिकायत भी दर्ज है। इस मामले को खत्म करने के लिए दबाव डाला जा रहा था और धमकी भी मिल रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी विवाद के कारण उनके बेटे पर जानलेवा हमला किया गया। घटना की सूचना मिलते ही सिमरी बख्तियारपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मुकेश कुमार ठाकुर मौके पर पहुंचे और दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। वहीं सहरसा सदर एसडीपीओ ने अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात मामले की जानकारी ली।

बड़ी गैंगवार को अंजाम देने की फिराक में दीघा में जुटे थे अपराधी

पटना का कुख्यात अपराधी अजय वर्मा अपने गुर्गों के साथ गिरफ्तार

♦ अजय वर्मा पर हत्या, रंगदारी, अपहरण और डकैती सहित दो दर्जन से अधिक मामले हैं दर्ज, पुलिस की गिरफ्त से चल रहा था फरार

केटी न्यूज/पटना

पटना पुलिस और एसटीएफ की कार्रवाई में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पटना का कुख्यात अपराधी अजय वर्मा को उसके गुर्गों के साथ गिरफ्तार किया गया है। गुप्त सूचना के आधार पर संयुक्त कार्रवाई की गयी। अजय वर्मा और उसके 3 गुर्गों को दीघा इलाके से गिरफ्तार किया गया। ये चारों किसी बड़ी गैंगवार को अंजाम देने के फिराक में थे। इसी वारदात को अंजाम देने के लिए चारों दीघा में जुटे थे। लेकिन तभी पुलिस को किसी ने सूचना दे दी की अजय वर्मा यहां दिख रहा है। फिर क्या था पुलिस ने एसटीएफ के साथ मिलकर छापेमारी की और मौके से चारों

कुख्यात अपराधी को धर दबोचा। इन अपराधियों के पास से भारी मात्रा में हथियार, जिंदा कारतूस, मोबाइल और एक कार बरामद किया गया है। अजय वर्मा की गिरफ्तारी को पुलिस बड़ी सफलता मान रही है। अजय वर्मा पर हत्या, रंगदारी, अपहरण और डकैती सहित दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज है। वह पुलिस की गिरफ्त से फरार चल रहा था। अजय वर्मा पटना के जमीन पर कब्जा करने और हत्या की सुपारी लेता था। उसके गुर्गे भी इस काम में अजय वर्मा का साथ देता था। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान पटना सिटी के सुलतानगंज थाना क्षेत्र के घघा घाट निवासी स्व.नागेश्वर प्रसाद वर्मा के पुत्र अजय वर्मा, पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र के गुड़ की मंडी निवासी नंदकिशोर उर्फ पुटन सिंह, सुलतानगंज थाना क्षेत्र के घघा घाट का रहने वाला अमित कुमार उर्फ पीलिया और आलमगंज के रज्जाक कॉलोनी, घेरा मुहल्ला निवासी साबिर आलम के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद हुआ है। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अपराधियों ने कई अहम जानकारियां दीं। इनके निशानदेही पर नंदकिशोर उर्फ टूटन सिंह के घर पर भी छापेमारी की गई। जहां से 1 जर्मन मेड रिवॉल्वर,1 इंडियन ऑर्डिनेंस फैक्ट्री का रिवॉल्वर जो किसी का लाइसेंसी हथियार है। 98 जिंदा कारतूस, 2 पिस्टल मैगजीन, 4 मोबाइल और कार बरामद किया है। गिरफ्तार अपराधियों को जेल भेजा जा रहा है। एसटीएफ को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। सूचना के अनुसार कुछ अपराधकर्मी अपने गिरोह के साथ इलाके में सक्रिय थे। तुरंत हरकत में आई एसटीएफ की टीम ने इलाके में छापेमारी कर अजय वर्मा समेत तीन अन्य को धर दबोचा।

अजय वर्मा पर पटना के विभिन्न थानों जैसे सुल्तानगंज, खाजेकला, चौक थाना, आलमगंज थाना, पीरबहोर, कदमकुआं, कंकड़बाग, फुलवारी शरीफ में रंगदारी, हत्या, अपहरण, डकैती और आर्म्स एक्ट के तहत कुल 28 से अधिक मामले दर्ज हैं। इस गिरफ्तारी के साथ पटना पुलिस ने एक बड़ी आपराधिक वारदात को होने से बचा लिया। एसटीएफ की टीम गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ कर रही है।

तेजस्वी के करीबी इंजीनियर से पूछताछ

पटना। बिहार की राजनीति में एक बार फिर बड़ा खुलासा हुआ है। बीते साल जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इंडिया गठबंधन से नाता तोड़कर भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई, उसी समय राजद पर विधायकों की खरीद-फरोख्त और अपहरण की कोशिश का आरोप लगा था। अब इस मामले में तेजस्वी यादव के करीबी और ठेकेदार इंजीनियर सुनील, जो वैशाली जिले के सैदपुर गणेश के रहने वाले हैं, से आर्थिक अपराध इकाई पूछताछ कर रही है। इसके पहले शनिवार को ईओयू की टीम ने सुनील के घर पहुंचकर नोटिस चिपकाया था।

पहल: बिहार में गन्ना यंत्रीकरण योजना के तहत शुरू हुई ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार के गन्ना उद्योग विभाग ने मंगलवार को गन्ना किसानों के लिए बड़ी पहल करते हुए गन्ना यंत्रीकरण योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन की सुविधा शुरू कर दी। इस योजना का शुभारंभ गन्ना उद्योग मंत्री ने किया। योजना के तहत किसानों को गन्ना की खेती में आधुनिक यंत्रों के उपयोग के लिए अनुदान दिया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए इस योजना के क्रियान्वयन हेतु कुल 10 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। योजना का उद्देश्य गन्ना की खेती में लागत को कम करना, उत्पादकता बढ़ाना और गन्ना बीज की वैज्ञानिक तरीके से रोपाई सुनिश्चित करना है। इससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी और कीट-रोग नियंत्रण में भी मदद मिलेगी। गन्ना यंत्रीकरण योजना के तहत खेत की तैयारी से लेकर कटाई तक के आधुनिक यंत्रों पर अनुदान दिया जाएगा। इस योजना का लाभ लेने के लिए राज्य के इच्छुक गन्ना किसान अपने 13 अंकों के डीबीटी पंजीकरण संख्या का उपयोग कर विभागीय पोर्टल https://ccs.bihar.gov.in, https://sugarcanemech.bihar.gov.in के माध्यम से

ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। एक किसान अधिकतम तीन कृषि यंत्रों पर अनुदान ले सकता है। 33 कृषि यंत्र व्यक्तिगत किसानों के लिए सूचीबद्ध किए गए हैं। यंत्र बैंक की स्थापना के लिए तीन समूहों का प्रावधान भी किया गया है। चयन ऑनलाइन लॉटरी के जरिए किया जाएगा। चयनित किसानों को स्वीकृति पत्र प्राप्ति के 14 दिन के भीतर पोर्टल पर सूचीबद्ध विक्रेता से यंत्र की खरीद करनी होगी। कार्यक्रम में गन्ना उद्योग विभाग के सचिव बी. कार्तिकेय धनजी, ईखायुक्त अनिल कुमार झा, संयुक्त निदेशक महेंद्र प्रताप सिंह, संयुक्त ईखायुक्त जय प्रकाश नारायण सिंह, एनआईसी के वरीय तकनीकी निदेशक संजय कुमार सहित अन्य अधिकारी और वैज्ञानिक मौजूद थे।

पटना में डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर के ठिकानों पर छापेमारी

पटना। विशेष निगरानी ब्यूरो ने पटना में डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर के ठिकानों पर छापेमारी की है। डीएफओ पर आय से अधिक संपत्ति दर्ज करने का आरोप है। डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर का नाम सुबोध कुमार गुप्ता बताया गया है। वह पटना के पार्क डिविजन में कार्यरत हैं। जानकारी के एसवीयू की यह कार्रवाई पटना के बोरिंग रोड स्थित अंबा अपार्टमेंट के फ्लैट नं. 403 में जा रही है। जहां टीम को बड़ी संपत्ति की जानकारी मिली है। सुबोध कुमार गुप्ता पर आय से 46 लाख अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है, जिसको लेकर डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर सुबोध कुमार गुप्ता को पहले ही निलंबित किया गया है। फिलहाल, आय से अधिक संपत्ति मिलने पर स्पेशल बिजलेस यूनिट ने अपने ही थाने में केस दर्ज किया है।

केंद्रीय विदेश मंत्रालय ने बिहार पुलिस को 'सर्टिफिकेट ऑफ रिकॉग्नाइजेशन' से किया सम्मानित

अब राज्य में जारी होने वाले पासपोर्ट में लगी होगी स्मार्ट चिप, जांच और पहचान प्रक्रिया होगी अधिक पारदर्शी

केटी न्यूज/पटना

पासपोर्ट वेरिफिकेशन में समयबद्ध और उत्कृष्ट कार्य के लिए बिहार पुलिस को केंद्रीय विदेश मंत्रालय की ओर से 'सर्टिफिकेट ऑफ रिकॉग्नाइजेशन' से सम्मानित किया गया है। राज्य में पासपोर्ट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया औसतन महज 12 दिन में पूरी की जा रही है, जो राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। इस सम्मान को पुलिस महकमे की ओर से आईजी (मुख्यालय) राकेश राठी ने नई दिल्ली में प्राप्त किया। इस उपलब्धि की जानकारी एडीजी (विशेष शाखा) सुनील कुमार ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय, पटना में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि विभाग अब इसे और बेहतर बनाते हुए 10 दिन से भी कम समय में सत्यापन का लक्ष्य लेकर चल रहा है। इसके लिए सभी 1128 थानों को विशेष टैब दिए गए हैं, जिससे प्रक्रिया डिजिटल और तेज हुई है।

बिहार में वर्ष 2024 में पासपोर्ट के लिए 4,38,994 आवेदन आए थे, जिनका औसतन 12 दिन में सत्यापन कर दिया गया। सत्यापन प्रक्रिया में सीवान जिला से सबसे अधिक 63 हजार,

गोपालगंज से 52 हजार, पटना से 40 हजार और चंपारण जिलों से भी बड़ी संख्या में आवेदन आए। वहीं, खगड़िया जिले में सबसे कम आवेदन आने के कारण वेरिफिकेशन केवल 5 दिन में हो जाता है।

अब मिलेंगे चिप लगे पासपोर्ट: एडीजी सुनील कुमार ने बताया कि मई 2025 से राज्य में जारी होने वाले पासपोर्ट में स्मार्ट चिप लगी होगी, जिसमें एमिग्रेशन से जुड़ी तमाम जानकारियां होंगी। इससे जांच और पहचान प्रक्रिया पहले से अधिक पारदर्शी और तेज हो सकेगी। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार द्वारा 15 दिन से कम समय में सत्यापन पर प्रति आवेदन ?150 प्रतिपूर्ति राशि दी जाती है। इस मद में वर्ष 2024 में बिहार पुलिस को ?19.89 करोड़ की राशि प्राप्त हुई। एडीजी (बजट, अपील, कल्याण) कमल किशोर सिंह ने बताया कि करीब 1.25 लाख पुलिस कर्मियों की सैलरी पैकेज का समझौता बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ 23 अगस्त 2024 को 3 वर्षों के लिए किया गया है। इसके तहत सेवाकाल के दौरान मृत हुए 33 पुलिस पदाधिकारियों या कर्मियों के आश्रितों को 20-20 लाख रुपये बीमा की राशि प्रदान की गई है। यानी कुल 6 करोड़ 60 लाख रुपये का भुगतान चेक के जरिए किया गया है। उन्होंने कहा कि परोपकारी कोष से 372 पुलिस कर्मियों को 1 करोड़ 42 लाख 5 हजार 500 रुपये, शिक्षा कोष से 509 पुलिस कर्मियों के बच्चों को पढ़ाई के लिए 97 लाख 11 हजार रुपये, पुलिस सहायय कल्याण कोष से 106 कर्मियों को 35 लाख 68 हजार रुपये, चिकित्सा प्रतिपूर्ति के तौर पर 998 कर्मियों को 4 करोड़ 5 लाख 40 हजार रुपये चिकित्सा समेत अन्य तरह की सहायता के तौर पर प्रदान किए गए हैं। इसके अलावा अनुकंपा नियुक्ति के तहत सेवा के दौरान मृत हुए 44 पुलिस कर्मियों के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति के तहत लिपिक स्तर पर 9, सिपाही पद पर 12 और बाल सिपाही स्तर पर 23 परिजनों को नौकरी दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

चाईबासा के लौह अयस्क खदान में हादसा:गुवा सेल खदान में हॉलपैक का टायर फटा

चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम), एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा स्थित सेल के गुवा सेल लौह अयस्क खदान में दर्दनाक हादसा हो गया। खदान में हॉलपैक वाहन के टायर में हवा भरने के दौरान अचानक तेज धमाके के साथ टायर फट गया। इस हादसे में एक सेल कर्मी चरण पुरती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से खदान परिसर में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब कर्मी हॉलपैक वाहन के टायर में हवा भर रहे थे, उसी दौरान टायर फट गया और उसकी चपेट में चार कर्मचारी आ गए। टायर का दबाव इतना अधिक था कि एक कर्मी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं तीन अन्य को गंभीर चोटें आई।हादसे के बाद घायलों को पहले गुवा अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें नोवामुंडी स्थित टिस्को अस्पताल में रेफर किया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, घायलों में एक की हालत चिंताजनक बनी हुई है। डॉक्टरों की टीम लगातार निगरानी कर रही है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और सेल प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची। सेल प्रबंधन ने मृतक के परिजनों को हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया है। साथ ही घोषणा की गई है कि 15 दिनों के अंदर मृतक के एक आश्रित को कंपनी में नौकरी दी जाएगी।घटना के बाद गुवा क्षेत्र पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने घायलों से अस्पताल में मुलाकात की और उनके इलाज की जानकारी ली। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि गुवा खदान क्षेत्र में लगातार हादसे हो रहे हैं, जो यह साबित करता है कि सेल कंपनी कर्मियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं है। कोड़ा ने कंपनी पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। स्थानीय लोगों और श्रमिक संगठनों ने भी हादसे को लेकर गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने मांग की है कि खदान में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए ताकि भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न हो।

जंगली मशरूम खाने से 6 लोग बीमार, एक की हालत नाजुक

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम गोईलकेरा प्रखंड के कुईड़ा गांव में एक ही परिवार के छह लोग जंगली मशरूम खाने के बाद गंभीर रूप से बीमार हो गए। जब परिवार की बुजुर्ग महिला मेचो नाग जंगल से मशरूम चुनकर लाई थीं। इन मशरूम को पकाकर पूरे परिवार ने खाया, जिसके कुछ घंटों बाद सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। परिवार के सदस्यों को तेज उल्टी और दस्त की शिकायत हुई। धीरे-धीरे उनकी हालत बिगड़ती गई, जिसके बाद ग्रामीणों की मदद से सभी को सोनुआ अस्पताल में भर्ती कराया गया।बीमार लोगों की पहचान अंशु नाग (19 वर्ष), रोमी नाग (17 वर्ष), मनीषा नाग (22 वर्ष), शुरू नाग (18 वर्ष), मेचो नाग (62 वर्ष) और बुधनी नाग (45 वर्ष) के रूप में की गई है। इनमें से अधिकांश युवा हैं, जबकि दो महिलाएं अधेड़ उम्र की हैं। अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार अंशु नाग की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक है। उसे विशेष निगरानी में रखा गया है। अन्य सभी मरीजों की हालत भी स्थिर नहीं मानी जा रही है, लेकिन डॉक्टर लगातार निगरानी कर रहे हैं और इलाज जारी है।चिकित्सकों ने आशंका जताई है कि परिवार ने जिस जंगली मशरूम का सेवन किया, वह जहरीला हो सकता है। झारखंड के ग्रामीण इलाकों में बरसात के मौसम में अक्सर जंगली मशरूम खाए जाते हैं, लेकिन कई बार यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि कौन-सा मशरूम खाने योग्य है और कौन-सा जहरीला। इस घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम भी गांव पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रही है। ग्रामीणों से अपील की जा रही है कि वे जंगली मशरूम खाने से पहले उसकी पहचान को लेकर पूरी सतर्कता बरतें। जहरीले मशरूम की पहचान करना मुश्किल है। इनमें से एक तरीका ये है कि मशरूम के रंग से पता किया जाए कि मशरूम जहरीला है या नहीं। लोग कहते है कि चमकीले रंग के मशरूम जहरीले होते हैं। दुनिया के ज्यादातर जहरीले मशरूम के रंग भूरे या सफ़ेद है। डेस्ट्रॉइंग एंजल का रंग बिल्कुल सफ़ेद है। एमानिटिन वाले मशरूम का रंग चमकीला नारंगी या सफेद रंग का हो सकता है।

हाईटेक होगी मेला व्यवस्था, एआई कैमरे करेंगे निगरानी समेत कई काम

देवघर, एजेंसी। देश के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक मात्र बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग में कांवरियों का जत्था सावन के महीने में लगातार एक माह तक बोल बम, बोल बम का जयकारा लगाते हुए अजयनाथ से बाबाधाम तक कांवर यात्रा करता है। बाबा बैद्यनाथ पर गंगा जल चढ़ाते हैं और अपनी मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना करते हैं।

यह मेला झारखंड सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण है। एक अनुमान के मुताबिक, इस साल श्रावणी मेला में 30 दिनों में 51 लाख कांवरिया आएंगे। यहां भीड़ नियंत्रण हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। ऐसे में इस बार पूरा मेला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) से नियंत्रित होगा। भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक नियंत्रण और प्रत्येक श्रद्धालु की गिनती का काम एआइ कैमरे करेंगे। श्रद्धालुओं को सुगम व सुरक्षित जलार्पण कराने के उद्देश्य से पहली बार इस तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। सरकार का मानना है कि हर श्रद्धालु यहां से सुखद यादें लेकर जाए। इसको लेकर एक बार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रांची में वरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर चुके हैं। जबकि पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार ने देवघर में दो बार बैठक कर सरकार की मंशा स्पष्ट कर दी है।

पांच जुलाई तक सारी व्यवस्था पूरी करने का टाइम लाइन तय किया गया है। उपायुक्त नमन प्रियश लकड़ा लगातार मेला व्यवस्था की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। मेला क्षेत्र में दो सौ एआइ व 750 सामान्य कैमरे लगाए जाएंगे। जिसके लिए नेहरू पार्क में इंटीग्रेटेड मेला नियंत्रण कक्ष होगा। जहां से मेले की हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। इंटीग्रेटेड मेला नियंत्रण कक्ष में एक माह तक 24 घंटे दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी तैनात रहेंगे।

श्रावणी मेला में पहली बार एआइ कैमरा लगाया जा रहा है। एक कांवरिया पथ दुम्मा के पास टिकट काउंटर पर लगेगा। जो प्रत्येक कांवरिया का हेड काउंटिंग करेगा। इसी तरह क्यू कॉम्प्लेक्स में मंदिर के पास होल्डिंग प्वाइंट होगा। इसके बाद बाबा मंदिर के चारों मुख्य द्वार पर लगेगा।यह कैमरा हेड काउंटिंग के साथ फेस रीडिंग भी करेगा। अगर कोई व्यक्ति खो जाता है तो उसमें भी यह मददगार होगा। लापता व्यक्ति के परिजन उसकी तस्वीर कंट्रोल रूम में बैठे मजिस्ट्रेट को दिखाएंगे तो उस तस्वीर का हर प्वाइंट पर लगे एआइ कैमरे से मिलान कर पता लगाया जाएगा कि वह किन-किन कैमरों से होकर गुजरा और अंतिम बार कहां था।

अब तक सबकुछ मैनुअली चल रहा था। पुराने ढर्रे पर चल रहा था। इस बार समय के हिसाब से आधुनिक और हाईटेक होगा। झारखंड की सीमा में वाहनों के प्रवेश करते ही उनकी स्कैनिंग शुरू हो जाएगी। कितना बड़ा वाहन, छोटा वाहन, बाइक प्रवेश कर रहा है। अगर उनकी संख्या बढ़ती है तो बिहार की सीमा पर ही वाहनों को नियंत्रित किया जाएगा।

यह सब स्पीड कैमरे की मदद से होगा। स्पीड कैमरा बिहार-झारखंड की सीमा पर दर्दमारा मुख्य सड़क पर होगा। और एक ही स्पीड कैमरे से इसे नियंत्रित किया जाएगा। वाहनों की गिनती होगी। साथ ही वाहनों की गति सीमा सीमित रहेगी। अगर चालक अधिक गति से वाहन चलाएगा तो ऑनलाइन जुर्माना कट जाएगा।

रांची रेलवे स्टेशन के कॉमसम फूड प्लाजा का निरीक्षण, कई अनियमितताएं पाई गईं

रांची, एजेंसी। रांची रेलवे स्टेशन पर रांची रेल मंडल की सीनियर डीसीएम सुचि सिंह ने सीसीआई नीरज कुमार, सचिन गुप्ता, मोतीलाल, विपिन कुमार, योगेश मान चौधरी व सीनियर सीएआईआर ए कुमार के साथ प्लेटफॉर्म संख्या एक स्थित कॉमसम फूड प्लाजा का निरीक्षण किया। इसमें कई अनियमिताएं मिलीं। रसाई में फ्लाई कैचर नहीं था। खुले खाद्य पदार्थों पर मक्खियां मंडरा रहीं थीं। आरओ प्यूरीफायर काम नहीं कर रहा था। खाना पकाने के लिए रसोई में फिल्टर पानी का जार भी नहीं था।

प्रबंधक नियमित सेवाओं का जॉब कार्ड भी दिखाने में विफल रहा। सब्जियां और अन्य शाकाहारी खाद्य पदार्थ कच्चे और पके हुए चिकन के साथ-साथ अंडे के साथ रखे पाए गए। पनीर, मोमोज, नूडल्स जैसे गैर-ब्रांडेड और खुले खाद्य पदार्थ इस्तेमाल किए गए पाए गए। रसगुल्ले की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाई गई। लहसुन में फफूंद लगा था। लूज पनीर, रसगुल्ला, गुलाब जामुन आदि खाद्य पदार्थों के नमूने गुणवत्ता परीक्षण के लिए अनुमोदित प्रयोगशाला के माध्यम से एकत्र किए गए और सीएमएस/आरएनसी को सूचित करते हुए प्रेषण के लिए ड्यूटी पर मौजूद सीएचआई/आरएनसी को सौंप दिए गए।मिनी पिज्जा जैसे बेकरी आइटमों पर बेस्ट बिफोर यूज बाय तिथि प्रदर्शित नहीं की गई थी। सभी स्टाफ सदस्य पहचान पत्र नहीं पहने हुए थे। मैन्यू चार्ट में सभी अनुमोदित खाद्य पदार्थों के साथ-साथ उनकी दरों का विवरण नहीं था। पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के लिए जारी किया गया बिल रेलनीर के नाम पर था, जबकि बेली पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर परोसा गया।कोई भी एयरकंडीशनर चालू नहीं पाया गया। निरीक्षण के दौरान ऑन-ड्यूटी मैनेजर त्रिलोक चंद का व्यवहार अव्यवसायिक और असहयोगी रहा। सीनियर डीसीएम ने उच्च श्रेणी प्रतीक्षालय, सीटीआई कार्यालय, सीसीआई-आरएनसी कार्यालय का निरीक्षण किया और बिना टिकट यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए ट्रेन नंबर 15027 एचटीई-जीकेपी मौर्य एक्सप्रेस में टिकट जांच भी की।

जमशेदपुर का अपराधी निशु बहरीन से लौटते ही अरेस्ट: दिल्ली एयरपोर्ट उतरते ही धराया

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फरार चल रहे कुख्यात अपराधी निसार हसन उर्फ निशु को गिरफ्तार कर लिया गया है। वह बहरीन से भारत लौटते समय दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पकड़ा गया। भारत सरकार के सीआईडी और सीबीआई द्वारा जारी लुक आउट नोटिस के आधार पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने उसे हिरासत में लिया।

जमशेदपुर के एसएसपी पीयूष पांडे ने बताया कि निशु शहर के कुख्यात अमरनाथ सिंह गिरोह का सक्रिय सदस्य है। उस पर हत्या, लूट, रंगदारी वसूली, अवैध हथियार रखने समेत कई संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। निशु लंबे समय से बहरीन में छिपा हुआ था और वहीं से अपने गिरोह का संचालन कर रहा था।

दिल्ली में गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसे ट्रांजिट रिमांड पर जमशेदपुर लाया। यहां चार दिन की पुलिस रिमांड के दौरान की गई पूछताछ में अपराध जगत से जुड़ी कई अहम जानकारियां मिली हैं। पुलिस अब उन जानकारियों के आधार पर अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है। बताया गया है कि निशु की गिरफ्तारी से शहर के आपराधिक नेटवर्क पर बड़ा असर पड़ेगा।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि निशु से पूछताछ में गैंगवार और अपराध की साजिशों से जुड़ी कई अहम जानकारियां सामने आई हैं, जिन पर कार्रवाई की जा रही है। रिमांड अवधि पूरी होने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस की योजना है कि आगे चलकर उसे दोबारा रिमांड पर लेकर गिरोह की पूरी संरचना और उसके सहयोगियों की जानकारी हासिल की जाए।

हजारीबाग में अपराधियों ने 2 जेसीबी समेत 6 गाड़ियां जलाईं : सड़क निर्माण कंपनी के थे वाहन

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग जिले के बड़कागांव प्रखंड स्थित जोराकाट क्षेत्र में सोमवार की देर रात एक बड़ी आपराधिक वारदात हुई। करीब 35 की संख्या में आए हथियारबंद अपराधियों ने तांडव मचा दिया। एनटीपीसी की बादम कोयला परियोजना के लिए सड़क निर्माण कर रही कंपनी एमएस पूजा इंटरप्राइजेज के वाहनों को निशाना बनाया। इस हमले में कंपनी की कई महंगी मशीनें और वाहन जला दिए गए।

अपराधियों ने कंपनी के दो जेसीबी मशीन, दो हाईवा ट्रक, एक ग्रेडर मशीन, एक टैंकर और एक पिकअप वैन को आग के हवाले कर दिया। निर्माण स्थल पर मौजूद कर्मचारियों को भी नहीं बख्शा गया। कंपनी के मैनेजर रवि कुमार के अनुसार, जब कुछ कर्मचारियों ने विरोध करने की कोशिश की, तो अपराधियों ने दो कर्मचारियों के साथ मारपीट की और उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। यह घटना पिछले 36 घंटे में हजारीबाग जिले में हुई तीसरी बड़ी आपराधिक वारदात है। इससे पहले रविवार को हजारीबाग शहर स्थित एक जेवरात की दुकान पर सात राउंड फायरिंग की गई थी। वहीं, सोमवार सुबह ओकनी क्षेत्र में डकैती की घटना को अंजाम दिया गया। इन लगातार हो रही घटनाओं से जिले में कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

लेवी को लेकर आगजनी की आशंका : पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह मामला लेवी वसूली से जुड़ा हुआ माना जा रहा है। हालांकि अब तक किसी उग्रवादी संगठन ने इस घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। घटना के बाद से सड़क

निर्माण कार्य पूरी तरह ठप हो गया है, जिससे परियोजना पर असर पड़ने की आशंका है।

घटना की सूचना मिलते ही बड़कागांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि तीनों घटनाओं में शामिल अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। हालांकि क्षेत्र के लोगों में लगातार हो रही घटनाओं से भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है।

गांव में सड़क निर्माण के दौरान फैलाई दहशत : गोदलपुरा पंचायत के वार्ड 5 के वार्ड सदस्य प्रेमनाथ गुप्ता ने बताया कि गांव में सड़क नहीं होने के कारण काफी परेशानी का सामना लोगों को करना पड़ रहा था। ग्रामीण इस बात को लेकर खुश थे कि गांव में सड़क निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। सड़क नहीं होने के कारण अच्छा रिश्ता भी गांव में नहीं आता था। बीती रात अपराधियों ने बड़ी घटना को अंजाम दिया है। जानकारी मिली है कि 35 की संख्या में अपराधी आए थे और 7 गाड़ी को आपके हवाले कर दिया है। घटना के बाद अपराधियों की धड़पकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

फिर से सक्रिय हुए अपराधी! : जैसे ही आगजनी की जानकारी ग्रामीण को मिली वे घटनास्थल पर पहुंच गए। घटना के बाद, दहशत में आए ग्रामीण कुछ कहने को तैयार नहीं थे। आपस में सभी इस घटना को लेकर चर्चा करते रहे। ग्रामीणों ने आशंका जताते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि अब अपराधी क्षेत्र में सक्रिय हो गए हैं। बहुत दिनों बाद बड़ी घटना घटी है। खासकर कोयला उत्खनन क्षेत्र में अपराधियों का गतिविधि में इजाफा हुआ है।

बर्थडे मनाकर लौट रहे तीन युवकों की दर्दनाक मौत, ट्रक और बाइक में हुई भीषण टक्कर

सिमडेगा, एजेंसी। कोलेबिरा-गुमला पथ एनएच 143 पर तपकरा डैम से बर्थडे मनाकर लौट रहे बाइक सवार युवकों की एक ट्रक से सीधी टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार तीनों युवकों की मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दो युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, तीसरा युवक ट्रक के साइड में जा गिरा था। गंभीर रूप से घायल तीसरे युवक को रांची रिम्स ले जाया गया, जहां रास्ते में उसकी मौत हो गई। कोलेबिरा थाना प्रभारी शशि शंकर सिंह ने इस घटना की पुष्टि की है।

जानकारी के अनुसार कोलेबिरा थाना क्षेत्र के लचरागढ़ पंचायत के कोंबाकेरा निवासी सूरज बागवार, अमृत बघवार और कोलेबिरा पहाड़ टोल निवासी मानु टेटे तीनों एक बाइक में सवार होकर गुमला जिले के तपकरा डैम में बर्थडे मनाने गए थे। बर्थडे मनाकर तीनों दोस्त वापस कोलेबिरा लौट रहे थे कि तभी गुमला-कोलेबिरा नेशनल हाईवे 143 के पास सामने से आ रही ट्रक से सीधी टक्कर हो गई।इस हादसे में सूरज बागवार और अमृत बागवार ट्रक के नीचे फंस गया, जिससे मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। जबकि तीसरा मानु टेटे गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को एम्बुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोलेबिरा पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा इलाज के बाद रांची रिम्स रेफर कर दिया गया। रांची जाने के दौरान मानुष टेटे की भी मौत हो गयी।

घटना की सूचना मिलते ही कोलेबिरा थाना प्रभारी शशि शंकर सिंह मौके पर पहुंचे और क्रेन की मदद से शव को बाहर निकाला गया। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर थाने ले आई। शाम हो जाने के कारण शव को मंगलवार को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सिमडेगा भेजा जाएगा।

धनबाद समेत राज्य की 254 महिला पुलिस कर्मियों का तबादला, मिला नया जिला

धनबाद, एजेंसी। राज्य पुलिस मुख्यालय ने धनबाद समेत राज्य भर की 254 महिला पुलिसकर्मियों का तबादला किया है। दिनांक यह तबादला ऑनलाइन व क्यूआर कोड के माध्यम से प्राप्त आवेदनों के आलोक में किया गया है।

जिसमें सहायक अवर निरीक्षक, हवलदार और आरक्षी कोटि के पुलिसकर्मी शामिल हैं। स्थानांतरण सूची में गिरिडीह, धनबाद, जमशेदपुर, सरायकेला, गुमला, कोडरमा, गढ़वा, बोकारो, देवघर, पलामू, हजारीबाग, रांची, रामगढ़, लातेहार, दुमका, साहेबगंज, लोहरदगा समेत राज्य के कई जिलों की महिला कर्मियों के नाम शामिल हैं।जिसमें धनबाद से आलोमनी केरकेटा को गुमला, राजेश्वरी देवी को गिरिडीह से रांची भेजा गया है। एस्थर मुरमु को रांची से साहेबगंज भेजा गया है। धनबाद से लीलावत्ती देवी को लातेहार, धनबाद से सिंधू कुमारी को गढ़वा, धनबाद से पुष्पा डोडराय को पलामू, धनबाद से कुमारी प्रियंका को खुंटी, धनबाद से लीला कुमारी को देवघर, धनबाद से सानू देवी को कोडरमा, सिमडेगा से रूबी देवी को धनबाद, धनबाद से देवंती कुमारी को जामताड़ा, धनबाद से सुमन कुमारी को कोडरमा भेजा गया है।

झारखंड पुलिस में अब सिपाही ग्रुप के 50त्न पदों पर चतुर्थ श्रेणी ट्रेड से सीमित परीक्षा के माध्यम से प्रोन्नति दी जाएगी, जबकि शेष 50त्न पदों पर उम्र और कार्य अनुभव के आधार पर पदोन्नति होगी। नव नियुक्त चतुर्थ श्रेणी कर्मियों को भी इस प्रक्रिया से सिपाही और हवलदार के पद पर प्रोन्नति मिलेगी, साथ ही उन्हें वर्दी पहनने का अधिकार भी मिलेगा। आवेदन 23 जून से 9 जुलाई तक स्वीकार किए जाएंगे। यह नई व्यवस्था झारखंड राज्य पुलिस ट्रेड संवर्ग नियमावली-2025 के तहत लागू की गई है।

राज्य ब्यूरो, रांची। झारखंड पुलिस के सिपाही ग्रुप में अब 50 फीसदी पदों पर सीमित परीक्षा के माध्यम से चतुर्थ श्रेणी ट्रेड से प्रोन्नति दी जाएगी। शेष 50 फीसदी पदों पर प्रोन्नति उम्र और कार्य अनुभव के आधार पर होगी। अब नव बहाल चतुर्थ श्रेणी ट्रेड के जवानों को भी सीमित प्रतियोगिता परीक्षा की प्रक्रिया से प्रोन्नति का लाभ मिलेगा।

उन्हें सिपाही से हवलदार के पद पर भी प्रोन्नति दी जाएगी। उन्हें वर्दी पहनने का अधिकार भी मिलेगा, जो अब तक नहीं था। सीमित विभागीय परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी संबंधित जिला, इकाई, बटालियन में एसपी या समकक्ष पदाधिकारी के नाम से अपने हस्ताक्षर के साथ आवेदन करेंगे।

आवेदन पत्र जमा करने के लिए 23 जून से 9 जुलाई दोपहर 12 बजे तक का समय दिया गया है। पुलिस विभाग के किसी भी विभाग में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी ट्रेड के कर्मी स्वेच्छा से इस परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन कर सकते हैं। झारखंड राज्य पुलिस सेवा ट्रेड संवर्ग (भर्ती, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्त) नियमावली-2025 और आवेदन का प्रारूप झारखंड पुलिस की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है।

झारखंड सरकार के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने 16 मई को झारखंड राज्य पुलिस ट्रेड संवर्ग (भर्ती, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्तें) नियमावली-2025 जारी की थी। उक्त अधिसूचना के आलोक में उल्लेख है कि पुलिस ट्रेड ग्रुप (सी) में 50 प्रतिशत नियुक्तियां सीमित प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से की जानी है।

बाबा मंदिर में पट बंद होने और खुलने का समय तय नहीं, घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर भक्त

देवघर, एजेंसी। देवघर में जिला प्रशासन से लेकर मंदिर प्रशासन तक 11 जुलाई से शुरू होने वाले श्रावणी मेले की तैयारियों में जुटा है। इस दौरान मंदिर और मेला क्षेत्र में सावन में भक्तों की भीड़ को व्यवस्थित बनाये रखने के लिए कई काम किये जा रहे हैं। श्रावणी मेला को लेकर मंदिर की व्यवस्था में भी कुछ बदलाव किये जा रहे हैं। लेकिन बाबा मंदिर के पट बंद होने और खुलने का समय निश्चित नहीं होने से पंडा धर्मरक्षिणी सभा के पूर्व उपाध्यक्ष मनोज मिश्रा को असंतोष है।

इस संबंध में मनोज मिश्रा ने कहा कि बाबा बैद्यनाथधाम से करोड़ों श्रद्धालुओं की अटूट आस्था जुड़ी हुई है। सावन हो या अन्य दिन, देश के कोने-कोने से भक्त यहां आकर बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक करते हैं। दुर्भाग्यवश, इस पावन धाम में आज भी श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधाओं के लिए जूझना पड़ रहा है। मुख्य मंदिर में दर्शन का कोई निश्चित समय नहीं होने के कारण श्रद्धालुओं को घंटों लाइन में खड़े रहना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि मंदिर का पट कभी समय से पहले बंद हो जाता है, तो कभी देर से खुलता है, जिससे बाहर खड़े श्रद्धालुओं में असमंजस और असंतोष की स्थिति बनी रहती है। खासकर दूर-दराज से आये वृद्ध। महिलाओं और बच्चे इस अव्यवस्था से ज्यादा प्रभावित होते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन को चाहिए कि पट खुलने और बंद होने का एक निर्धारित समय जारी करे, ताकि लोग उसी के अनुसार अपनी योजना बना सकें।

मनोज मिश्रा आगे कहते हैं कि लाइन में खड़े श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नदारद है। गर्मी के दिनों में यह समस्या और भी विकराल हो जाती है। मंदिर के भीतर और परिसर में कई स्थानों पर बिजली के तार जर्जर अवस्था में हैं, जिससे कभी भी दुर्घटना घट सकती है। प्रशासन को चाहिए कि मंदिर परिसर की संपूर्ण विद्युत व्यवस्था का निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र कराये। इसके अलावा शीघ्रदर्शनम कूपन की व्यवस्था भी बहुत सीमित है, जिससे वीआईपी या वरिष्ठ नागरिकों को दर्शन में भारी कठिनाई होती है।

उन्होंने बताया कि मेला और सावन जैसे विशेष अवसरों पर पुरोहित समाज के लोगों को यातायात और पार्किंग की समस्या का भी सामना करना पड़ता है। प्रशासन को चाहिए कि इन व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के साथ दुरुस्त करे। श्रद्धालुओं की आस्था और सुविधा दोनों को सुरक्षित रखना प्रशासन की पहली जिम्मेदारी होनी चाहिए।

सुभाषितम्

चितवन से जो रुखाई प्रकट की जाती है, वह भी प्रोध से भरे हुए कटु वचनों से कम नहीं होती। - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

ईरान की संसद में लिये गए निर्णय से हड़कंप

मध्य पूर्व में ईरान और इजराइल के बीच जारी तनाव अब एक नाजुक एवं निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। इसका असर केवल सैन्य मोर्चे तक सीमित नहीं रहा। हाल ही में ईरान की संसद द्वारा लिए गए फैसले में अमेरिकी डॉलर में व्यापार बंद करने, पश्चिमी देशों से राजनयिक संबंधों की समीक्षा, तेल निर्यात की नई शर्तें लागू की गई हैं। ईरान की संसद द्वारा लिए गए निर्णय के बाद दुनिया में आर्थिक अस्थिरता की आशंका बलवती हो गई है। ईरान ने जिस तरह से अपने क्षेत्रीय और वैश्विक विरोधियों के खिलाफ खुला मोर्चा खोला है, उसने वैश्विक तेल आपूर्ति, व्यापारिक मार्गों, एक से दूसरे देश के बीच में आयात और निर्यात परिवहन को लेकर नई मुसीबतें खड़ी होंगी। इसका असर निवेशकों की मनोस्थिति, आयात और निर्यात के कारोबार तथा परिवहन कंपनियों पर गंभीर आर्थिक एवं सामरिक प्रभाव डालने वाला जैसा होगा। इससे दुनिया भर में आर्थिक अस्थिरता और महंगाई बढ़ेगी। ईरान की संसद और सरकार के इस फैसले का सबसे बड़ा असर कच्चे तेल की कीमतों पर अभी से दिखने लगा है। पहले ही अस्थिर वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से सारी दुनिया के देशों में बड़ी उथल-पुथल मचेगी। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, जो अभी तक रूस-यूक्रेन युद्ध इजराइल और गाजा के युद्ध, चीन-अमेरिका के टैरिफ तनाव से जूझ रही थी। ईरान के इस निर्णय से अब मिडिल ईस्ट में बड़ा संकट पैदा हो गया है। पश्चिम एशिया के तेल मार्गों पर खतरे के बादल मंडराने लगे हैं, जिससे यूरोप और एशिया सहित दुनिया के सारे देशों में महंगाई की जबरदस्त लहर आने की आशंका व्यक्त की जा रही है। ईरान के इस फैसले का अमेरिका और इजराइल के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों में सामरिक एवं राजनीतिक संदेश स्पष्ट रूप से दिया गया है। ईरान अब अमेरिका और पश्चिम के दबाव में झुकने वाला नहीं है। ईरान अब अपने हितों को प्राथमिकता देते हुए खाड़ी के देशों में भी अपनी स्थिति को मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रहा है। ईरान को अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए अब यह लड़ाई करो या मरो जैसी स्थिति में लड़ना पड़ रही है। ईरान के इस तेवर को देखते हुए, सारी दुनिया के देशों में हड़कंप मचा हुआ है। ईरान के सख्त रुख से वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भूचाल आना तय हो गया है। भारत, यूरोप के देश एशियाई देश सभी में इसका बहुत बड़ा असर पड़ने जा रहा है। सभी देशों में कच्चे तेल का आयात महंगा होगा। परिवहन और बीमा का खर्च भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगा। तेल के दाम बढ़ने से सभी देशों में महंगाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगी। डॉलर-रुपए तथा अन्य विदेशी मुद्रा को लेकर विकसित, विकासशील और गरीब देशों पर इसका बड़ा बुरा असर, और आर्थिक दबाव बढ़ेगा। आम उपभोक्ता तक महंगाई का असर होगा। दुनिया भर के उपभोक्ताओं की क्रय-शक्ति कम होगी जिसके कारण आर्थिक मंदी भी बड़ी तेजी के साथ फैलेगी। बेरोजगारी जैसी समस्याओं का भी सामना दुनिया के अधिकांश देशों को करना पड़ सकता है। ऐसे में वैश्विक नेतृत्व की जिम्मेदारी बनती है, वह ईरान और इजराइल के बीच में शांति स्थापित करने की पहल करें। इस लड़ाई में अमेरिका के कूद जाने के कारण सैन्य और आर्थिक स्थिरता पर बड़ा खतरा पैदा हो गया है। युद्ध किसी विवाद का हल नहीं हो सकता है। युद्ध की स्थिति में सबसे ज्यादा नुकसान आम आदमियों का होता है। ईरान की संसद के निर्णय ने दुनिया को सोचने पर मजबूर कर दिया है। शक्ति प्रदर्शन से ज्यादा इस वक्त सबसे बड़ी जरूरत संवाद की है। अमेरिका के युद्ध में कूद जाने के बाद वर्तमान स्थिति विस्फोटक हो चुकी है। चीन रूस और उत्तर कोरिया जैसे देश ईरान के समर्थन में एकजुट हो गए हैं, जिसको देखते हुए तृतीय विश्व युद्ध की स्थिति भी बनने लगी है। इस स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। चीन, रूस और अमेरिका जैसे देशों की भी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। पिछले एक दशक से ईरान पर जिस तरह से प्रतिबंध लगाकर रखे गए हैं, इजरायल द्वारा लगातार ईरान, फिलिस्तीन और अन्य पड़ोसी देशों के साथ जिस तरह की दादागिरी की जा रही थी अब वह विस्फोटक स्थिति पर पहुंच गई है। इसलिए अब संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थाओं को आगे आकर इस मामले को कड़ाई से निपटाना होगा, अन्यथा आने वाला समय सभी के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। यदि इस संकट को जल्दी ही नहीं निपटाया गया तो सारी दुनिया के देशों में इसके दुष्परिणाम देखने को मिलेंगे।

चिंतन-मनन

विराट सत्ता की झांकी

ईश्वर चेतना निराकार है। साकार तो उसका कलेवर भर दिखता है। ईश्वर का दृश्य स्वरूप यह विराट ब्रह्माण्ड है। अर्जुन, यशोदा, कौशल्या आदि का मन ईश्वर दर्शन के लिए व्याकुल हुआ तो उन्हें इसी रूप में दिव्य दर्शन कराये गये। इसके लिए दिव्य नेत्र दिये गये। कारण, स्थूल दृष्टि से विराट विश्व को नहीं देखा जा सकता। जिन्हें पूर्व कथानकों के अनुरूप दर्शन ही भक्ति भावना का सफलता का आधार दिखाई पड़ता है, उनके लिए प्रतिमा-प्रतीकों का निर्धारण किया गया है। व्यापक चेतना की सत्ता तो सभी प्राणियों में समान रूप से विद्यमान है। मात्र शरीरधारी आकार ही चाहिए तो फिर भगवान की आकृति किसी भी प्राणी के रूप में हो सकती है पर यह परिकल्पना रास नहीं आती और मनुष्य शरीर का अभ्यास होने के कारण अधिक मनभावन प्रतीत होता है। इसलिए प्रतिमाओं में मनुष्याकृति को ही प्रमुखता दी गयी है। यों तत्त्वदर्शियों ने मछली, वाराह, नृसिंह आदि को भी भगवान के अवतार बताकर प्राणी मात्र में दिव्य सत्ता का दर्शन करने का संकेत किया है, पर वह प्रतीक सब में प्रतिष्ठत न हो सका। चित्रों, प्रतिमाओं में देवी-देवताओं के वाहन पशु-पक्षी हैं पर उन्हें सेवक भर की मान्यता मिल सकी। यद्यपि निर्धारण कर्ताओं का अभिप्राय यही था कि प्राणी मात्र में ईश्वर की झांकी की जाए और उनके साथ भी वैसा ही व्यवहार किया जाए जैसा दिव्य संरचना के हर घटक के साथ किया जाना उचित है। शिव का नंदी, सरस्वती का हंस, लक्ष्मी का हाथी, दुर्गा का सिंह प्रायः चित्रण में आते हैं। जब उच्च स्तरीय संवेदना उभरती है, तो अपने ही अंतराल से भगवान का आंशिक अवतरण हुआ समझा जा सकता है।

जगन्नाथ रथ यात्रा है भगवान श्री कृष्ण की उपासना का पर्व

-संजय रामानंद गोस्वामी

हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है देवताओं की मूर्तियों को तीन विशाल रथों में ले जाया जाता है जिन्हें उत्साहित भक्त खींचते हैं। यह उत्सव आषाढ़ (जून-जुलाई) महीने के पखवाड़े के दूसरे दिन शुरू होता है और नौ दिनों तक चलता है। इस यात्रा को रथ महोत्सव और गुंडिचा यात्रा के नाम से जाना जाता है। पंचांग के अनुसार, 2025 में तिथि 26 जून को दोपहर 1:24 बजे से शुरू हो रही है। पद्म पुराण की मानें तो एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर देखने की इच्छा जाहिर की। इसके लिए भगवान जगन्नाथ ने सुभद्रा को रथ पर बैठाकर नगर दिखाया। इस दौरान वह अपनी मौसी के घर भी गए। जहां वह सात दिन तक रुके। मान्यता है कि तभी से हर साल भगवान जगन्नाथ निकालने की परंपरा जारी है ज्येष्ठ मास में गर्मी का आरम्भ होता है, अतः पुरी में श्रीजगन्नाथ जी के चतुर्धा विग्रह को स्नान कराया जाता है। १०८ घड़ों से स्नान के बाद उनको ज्वर हो जाता है, तथा १५ दिन बीमार रहने पर उनकी चिकित्सा होती है। उसके बाद आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को वे घूमने निकलते हैं। ३ रथों में जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा गुण्डिचा मन्दिर तक जाते हैं तथा ९ दिन बाद दशमी को लौटते हैं जिसे बाहुड़ा कहते हैं। लौटने को बहोर कहते हैं-गयी बहोर गरीब नेवाजू सरल सबल साहिब रघुराजू। (रामचरितमानस, बाल काण्ड, १२/४)। चान्द्र मास में भी जब अमावास्या के बाद चन्द्र सूर्य से दूर जाता है तब शुक्ल पक्ष की शुद्ध तिथि होती है। जब सूर्य के निकट लौटता है तब बहुल तिथि होती है। परब्रह्म के अव्यय पुरुष रूप को जगन्नाथ कहा गया है। इसे गीता (१५/१) में विपरीत वृक्ष कहा गया है। भगवान बलभद्र को बलराम, दाऊ और बलदाऊ के नाम से भी जाना जाता है। बागियों में श्रेष्ठ होने के कारण इन्हें बलभद्र भी कहा जाता है। बलभद्र को शेषनाग के नाम से जाना जाता है और भगवान जग अर्थात श्री कृष्ण को भगवान कृष्ण का अवतार माना जाता है। कहा जाता है कि जब कंस ने देवकी-वसुदेव के छह पुत्रों को मार डाला था, तब देवकी के गर्भ से शेषावतार और भगवान बलराम का जन्म हुआ था। योगी आदित्यनाथ ने उन्हें आकर्षित कर नंद बाबा के यहां रह रही श्री रोहिणी जी के गर्भ में निषेचित करवा दिया था। इसलिए उनका नाम संकर्षण पड़ा। श्री कृष्ण और बलराम की माताएं अलग-अलग हैं, लेकिन वे एक ही हैं। ध्यान से देखा जाए तो वे पहले देवकी के गर्भ में थे। बलराम सत्ययुग के राजा कुकुदमी की पुत्री रेवती के वंशज थे। रेवती बलराम से काफी लंबी थी, इसलिए, बलराम ने उसे अपने हल से पराजित कर दिया था। संसार की रथयात्रा में बलभद्र का भी रथ है। वे गदा धारण करते हैं। बलराम ने अपनी गदा से योगेन्द्र और भीम दोनों को मार डाला था। कौरव और पांडव दोनों ही उनके बराबर थे, इसलिए उन्होंने युद्ध में भाग नहीं लिया। मौसुलम युद्ध में यवंश के विनाश के बाद बलराम ने समुद्र तट पर बैठकर अपने प्राण त्याग दिए, सुभद्रा श्री कृष्ण की बहन भी थीं। बलराम चाहते थे कि सुभद्रा का विवाह कौरव कुल में हो। बलराम के हठ के कारण कृष्ण ने सुभद्रा का अर्जुन से हरण करवा दिया। बाद में अर्जुन का विवाह सुभद्रा से राका में हुआ। विवाह के बाद वे एक वर्ष तक राका में रहे और शेष समय पुकुर में बिताया। 12 वर्ष पूरे होने पर वे सुभद्रा के साथ इंद्रप्रस्थ लौट आए। सुभद्रा का पुत्र अमीघ था, जिसे युद्ध में फंसने के कारण धन, कर्ण समेत कुल के आठ लोगों ने मार डाला था। अमीघ की पत्नी उर थी, जिसके गर्भ से पार्वती का जन्म हुआ और पार्वती के पुत्र जनमेजय थे कहा जाता है कि नरकासुर का वध करने के बाद भगवान कृष्ण अपनी बहन सुभद्रा के घर उसके भाई को लेने गए थे। सुभद्रा ने उनका स्वागत किया और अपने हाथों से उन्हें भोजन कराया और उनके गले में एक ताला डाल दिया। पुरी में जगत की यात्रा में भगवान कृष्ण के साथ बलराम और सुभद्रा दोनों की मूर्तियां रखी जाती हैं। सुभद्रा वसुदेव की पत्नी रोहिणी की पुत्री थीं, जबकि श्रीकृष्ण वसुदेव की पत्नी देवकी के पुत्र थे। इस तरह श्रीकृष्ण और सुभद्रा के पिता एक ही थे लेकिन माताएं अलग-अलग थीं। फिर भगवान जगत को बड़े भाई बलराम जी और बहन सुभद्रा के साथ रत्ना हाउस से नीचे उतारकर मंदिर के पास बने नान मंडप में ले जाया जाता है। उन्हें 108 कलशों से स्नान कराया जाता है। मान्यता है कि इस स्नान से भगवान बीमार हो जाते हैं और वे पुनः स्वस्थ हो जाते हैं। फिर 15 मिनट के लिए भगवान जगत को शेष कलश में रखा जाता है। इसे शेष घर कहते हैं। 15 मिनट की इस अवधि में मंदिर के मुख्य सेवक और वैभव के अलावा महाप्रभु के दर्शन कोई नहीं कर सकता। इस अवधि में मंदिर में महाप्रभु की प्रभात की पूजा की जाती है और उनकी पूजा की जाती है। 15 मिनट के बाद भगवान स्नान कर कलश से बाहर आते हैं और भक्तों को दर्शन देते हैं। इसे नव युवा नेत्र उत्सव भी कहते हैं। इसके बाद भगवान कृष्ण और बड़े भाई श्रीकृष्ण भाई बलभद्र और सुभद्रा के साथ पुरी आते हैं और रथ पर बैठने की बजाय नगर भ्रमण पर निकलते हैं वेद में इनको ५ प्रकार से दारु ब्रह्म कहा गया है-जगत का आधार, निरपेक्ष द्रष्टा, निर्माण सामग्री, निर्माण की शाखायें या विविधता, चेतन तत्त्व या संकल्प-कर्म-वासना का चक्र। परमात्मा तथा उसके व्यक्ति रूप आत्मा का सम्बन्ध देखने पर, आत्मा का कर्म रूप जीव (बाइबिल का आदम-ईव) पत्नी है, जगन्नाथ पति हैं, उन दोनों के बीच सुभद्रा रूपी माया का आवरण ननद है। ननद का अर्थ है न-नन्दति, अर्थात् भाई को पत्नी से अधिक प्रेम करते देख प्रसन्न नहीं होती। इस भाव में विद्यापति, कबीर, महेन्द्र मिश्र आदि के कई निर्गुण गीत हैं। तुलसीदास जी ने इनका वर्णन किया है-आगे राम लखन बने पाछे। तापस वेश विराजत काछे॥उभय बीच सिय सोहति कैसी। ब्रह्म जीव बिच माया जैसी॥ (रामचरितमानस, २/१२२/१) आगे श्री रामजी हैं, पीछे लक्ष्मणजी सुशोभित हैं। तपस्वियों के वेष बनाए, दोनों बड़ी ही शोभा पा रहे हैं। दोनों के बीच में सीताजी कैसी सुशोभित हो रही हैं, जैसे ब्रह्म और जीव के बीच में माया। जगन्नाथ के कई देव रूप हैं-विश्व का वास या आधार-वासुदेवजगत का क्रिया रूप = जगन्नाथचेतन तत्त्व = पुरुषमूल स्रोत से पूर्ववत सृष्टि = वृषा-कपि (हनुमान)=जल जैसे स्रोत का पान कर ब्रह्माण्ड, तारा, ग्रह आदि विन्दुओं की सृष्टि तरंग गत्या जगन्नाथं वासुदेवं वृषाकपिं। पुरुषं पुरुषसूक्तेन उपतस्थे समाहितः॥ (श्रीमद् भागवत पुराण, १०/१/२०) एक ही परम तत्त्व के चतुर्धा विग्रह है-जगन्नाथ = चेतन तत्त्वबलभद्र = विश्व के निर्मित रूपसुभद्रा = माया का आवरणसुदर्शन = आकाश।

आपातकालः लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला

-विष्णुदत्त शर्मा

कांग्रेस का लोकतंत्र में विश्वास तब तक है जब तक वह सत्ता में है। जब वह सत्ता से बाहर होती दिखाई देती है, वह संविधान और लोकतंत्र की धज्जियाँ उड़ाने से नहीं चूकती। डॉ. राममनोहर लोहिया के ये शब्द 25 जून 1975 को उस समय सत्य सिद्ध हुए, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने आज से 50 वर्ष पहले, 25 जून 1975 को देश पर आपातकाल थोप दिया। यह घटना भारतीय लोकतंत्र के इतिहास की सबसे दुखद और शर्मनाक घटनाओं में से एक है। यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं था, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला था। आपातकाल लगाने का उद्देश्य नेहरू-गांधी परिवार का सत्ता पर वर्चस्व बनाए रखने की लालसा में संविधान को रौंदने का कुत्सित प्रयास था। यह वह समय था जब संविधान को ताक पर रखकर व्यक्तिगत सत्ता की रक्षा के लिए पूरे देश को एक तानाशाही शासन के अधीन कर दिया गया था। 1970 के दशक की शुरुआत में भारत गंभीर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक संकटों से जूझ रहा था। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और असंतोष के कारण सरकार के खिलाफ जनता में असंतोष बढ़ रहा था। इंदिरा गांधी की सत्ता को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 12 जून 1975 को उनके निर्वाचन को अवैध घोषित कर दिया और उन्हें छह वर्षों के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराया। इस फैसले के बाद देश भर में इंदिरा गांधी के इस्तीफे की मांग तेज हो गई। जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में विपक्ष ने संपूर्ण क्रांति का नारा दिया। इन सबके बीच 25 जून 1975 की रात को राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने प्रधानमंत्री की सिफारिश पर देश में आपातकाल लागू कर दिया। इंदिरा गांधी ने कैबिनेट को विश्वास में नहीं लिया, आधी रात को राष्ट्रपति से चुपचाप आपातकाल लागू करवाया। कांग्रेस की संस्कृति रही है-परिवार पहले, संविधान बाद में। इंडिया इज इंदिरा नारा कांग्रेस की लोकतंत्र विरोधी सोच का प्रतीक था। एक व्यक्ति, एक परिवार को देश से बड़ा समझना ही कांग्रेस की वैचारिक विकृति है। आपातकाल की घोषणा के साथ ही भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएँ रातों रात बंधक बना दी गईं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, और न्यायिक संरक्षण जैसे मौलिक अधिकार स्थगित कर दिए गए। मीडिया पर कठोर सेंसरशिप लागू कर दी गई। विरोध करने वाले हजारों नेताओं, कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, साहित्यकारों को बिना मुकदमे के जेलों में ठूंस दिया गया। इंडिया इज इंडिया और इंडिया इज इंदिरा जैसे नारे लगाने वालों को पुरस्कृत किया गया, जबकि आलोचकों को देशद्रोही बताकर प्रताड़ित किया गया। आपातकाल के इस काले दौर में वामपंथियों ने इंदिरा गांधी का भरपूर समर्थन किया। इसके बदले उन्हें प्रशासन और शिक्षा के क्षेत्र में ऊँचे पदों पर बिठाया गया। वे इतिहास, संस्कृति और पाठ्यक्रमों में अपने वैचारिक एजेंडे को लागू करने में सफल रहे। इससे देश की भावी पीढ़ी की सोच को प्रभावित करने की कोशिश की गई। इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी ने जनसंख्या नियंत्रण के नाम परजबरन नसबंदी का अभियान चलाया। लाखों गरीब पुरुषों को जबरदस्ती नसबंदी के लिए बाध्य किया गया। दिल्ली में तुर्कमान गेट जैसी घटनाओं में, जब लोगों ने इसका विरोध किया, तो गोली चलवा दी गई, जिसमें अनेक लोग मारे गए। इस दौरान हजारों झुग्गियाँ और बस्तियाँ उजाड़ दी गईं, जिससे लाखों लोग बेघर हो गए। वर्ष 1985 में लोकसभा में राजीव गांधी ने कहा– "आपातकाल में कुछ भी गलत नहीं था" यह बयान बताता है कि कांग्रेस के डीएनए में लोकतंत्र के लिए कोई सम्मान नहीं, केवल परिवार और सत्ता से प्रेम है। 21 महीनों तक देश को लोकतंत्र से वंचित रखकर कांग्रेस के एक परिवार की सत्ता बनाए रखने के लिए संविधान का गला घोंटा गया। कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर राष्ट्रवादी विचारधारा को कुचलने का कार्य किया। लोकतंत्र को बचाने के लिए लड़ने वालों को जेल में ठूंसा गया। लगभग 1 लाख 40 हजार लोगों को जेल में बंद किया गया और 22 कस्टोडियल डेथ हुईं। संविधान की आत्मा को कुचला गया। मीसा कानून में संशोधन कर प्राकृतिक न्याय की भावना का उल्लंघन किया गया। कांग्रेस की प्रवृत्ति लोकतंत्र विरोधी रही है– जो विरोध करे, उसे समाप्त कर दो। नेताजी सुभाषचंद्र बोस को कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे लोकप्रिय नेता को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया गया। बाबा साहब अंबेडकर जैसे महापुरुष का कांग्रेस द्वारा निरंतर विरोध और अपमान किया गया। कांग्रेस ने संविधान में अब तक 75 बार संशोधन किए, कई संशोधन सत्ता को मजबूत करने हेतु थे। अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करते हुए 90 बार चुनी हुई राज्य सरकारों को बर्खास्त किया।1973 में वरिष्ठता की परंपरा को तोड़ते हुए जस्टिस अजीतनाथ रे को चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया– न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार था। मीसा कानून के जरिए निर्दोष लोगों को कैद किया गया– क्या यही कांग्रेस का न्याय है? शाहबानो मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटकर कांग्रेस ने करोड़ों मुस्लिम महिलाओं के अधिकार छीन लिए। राजीव गांधी ने वोट बैंक के लिए संविधान के साथ सौदा किया, यही कांग्रेस की असली सोच है। राहुल गांधी भी सार्वजनिक रूप से संविधान की प्रति लहराते हैं, लेकिन 2013 में उसी संसद के अध्यादेश को फाड़ कर संविधान की अवमानना करते हैं। कांग्रेस संविधान बचाने की बात करती है, लेकिन इतिहास गवाह है कि वही कांग्रेस बार-बार संविधान को बेरहमी से कुचलती रही है। कांग्रेस के लिए लोकतंत्र सिर्फ एक दिखावा है – असली सत्ता नेहरू-गांधी परिवार के इर्द-गिर्द ही घूमती है। जहाँ कांग्रेस ने संविधान के अनुच्छेदों का उपयोग केवल सत्ता में बने रहने के लिए किया, वहीं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार हर अनुच्छेद के महत्व को नागरिकों तक पहुंचाने की जागरूकता अभियान चला रही है। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जो संविधान देश को दिया, उसे कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए मोड़ा, तोड़ा और बदला। मोदी सरकार उसी संविधान को आधार बनाकर हर वर्ग के कल्याण और अधिकारों की गारंटी दे रही है– यही असली सम्मान है बाबा साहेब को। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता– ये चार स्तंभ सिर्फ किताबों में नहीं, आज मोदी सरकार में नीति और शासन का आधार बन चुके हैं। कांग्रेस ने इन सिद्धांतों को दिखावे की बातें बनाकर रखा, जबकि मोदी सरकार इन्हें नीति, योजना और क्रियान्वयन के स्तर पर सशक्त कर रही है। लोकतंत्र सेनानियों का ही संघर्ष है जिसके परिणाम स्वरूप भारत में लोकतंत्र पुनर्स्थापित हुआ। आज देश की प्रगति के पीछे लोकतंत्र सेनानियों का बलिदान आधार का पत्थर है। जिसके कारण लोकतंत्र पुनर्स्थापित हुआ और 2014 में भाजपा के श्री नरेंद्र मोदी जैसे व्यक्तित्व के रूप में भारत को महान नायक मिला जिनके नेतृत्व में लोकतंत्र की जड़ें बहुत मजबूत व गहरी हुईं, तुष्टीकरण संतुष्टीकरण में बदला, पूरा भारत एक हुआ, आतंकवाद की कमर टूटी, 11 वीं अर्थव्यवस्था से देश विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बना, सीमाएं सुरक्षित हुईं।

नए भारत की नई कहानीः ग्रोथ मार्केट से ग्रोथ इंजन तक

-गिरिराज सिंह

एक राष्ट्र की प्रगति केवल उसके आर्थिक सूचकांकों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उस विकास से आम जनजीवन में कितनी गरिमा, अवसर और आत्मबल का संचार हुआ है। जब हम आज भारत की ओर देखते हैं, तो यह केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक जाग्रत समाज की तस्वीर है, जो आगे बढ़ना जानता है, जो अपने अतीत से सीखता है और अपने भविष्य को स्वयं गढ़ रहा है। मेरे लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर, जो वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 7.4 प्रतिशत रही, एक आंकड़ा मात्र नहीं है। यह उस किसान की मेहनत का सम्मान है, जिसने आधुनिक तकनीक को अपनाकर पैदावार बढ़ाई। यह उस महिला उद्यमी की कहानी है, जिसने स्वयं सहायता समूह से यात्रा शुरू कर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पाद दुनिया तक पहुंचाए। यह उस युवा इंजीनियर का आत्मविश्वास है, जिसने मेक इन इंडिया के अंतर्गत नौकरी ढूंढ़ने के बजाय नौकरी देने वाला बना। आज भारत की औसत विकास दर 6.5 प्रतिशत है, और नॉमिनल जीडीपी 330 ट्रिलियन को पार कर चुकी है। जीएसटी संग्रह लगातार दो महीने 2 लाख करोड़ से ऊपर रहा है। यह आर्थिक आत्मबल अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह गाँवों, छोटे कस्बों और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचा है। डिजिटल क्रांति ने भारत के सामाजिक ताने-बाने में एक ऐतिहासिक परिवर्तन लाया है। गाँव का एक युवा अब मोबाइल से भुगतान करता है, सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे खाते में प्राप्त करता है और ऑनलाइन पढ़ाई के माध्यम से अपने सपनों को साकार करता है। आज यूपीआई के जरिए 25 ट्रिलियन से अधिक ट्रांजैक्शन हो चुके हैं। यह डिजिटल समावेशन केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं है, यह सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण का नया अध्याय है। भारत ने वैश्विक व्यापार में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। केवल अप्रैल 2025 में ही भारत से 3 मिलियन आईफोन आईफोन एक्सपोर्ट हुए, चीन से तीन गुना ज्यादा। यह दर्शाता है कि भारत अब केवल बाजार नहीं, ग्लोबल वैल्यू चेन का प्रमुख स्तंभ बन चुका है। बीते दशक में भारत में 500 बिलियन से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है, जो इनोवेशन, रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए द्वार खोल रहा है। हमारे किसान भी इस बदलाव के सशक्त भागीदार बने हैं। आज 51 मिलियन किसानों के पास डिजिटल किसान आईडी है, जिससे उन्हें उनकी भूमि, फसल और योजनाओं का सीधा लाभ मिलता है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, डिजिटल मंडियाँ, और आत्मनिर्भर कृषि मिशन जैसे प्रयासों ने उन्हें सहयोगी नहीं, सहभागी बनाया है। भारत में गरीबी दर 2011-12 के 29.5 प्रतिशत से घटकर आज 9.4 प्रतिशत रह गई है। यह केवल आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का विस्तार है। विश्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि अत्यंत गरीबी अब मात्र 5.3 प्रतिशत रह गई है। इस परिवर्तन में उस ग्रामीण परिवार की कहानी छिपी है, जिसके बच्चे पहली बार स्कूल गए।

आज का राशिफल

मेष मानसिक संबल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने धैर्य और कूटनीति से विपरीत परिस्थितियों पर काबू पाएंगे।

वृषभ राजनीतिक या प्रशासनिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को पद या प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत मिल सकते हैं।

मिथुन चिंताओं वाला रहेगा। बुध की व्यग्रता के कारण आर्थिक निर्णयों में जल्दबाजी न करें।

कर्क धन और संपत्ति के क्षेत्र में शुभ संकेत दे रहा है। आजीविका के क्षेत्र में नई दिशा मिल सकती है।

सिंह विशेषकर डिजिटल या ऑनलाइन माध्यम से कार्य कर रहे लोगों को धन लाभ होगा।

कन्या आज दिन करियर और व्यवसाय में विशेष सफलता का संकेत दे रहा है।

तुला आर्थिक रूप से अच्छा रहेगा। धन में वृद्धि के संकेत। समस्याओं का समाधान होगा।

वृश्चिक आपके लिए त्रिग्रही योग के कारण अनावश्यक यात्राएं या खर्चे से बचना बुद्धिमानी होगी।

धनु विरोधियों के बावजूद आपको अप्रत्याशित रूप से सफलता और आर्थिक लाभ मिलेगा।

मकर आज आर्थिक दृष्टि से दिन उत्तम रहेगा। नौकरी में स्थायित्व और व्यापार में वृद्धि के संकेत हैं।

कुंभ वाहन से जुड़ी मरम्मत पर। लेन-देन उभर सकता है। स्वास्थ्य से जुड़ा खर्च भी हो सकता है।

मीन आर्थिक दृष्टि से दिन मिला-जुला रहेगा। बिजनस में हैं, पुराना ग्राहक आ सकता है।

विशेष

यह कैसा जाम कि लौट गए गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी निरीक्षण के लिए दौरे पर निकले थे लेकिन उनको अपना काम बीच में छोड़ना पड़ गया है। बताया गया कि पुणे में भारी ट्रैफिक जाम के चलते उन्हें अपने कदम वापस लेने पड़े हैं। वह एक अंडरग्राउंड प्रोजेक्ट के निरीक्षण के लिए गए थे, लेकिन दौरा पूरा नहीं हो सका। बात दरअसल यह है कि बीते एक सप्ताह से पुणे में भारी बारिश हो रही है। भारी ट्रैफिक को देखते हुए नागरिकों की सुविधा और मंत्री की सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने निरीक्षण छोटा करने का सुझाव दिया, जिसे मान लिया गया और केंद्रीय मंत्री गडकरी यह कहते हुए लौट गए कि दौरा बाद में भी तय किया जा सकता है।

आत्मसात करने वाली होती हैं ये बातें

नई दिल्ली में श्रीनारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच हुई ऐतिहासिक बातचीत की शताब्दी समारोह आयोजित किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम यहां पर एक ऐतिहासिक घटना को याद कर रहे हैं, जिसने न सिर्फ हमारे स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई दिशा दी, बल्कि एक स्वतंत्र भारत के सपने को भी गति दी। उन्होंने कहा कि 100 साल पहले श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी की बीच हुई मुलाकात और बातचीत आज भी बहुत प्रेरणादायक है। विचारक तो यही कहते हैं कि इसमें कोई शक की बात भी नहीं है, क्योंकि संत-महात्माओं की बातों को यदि आत्मसात कर समाज कल्याण में लगा जाए।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1862 अमेरिका ने लाइबेरिया की स्वतंत्रता को मान्यता दी. 1900 ब्रिटिश राजनेता लार्ड लुई माउंटबेटन का जन्म हुआ. 1932 भारत ने पहला क्रिकेट टेस्ट लार्ड्स मैदान पर खेला. 1942 ब्रिटिश वायुसेना ने जर्मनी पर हमला किया. 1950 कोरियाई युद्ध भड़का. 1966 वेटिकन और युगोस्लाविया के बीच राजनीतिक संबंध स्थापित हुए . 1983 भारत विश्व कप क्रिकेट चैम्पियन बना. 1987 सोवियत नेता मिखाइल गोर्बाचेव ने देश में व्यापक सुधारों का आह्वान किया. 1988 पेशावर के एक होटल में बम विस्फोट से 13 व्यक्ति मारे गए और अनेक लोग घायल हो गए. 1990 जाम्बिया में सरकार विरोधी दंगे भड़के. 1994 मुंबई के पूर्व अंडरवर्ल्ड डान हाजी मस्तान का निधन. 2001 जम्मू रेल्वे स्टेशन पर बम फटने से 43 घायल.

दैनिक पंचांग

25 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

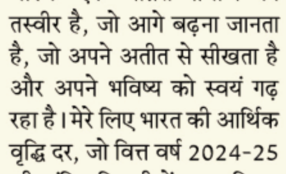

बुधवार 2025 वर्ष का 176 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण **तिथि** अमावस्या 16.02 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 10.41 बजे को समाप्त। **योग** गण्ड 06.00 बजे तदनन्तर वृद्धि 02.39 बजे रात्र को समाप्त। **करण** चतुष्पद 05.29 बजे, नाग 16.02 बजे तदनन्तर किंस्तुघ्न 02.40 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 23'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872386
जूलियन दिन 2460851.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिलहेज **तारीख** 28
विशेष आषाढ़ अमावस्या।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.52 बजे से
चंद्र	मिथुन में	सिंह	09.08 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.20 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.31 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.46 बजे से
शुक्र	मेष में	धनु	18.02 बजे से
शनि	मीन में	मकर	20.07 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.53 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.26 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मेष	00.57 बजे से
		वृष	02.37 बजे से
		मिथुन	04.35 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभतम श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

क्या होता है रिंग ऑफ फायर

बीते के दिनों अमेरिका के 11 राज्यों में रिंग ऑफ फायर का दुर्लभ नजारा देखा गया। यह नजारा करीब 3 से 6 मिनट तक चला। रिंग ऑफ फायर एक खगोलीय घटना है। इसके बनने की स्थिति तब होती है, जब चंद्रमा पृथ्वी और सूर्य के बीच से गुजरता है, लेकिन पूरी तरह से सूर्य को नहीं ढक पाता है।

दरअसल चंद्रमा की कक्षा पृथ्वी के चारों और बिल्कुल गोल नहीं है, बल्कि अंडाकार है, जब चंद्रमा पृथ्वी से सबसे दूर होता है और सूर्य व पृथ्वी के बीच से गुजरता है, यह सूर्य को पूरी तरह से ढक नहीं पाता है। वहीं सूर्य के चारों ओर एक चमकदार वायुमंडल होता है, जिसे कोरोना कहते है। जब चंद्रमा सूर्य को आंशिक रूप से ढक लेता है, तो यह कोरोना दिखाई देने लगता है और सूर्य का बाहरी किनारा एक चमकदार छल्ले के रूप में दिखाई देता है। इसे ही रिंग ऑफ फायर कहा जाता है। यह केवल पूर्ण सूर्य ग्रहण के दौरान ही देखी जा सकती है।

पृथ्वी पर भी है रिंग ऑफ फायर

जिस तरह से आकाश की अनूठी खगोलिय घटना रिंग ऑफ फायर कहलाती है। उसी तरह पृथ्वी पर भी एक रिंग ऑफ फायर मौजूद है। हालांकि यह रिंग ऑफ फायर काफी अलग है। दरअसल ये वास्तव में प्रशांत महासागर का एक इलाका है, जिसे प्रशांत रिम या पैसिफिक बेल्ट कहते हैं। यह वह इलाका है, जहां सबसे ज्यादा भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट होते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर के 75 प्रतिशत ज्वालामुखी रिंग ऑफ फायर इलाके में ही स्थित हैं। यह इलाका जुआन डे, कोकोसा, नाजका, उत्तरी अमेरिकी और फिलीपीन सहित 40 हजार किमी तक फैला हुआ है। अलेक्जेंडर पी. लिविंगस्टन ने 1906 में लिखी पुस्तक में सबसे पहले प्रशांत महासागर के इस क्षेत्र की रिंग ऑफ फायर के तौर पर संदर्भित किया था।

पेड़ भी करते हैं आपस में बातचीत, प्रकृति के कुछ रहस्यमयी रोमांचक तथ्य

प्रकृति एक खजाना है और इसमें ऐसे अनगिनत हीरे-मोती छिपे हुए हैं जिनकी चमक हमें चकाचौंध कर देती है। कुछ के बारे में हम जानते हैं और कई बातें ऐसी हैं जिनके बारे में शायद कल्पना भी नहीं कर सकते। ये प्रकृति इतनी विशाल और वृहद है कि सब कुछ देख पाना संभव नहीं। लेकिन इतना तो तय है कि प्रकृति वो जादूगर है जो हर बार अपनी हैट से एक नया कबूतर निकालती है और हम कौतूहल से भर जाते हैं।

हर रोज़ सूरज उगता है और ढल जाता है। मिट्टी में बोए हुए छोटे-छोटे बीज हमें भरपूर फसल के रूप में वापस मिलते हैं। पेड़ रसीले फल और छाया देते हैं। चूंकि ये सब देखने के हम आदी हो गए हैं इसलिए शायद इनमें कुछ विशेष नज़र नहीं आता है। लेकिन जरा गौर से देखें तो ये सब कितना अद्भुत है। प्रकृति जैसे कोई जादू हो जो हमें हर बार विस्मय में डाल देती है। चाहे वो पहाड़, जंगल, रेगिस्तान हों या फिर लाखों किस्म के पेड़ पौधे या जीव जंतु। प्रकृति में भूमि, जल, वायु, अग्नि और आकाश जैसे पंचतत्व समाहित हैं। इसमें पेड़-पौधे, जीव-जंतु, और मानव सहित सभी जीवित और निर्जीव तत्व भी शामिल हैं। प्रकृति ऊर्जा के स्रोत, पारिस्थितिकी तंत्र और प्राकृतिक चक्रों का संतुलन बनाए रखती है। यह हमें भोजन, पानी, शांति, सौंदर्य और जीवन जीने की प्रेरणा देती है। प्रकृति में इन सभी तत्वों का एक संतुलन होता है, जो जीवन को सुचारू रूप से चलाने में मदद करता है। इसीलिए जरूरी है कि हम अपनी प्रकृति का संरक्षण करें।

प्रकृति के अद्भुत रहस्य

ये कुदरत अनमोल है। हमारी प्रकृति में ऐसी अनेक अद्भुत घटनाएँ और तथ्यों का अस्तित्व है, जो हमारे ज्ञान की सीमाओं को चुनौती देती हैं और हमें विस्मय में डाल देती हैं। इन प्राकृतिक तथ्यों से न सिर्फ हमारी समझ में वृद्धि होती है, बल्कि यह हमें प्रकृति के प्रति और भी सम्मान महसूस कराती है। आज हम ऐसे ही कुछ बातें आपके साथ साझा कर रहे हैं -

बायोलुमिनसेंस

यह एक अद्भुत प्राकृतिक घटना है जिसमें कुछ जीव-जंतु और पौधे अपनी शारीरिक प्रक्रियाओं के द्वारा रोशनी उत्पन्न करते हैं। समुद्र में पाई जाने वाली कुछ मछलियाँ और अन्य समुद्री जीव रात के समय अपनी चमक के कारण देखे जाते हैं। यह प्राकृतिक रोशनी आमतौर पर उनकी सुरक्षा या शिकार के लिए उपयोग होती है। बायोलुमिनसेंस के पीछे मुख्य रूप से रासायनिक प्रक्रियाएँ होती हैं जो जीवों को अंधेरे में चमकने की क्षमता प्रदान करती हैं।

पृथ्वी के 99% पानी में से सिर्फ 0.007% पीने योग्य

हम सभी जानते हैं कि पृथ्वी का 70% हिस्सा पानी से ढका हुआ है, लेकिन इसका अधिकांश जल महासागरों में छिपा हुआ है। इसके अलावा, पृथ्वी के वातावरण में मौजूद जल का लगभग 99% वाष्प रूप में होता है जो हमारे सामान्य ज्ञान से परे एक दिलचस्प तथ्य है। जल वाष्प का यह रूप मौसम की प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पृथ्वी के हाइड्रोस्फीयर से जुड़ी दिलचस्प और अनोखी बात यह है कि पृथ्वी पर मौजूद पानी का कुल मात्रा लगभग 1.386 बिलियन क्यूबिक किलोमीटर है, लेकिन इसका सिर्फ 0.007% ही पीने योग्य है। और जो बात इसे और भी अद्भुत बनाती है, वह यह है कि यह पानी अरबों वर्षों से लगातार रीसायकल हो रहा है। यानी, आज हम जो पानी पी रहे हैं, वह वही पानी हो सकता है जो डायनासोर के समय में अस्तित्व में था।

पेड़ों की आपस में बातचीत

यह अत्यंत दिलचस्प शोध है, जिसमें यह पाया गया है कि पेड़ आपस में भूमिगत नेटवर्क के माध्यम से संवाद करते हैं। पेड़ अपनी जड़ों और माइकोरिज़ल फंगस के माध्यम से जानकारी का आदान-प्रदान करते हैं। इसे वुड वाइड वेब कहा जाता है। इस प्रक्रिया में पेड़ एक-दूसरे को खतरे या बीमारी के बारे में चेतावनी भेज सकते हैं, जिससे वे एक-दूसरे की रक्षा कर सकते हैं।

गुलाबी झील

ऑस्ट्रेलिया में स्थित हिलियर झील का पानी स्वाभाविक रूप से गुलाबी रंग का है। इसका कारण माइक्रोबैक्टीरिया का उत्पन्न होना है, जो सॉल्ट के साथ मिलकर इस विशिष्ट रंग का निर्माण करते हैं। यह झील अपने अनोखे रंग के लिए प्रसिद्ध है और पृथ्वी पर इससे मिलती-जुलती कोई अन्य झील नहीं पाई जाती है। यह झील न सिर्फ अपने रंग के कारण मशहूर है, बल्कि इसका पानी भी बहुत खारा है जो इसे समुद्र के पानी के समान बनाता है। इसकी सॉल्टिनेस इतना ज्यादा है कि इस पानी में तैरने के दौरान किसी तरह की विशेष कठिनाई नहीं होती है।

समय की गति और गुरुत्वाकर्षण

वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध किया है कि समय की गति गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से प्रभावित होती है। अर्थात, जितना अधिक हम पृथ्वी के केंद्र से दूर होते हैं, उतना ही समय धीमा चलता है। उदाहरण के लिए, अंतरिक्ष में समय पृथ्वी की तुलना में अलग तरीके से चलता है क्योंकि वहां गुरुत्वाकर्षण का प्रभाव कम होता है। इस बात को अलग अलग साइंस फिक्शन और डाक्यूमेंट्रीज़ में भी दिखाया जा चुका है।

सबको अलग दिखता है इंद्रधनुष

इंद्रधनुष के रंगों का निर्माण सूर्य की रोशनी के बूँदों या धुंध में प्रवेश करने पर होता है, जहाँ प्रकाश का विकिरण, परावर्तन और प्रसार एक जटिल प्रक्रिया के माध्यम से सात रंगों का निर्माण करता है। इंद्रधनुष के सात रंगों से जुड़ी एक अद्भुत बात यह है कि हर व्यक्ति अपना-अपना इंद्रधनुष देखता है। दरअसल जब आप इंद्रधनुष देखते हैं तो यह वास्तव में आपकी आँखों और सूर्य की रोशनी के बीच एक अद्वितीय कोण (42 डिग्री) पर बनता है। यह इस कारण है कि जो प्रकाश बूंदों से परावर्तित और प्रसारित होकर आपकी आँखों तक पहुँचता है, वह आपकी दृष्टि और स्थान के लिए विशेष होता है। दूसरे शब्दों में, यदि कोई व्यक्ति आपके बगल में खड़ा है और वह भी इंद्रधनुष देख रहा है तो उसका इंद्रधनुष थोड़ा अलग होगा क्योंकि असल में वो अलग बूंदों से परावर्तित प्रकाश को देख रहा है।

ये है दुनिया की सबसे छोटी फ्लाइट, 74 सेकंड पूरी हो जाती है यात्रा

हमने बहुत से लंबी फ्लाइट्स के बारे में सुना है, जिसमें आपको दो-दो दिनों तक ट्रैवल करना पड़ सकता है। मगर क्या आपने कभी सोचा है कि कोई ऐसी फ्लाइट भी हो सकती है, जो केवल कुछ ही सेकंड में अपनी जर्नी पूरी कर लेता है। जी हां ऐसी एक फ्लाइट है, जो केवल 74 सेकंड में अपनी एक लोकेशन से दूसरी लोकेशन पर पहुंच जाती है। यह दुनिया की सबसे छोटी फ्लाइट है, जिसे लोगनएयर द्वारा ऑपरेट किया जाता है। ये फ्लाइट स्कॉटलैंड के वेस्ट्रे और पापा वेस्ट्रे के ऑर्कनी आइलैंड के बीच उड़ान भरती है। ये अनोखी स्कॉटिश फ्लाइट डेढ़ मिनट के अंदर ही अपनी पूरी जर्नी खत्म कर लेती है। इस फ्लाइट के बारे में जानकारी सोशल मीडिया पर सामने आई है। आइये इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

कुछ सेकेंड में पूरी हो जाती है जर्नी

वीडियो में इस बात की जानकारी दी है, जिसमें बताया गया है कि इन दोनों लोकेशन के बीच की दूरी तय करने में इस फ्लाइट को कभी-कभी 1 मिनट से कम समय लगता है। अब तक का सबसे कम समय 53 सेकंड बताया गया है। बता दें कि ये बेहतरीन रिकॉर्ड पायलट स्टुअर्ट लिंकलेटर के नाम है। बता दें कि इस मार्ग पर फ्लाइट्स 1967 से शुरू हुई है, जिसने दुनिया की सबसे छोटी फ्लाइट का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ये फ्लाइट शनिवार के अलावा हफ्ते के बाकी दिन चलती है। एक रिपोर्ट में जानकारी मिली है कि स्टुअर्ट लिंकलेटर ने अब तक 12,000 से अधिक बार उड़ान भरी है, जो अब तक का बड़ा रिकॉर्ड है। लिंकलेटर के पास अभी भी फास्टेस्ट फ्लाइट टाइम का रिकॉर्ड है। ये फ्लाइट लगभग 2.7 किलोमीटर की दूरी तय करती है। इस फ्लाइट के लिए ब्रिटेन-नॉर्मन BN2B-26 आइलैंडर विमान का उपयोग किया जाता है, जिसमें 10 लोग बैठ सकते हैं। इतना ही नहीं ये फ्लाइट इतनी छोटी है कि आप पायलट को प्लेन उड़ाते देख सकते हैं। पापा वेस्ट्रे में 70 लोग रहते हैं, जो अपनी जरूरत के लिए इस फ्लाइट पर निर्भर करते हैं।

चीन में है दुनिया का सबसे बड़ा टेलीस्कोप

सबसे बड़ा रेडियो टेलीस्कोप चीन में है। इसका नाम दुतियान आन है। इसे स्वर्ग की आंख भी कहा जाता है। यह टेलीस्कोप गुइझेंड प्रांत के दाओदांग में स्थित है, जो चीन के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में है। इस टेलीस्कोप का व्यास 500 मीटर है। साथ ही इस टेलीस्कोप को 30 डिग्री तक झुकाया जा सकता है, जिससे यह आकाश के एक बड़े हिस्से को स्कैन कर सकता है। इस टेलीस्कोप का मुख्य उद्देश्य ब्रह्मांड में जीवन की खोज करना, ब्लैक होल, गैस के बादल और आकाशगंगाओं आदि का अध्ययन करना है। इसका उपयोग करके खगोलविद तारों के समूहों का अध्ययन कर सकते हैं। इस टेलीस्कोप का निर्माण 2011 में शुरू हुआ था और इसने आधिकारिक तौर पर 25 सितंबर 2016 को काम करना शुरू किया था। 2020 में यह पूरी तरह से चालू हो गई थी। 1600 फीट की इस दूरबीन को बनाने की लागत 26.9 करोड़ रुपए आई थी।

थाईलैंड के इस अनोखे पार्क में आइसक्रीम की थीम पर हैं झूले

आइसक्रीम के दीवाने दुनियाभर में हर उम्र के लोगों में आइसक्रीम को लेकर दीवानगी रहती है। आइसक्रीम और डेजर्ट्स के ऐसे ही दीवानों के लिए थाईलैंड के पटाया में एक खास थीम पार्क तैयार किया गया है। यहां आइसक्रीम, केक जैसे डेजर्ट्स के शौकीन अपनी पसंदीदा आइसक्रीम की थीम पर बनी कई एक्टिविटी में भाग ले सकते हैं। इस पार्क का नाम द ग्रेट एंड ग्रैंड स्वीट डेस्टिनेशन है। इस पूरे पार्क को अलग-अलग डेजर्ट्स की थीम पर सजाया गया है, जो विली वोन्का के चॉकलेट वर्ल्ड मूवी की तरह दिखाई देता है। यहां आने वाले लोगों का कहना है कि उन्हें यह किसी एनिमेटेड फिल्मों की तरह नजर आता है। पार्क के अधिकारियों का कहना है कि हमारा उद्देश्य पार्क में आने वाले लोगों को आइसक्रीम का आनंद प्रदान करना है।

पार्क में है एक विशाल जिंजरब्रेड हाउस ग्रेट एंड ग्रैंड स्वीट डेस्टिनेशन पार्क में आइसक्रीम और इसके जैसे डेजर्ट्स की कई विशाल आकृतियां देखने को मिलती हैं। इस पार्क में एक आइसक्रीम पार्लर भी है। यहां आने वाले पर्यटक वेनिला, स्ट्रॉबेरी जैसी 48 अलग-अलग तरह की आइसक्रीम का आनंद ले सकते हैं। पार्क के अधिकारियों का कहना है कि यहां गर्मी के दिनों में लोगों की भीड़ काफी ज्यादा रहती है। क्योंकि आइसक्रीम के चाहने वाले आइसक्रीम का लुत्फ उठाने और पार्क की काल्पनिक दुनिया को महसूस करने आते हैं। इस पार्क में एक विशाल आइसक्रीम का पेड़ भी है। यहां केक की कई प्रतिकृतियां, एक बड़ा जिंजरब्रेड हाउस, बड़े आकार के डोनट्स, कैक्स डिंग झरना, कैंडी फव्वारा, बर्फ के टावर पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

विशाल स्लाइड और झूले भी लगे हैं इस पार्क को सभी उम्र के लोगों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। पार्क में येलो टैफी स्लाइड बनाई गई है। इसका आनंद बड़े और बच्चे दोनों ले सकते हैं। इस अनोखे थीम पार्क में लगभग 60 से ज्यादा राइड और झूले लगे हैं। यहां आइसक्रीम पार्लर के अलावा एक मिल्क बार व कॉफी शॉप भी हैं। यहां आप स्मूदी और कॉफी का आनंद ले सकते हैं। यह पार्क समय-समय पर कई इवेंट भी आयोजित करता रहता है।

फोटोग्राफी के लिए हॉटस्पॉट है ये जगह ये जगह फोटोग्राफी के शौकीन और इंस्टाग्राम रील बनाने वालों के लिए स्वर्ग की तरह है। यहां जगह-जगह पर फोटोग्राफी के लिए स्पॉट भी बनाए गए है, ताकि पर्यटकों की फोटो का बैकग्राउंड अच्छे से आ सकें। पार्क के खुलने का समय सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक है और यह पार्क हफ्ते के सातों दिन खुला रहता है। यहां फ्री पार्किंग की सुविधा दी गई है। पार्क पटाया शहर के बांग लामुंग में स्थित है। यहां आने वाले पर्यटकों में वयस्कों का टिकट 350 रुपए है। वहीं बच्चों का टिकट करीब 170 रुपए है।

ईरान-इजराइल युद्ध विराम से सोना हुआ धड़ाम

● एक झटके में 3,000 रुपये टूट गई कीमत

नईदिल्ली, एजेंसी। ईरान और इजराइल के बीच युद्धविराम की खबर के बाद सोने की कीमत में भारी गिरावट आई है। एमसीएक्स पर अगस्त में डिलीवरी वाले सोने के वायदा अनुबंध में 3,000 रुपये यानी करीब 3 प्रतिशत की कमी आई। शुरुआती कारोबार में यह 96,422 रुपये प्रति 10 ग्राम तक लुढ़क गया। पिछले सत्र में यह 99388 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज 98807 रुपये के भाव पर खुला। चांदी की कीमत में भी गिरावट आई है। जुलाई में डिलीवरी वाली चांदी के वायदा अनुबंध में 760 रुपये या 0.6 प्रतिशत की गिरावट आई और इसकी कीमत 1,06,011 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। हालांकि सोमवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमत में तेजी रही। अगस्त में डिलीवरी वाला सोना 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99,388 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। चांदी 0.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,06,759 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला कर दिया था, जिसके बाद निवेशकों ने सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने और चांदी की खरीदारी की।

क्यों आ सकता है उतार-चढ़ाव

पृथ्वी फिनमार्ट कमोडिटी रिसर्च के मनोज कुमार जैन ने कहा कि मध्य पूर्व में हर मिनट बदलती परिस्थितियों ने कीमतों धातु खंड में अस्थिरता बढ़ा दी है। इसका मतलब है कि मध्य पूर्व में जो कुछ भी हो रहा है, उससे सोने और चांदी के दाम में उतार-चढ़ाव आ रहा है। बाद में अमेरिका के राष्ट्रपति ने अचानक आधी रात को इजराइल और ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा कर दी। इस वजह से सोने और चांदी के दाम में गिरावट आई। पिछले सत्रों में जो तेजी आई थी उससे मुनाफावसूली हो रही थी। डॉलर में गिरावट से भी सोने और चांदी की कीमतों को निचले स्तर पर समर्थन मिल सकता है।

कहां तक जा सकती है कीमत

तकनीकी रूप से अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने को 3,400 डॉलर के आसपास प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है और अगर यह स्तर टूटता है तो कीमतें 3,435 डॉलर और 3,452 डॉलर तक जा सकती है। एक मजबूत रैली इसे 3,500 डॉलर तक ले जा सकती है। सोने के लिए सपोर्ट लेवल 98,850-98,440 रुपये और प्रतिरोध स्तर 99,800-1,00,200 रुपये है। चांदी के लिए सपोर्ट लेवल 1,06,000-1,05,000 रुपये और प्रतिरोध स्तर 1,07,400-1,08,000 रुपये है।

डिपॉजिट पर अधिक निर्भरता से सार्वजनिक बैंकों की लागत बढ़ी

पर सुधार के संकेत मजबूत

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) अपनी फंडिंग जरूरतों के लिए निजी बैंकों की तुलना में जमा (डिपॉजिट्स) पर अधिक निर्भर रहते हैं। वहीं, निजी क्षेत्र के बैंक अपनी वित्तपोषण जरूरतों के लिए उधारी (बॉरोइंग) का अधिक सक्रिय उपयोग करते हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार वित्तपोषण स्रोतों में इस अंतर के चलते पीएसबी को वित्तपोषण लागत में 20 से 30 आधार अंक का नुकसान हुआ है।

बैलेंस शीट के लायबिलिटी पक्ष में, पीएसबी जमाराशियों पर लगभग 10 प्रतिशत अंक अधिक निर्भर है। इसमें बताया गया कि वित्त वर्ष 19 से पहले यह अंतर 50 से 70 बीपीएस था, जो पुनर्पूंजीकरण प्रयासों के बाद लागत अंतर में महत्वपूर्ण कमी का संकेत देता है। पीएसबी को संरचनात्मक रूप से कमजोर माना जाता था, वे अब एक स्थायी सुधार की दिशा में बढ़ रहे हैं। बेहतर गवर्नेंस, बैलेंस शीट की सफाई, पुनर्पूंजीकरण और डिजिटल बुनियादी ढांचे में सुधार जैसे कदमों से यह बदलाव आया है। इसके अलावा आय की गुणवत्ता और स्थिरता में भी सुधार देखा गया है। वित्त वर्ष 2025 में पीएसबी लोन बाजार हिस्सेदारी में 52 आधार अंक की वृद्धि हुई। साथ ही, सेवा मानकों को बढ़ाया गया और रिटर्न रेशियो में भी मजबूती आई है। पीएसबी का रिटर्न ऑन एसेट 1 प्रतिशत के करीब पहुंचने के बावजूद निवेशक अब भी इसकी स्थिरता को लेकर सतर्क हैं। रिटर्न ऑन एसेट्स (आरओए) एक वित्तीय अनुपात है जो बताता है कि कोई कंपनी अपनी परिसंपत्तियों का उपयोग करके कितना लाभ कमाती है।
सकल और नेट स्लिपेज में आई गिरावट – रिपोर्ट में कहा गया कि पीएसबी अब निजी बैंकों की तुलना में कम ग्रॉस और नेट स्लिपेज रिपोर्ट कर रहे हैं। हालांकि, पीएसबी राइट ऑफ में अधिक आक्रामक रहे हैं, लेकिन क्रेडिट लागत काफी हद तक निजी बैंकों के बराबर आ गया है। इसके बावजूद सार्वजनिक बैंकों को रिटर्न ऑन एसेट के मामले में 80 से 90 आधार अंक का नुकसान होता है।

ब्रेंट क्रूड की कीमतों में तेज गिरावट से कच्चे तेल के प्रति संवेदनशील शेयरों में उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। मध्य पूर्व संघर्ष में संभावित कमी की उम्मीद के बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में तेज सुधार के बाद कच्चे तेल के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों – तेल विपणन कंपनियों, विमानन, पेंट्स और एडहेसिव्स- के शेयरों में मंगलवार सुबह के कारोबार के दौरान खरीदारी दिखी। बीएसई पर हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड का शेयर 5.26 प्रतिशत, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन

लिमिटेड का शेयर 4.59 प्रतिशत तथा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन का शेयर 3.89 प्रतिशत चढ़ा। स्पाइसजेट के शेयरों में 5 प्रतिशत तथा इंटरग्लोब एविएशन के शेयरों में 4.15 प्रतिशत की बढ़त हुई। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, पश्चिम एशिया में नाटकीय घटनाक्रम, जिसकी परिणति अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा युद्ध विराम की घोषणा के रूप में हुई। इससे साबित होता है कि हर संघर्ष का सबसे बुरा दौर समाप्त हो चुका है। कच्चे तेल और शेयर बाजारों में तीव्र प्रतिक्रियाएं यह संकेत देती हैं कि भू-राजनीतिक स्थिति सामान्य होने की ओर अग्रसर है।

स्कूल टीचर ने ट्रैक बदल शुरू किया ये काम

नईदिल्ली, एजेंसी। मुंबई के पूर्व स्कूल टीचर अमित दमानी ने अपने परिवार के विला को 110 करोड़ रुपये के कारोबार में बदल दिया है। उन्होंने यह सफलता स्टे विस्टा के जरिये हासिल की है। अमित ने 2015 में अंकिता सेठ और प्रणव माहेश्वरी के साथ मिलकर स्टे विस्टा की शुरुआत की थी। यह कंपनी अब भारत में 50 से अधिक स्थानों पर 500 से ज्यादा लग्जरी विला की पेशकश करती है। आइए, यहां अमित दमानी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।
ऐसे आया आइडिया- अमित दमानी ने 2015 में अंकिता सेठ और प्रणव माहेश्वरी के साथ मिलकर स्टे विस्टा की शुरुआत की। पहले इस कंपनी का नाम विस्टा रूम्स था। यह छोटे होटलों और घरों के साथ साझेदारी करके किराए पर कमरे उपलब्ध कराती थी। 2017 में अमित ने विस्टा रूम्स को स्टे विस्टा में बदल दिया और लग्जरी विला पर फोकस किया। यह विचार उन्हें अपने परिवार के लोनावाला स्थित विला से आया। लोनावाला मुंबई से 83 किलोमीटर की दूरी पर है। अमित की दादी वाराणसी से हैं। शादी के बाद वह मुंबई आ गई थीं। शादी से पहले वह बड़े घरों में रहती थीं। उनमें बड़े-बड़े खुले लॉन होते थे। मुंबई में ऐसा मुश्किल था। इसलिए अमित के दादाजी ने दादी के लिए लोनावाला के खूबसूरत पहाड़ी शहर में एक विला बनवाया।
दादी को मनाया – जब अमित को विला किराए पर देने का विचार आया तो अमित ने अपनी दादी से बात करने का फैसला किया। उन्होंने दादी को समझाया कि संपत्ति उनके पास ही रहेगी। लेकिन, इसका रखरखाव अच्छी तरह से किया जाएगा और उन्हें कमाई भी होगी।

पर्यटक बढ़ने से सात साल में 10 लाख होटल रूम की दरकार; 35 लाख लोगों को रोजगार मिल सकता है

नईदिल्ली, एजेंसी। घरेलू स्तर पर पर्यटकों की बढ़ रही संख्या के कारण अगले सात साल में होटलों में 10 लाख रूम की जरूरत होगी। इसके लिए हॉस्पिटालिटी सेक्टर अपने आप को तैयार कर रहा है। इससे 35 लाख को रोजगार मिलेगा। इसमें 15-20 लाख नौकरियां छोटे शहरों में होंगी, क्योंकि इन्हीं शहरों में फाइव स्टार होटल अपनी विस्तार की योजना बना रहे हैं। रेडिसन होटल समूह के प्रबंध निदेशक निखिल शर्मा कहते हैं, विकसित भारत के लिए ट्रैवल व टूरिज्म एक नींव बन चुके हैं। बड़े देशों की अर्थव्यवस्था में यह क्षेत्र 10 फीसदी जबकि हमारे यहां केवल दो से तीन फीसदी योगदान करता है। ब्रांडेड होटल दूसरे, तीसरे और चौथे शहरों खासकर धार्मिक व सांस्कृतिक शहरों में जा रहे हैं। डिमांड को देखते हुए रेडिसन समूह 2030 तक 300 होटल खोलने की योजना बना रहा है। इससे कुल संख्या 500 हो जाएगी। 60 फीसदी होटल दूसरे, तीसरे व चौथे स्तर के शहर में होंगे। रेडिसन ऐसा होटल समूह है जो बजट से लेकर प्रीमियम प्रापर्टी में है। यह छोटे शहरों में इस समय ज्यादा विस्तार कर रहा है।

क्विक कॉमर्स के बढ़ते चलन के बीच किराना दुकानों की बढ़ी डिमांड, बड़ी कंपनियां रख रही हैं खयाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटीसी, नेस्ले, कोका-कोला, टाटा कंस्यूमर, डाबर और पारले जैसी बड़ी कंपनियां इन दिनों आम किराना दुकानदारों और वितरकों के साथ अपने कारोबार और रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए नए सिरे से कोशिशें कर रही हैं। इसमें उन्हें ज्यादा प्रीमियम प्रोडक्ट सप्लाई करना और मार्जिन देना शामिल है। ये सब ऐसे समय में हो रहा है जब क्विक कॉमर्स में तेज ग्रोथ है, लेकिन उस पर पहले से ज्यादा नजर रखी जा रही है।

क्या है बदलाव

यह पिछले साल के मुकाबले बिलकुल उलट है। पिछले साल जब मार्केट में लंबी सुस्ती थी, तब कंपनियों ने आम किराना दुकानों में स्टॉक कम कर दिया था। उस दौरान क्विक कॉमर्स कंपनियों ने सिर्फ सॉफ्ट ड्रिंक्स और स्नैक्स जैसे सामानों में ही नहीं, बल्कि 5 किलो और 10 किलो जैसे अनाज या जरूरी सामान के बड़े पैक में भी अपनी हिस्सेदारी बढ़ा ली थी।

क्या है ताकत

भारत में 1 करोड़ 30 लाख किराना स्टोर हैं। इनमें ग्रॉसरी प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों की कुल बिक्री का अभी भी 90 प्रतिशत से ज्यादा आता है। हालांकि ब्लिंकिट, ज़ेप्टो, इंस्टामार्ट और बीबी नाउ जैसे क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स से होने वाली बिक्री में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है।

क्या है प्लानिंग

आईटीसी के ट्रेड मार्केटिंग और डिस्ट्रीब्यूशन के डिविजनल चीफ एग्जीक्यूटिव संदीप सूले का कहना है कि किराना दुकानों के लिए हमने प्रीमियम पैक की ज्यादा बड़ी रेंज तैयार की है सूले का कहना है कि इसके लिए अपनी सप्लाई चेन और डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम को नए सिरे से सेट किया है। साथ ही, हमने बढ़िया दुकानों के लिए सपोर्ट के साथ बेहतर डील भी बनाए हैं।

2026 में 6.5 प्रतिशत रहेगी वृद्धि दर, एसएंडपी रेटिंग्स ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाया

नईदिल्ली, एजेंसी। एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स ने मंगलवार को भारत की जीडीपी विकास दर का अनुमान बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग्स एजेंसी ने इसकी वजह सामान्य मानसून, कच्चे तेल की कम कीमतें आदि को बताया है। हालांकि एस एंड पी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरे की भी आशंका जताई है। एजेंसी ने कहा कि अगर पश्चिम एशिया में संघर्ष लंबा खिंचा तो इससे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं जिसका एशिया प्रशांत महासागर क्षेत्र के आर्थिक विकास पर असर होगा।

पिछले महीने एस एंड पी ने भारत की विकास दर को कम बताया था- एस एंड पी ने कहा कि मौजूदा समय में वैश्विक ऊर्जा बाजार पर लंबे समय तक असर पड़ने की आशंका कम ही है। भारत अपनी जरूरत का 85-90 प्रतिशत तेल आयात करता है और आधी प्राकृतिक गैस विदेशों से मंगवाता है। एस एंड पी ने बीते महीने वित्तीय वर्ष 2026 के लिए भारत की विकास दर में 20 पॉइंट की कमी कर इसे 6.3 प्रतिशत बताया था। एजेंसी ने इसकी वजह वैश्विक अनिश्चितता और अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ को बताया था।

टैरिफ से व्यापार, निवेश को होगा नुकसान

एस एंड पी का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस महीने जताए गए अनुमान से मेल खा रहा है। रिजर्व बैंक ने भी भारत की विकास दर वित्तीय वर्ष 2026 के लिए 6.5 प्रतिशत बताई थी। एस एंड पी ने अपनी रिपोर्ट में ये भी आशंका जताई है कि अमेरिका के टैरिफ प्लान से व्यापार, निवेश और वैश्विक विकास को नुकसान होगा।

खाड़ी देशों की बदल रही हवा, पश्चिम एशिया के इस देश ने पहली बार आयकर लगाने का किया एलान

नईदिल्ली, एजेंसी। खाड़ी देशों ने कच्चे तेल से अपनी अर्थव्यवस्थाओं को खूब चमकाया और दुनियाभर से निवेश को आकर्षित किया। हालांकि अब हालात बदलते दिख रहे हैं और खाड़ी देश अपनी अर्थव्यवस्था की तेल पर निर्भरता को कम करना चाहते हैं और इस दिशा में ओमान ने पहल कर दी है। खाड़ी देशों में पहली बार ओमान ने अपने नागरिकों पर आयकर लगाने का फैसला किया है। ओमान सरकार के एलान के तहत साल 2028 से पांच प्रतिशत आयकर वसूला जाएगा।
अभी सिर्फ एक प्रतिशत आबादी पर टैक्स लगाने की तैयारी- हालांकि ओमान ने अभी सिर्फ उन्हीं नागरिकों पर आयकर लगाने का फैसला किया है, जिनकी सालाना आय 1,09,000 डॉलर या उससे ज्यादा है। इस तरह अभी ओमान के सिर्फ एक प्रतिशत लोगों से ही आयकर वसूला जाएगा। ओमान की सरकार ने रविवार को इस संबंध में आधिकारिक एलान जारी कर दिया। हालांकि अभी ये साफ नहीं है कि ओमान के अलावा क्या अन्य खाड़ी देश भी अपने नागरिकों पर टैक्स लगाने पर विचार कर रहे हैं या नहीं।

जमा में पांच साल से लगातार बढ़ रही निजी बैंकों की हिस्सेदारी, सरकारी में छह फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। देश के निजी बैंक पिछले पांच वर्षों से कुल जमा में अपनी हिस्सेदारी लगातार बढ़ा रहे हैं, जबकि सरकारी बैंकों का हिस्सा छह फीसदी घट गया है। यूनियन बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च, 2019 में सरकारी बैंकों के पास कुल बैंक जमा का 63.2 प्रतिशत हिस्सा था। हालांकि, मार्च, 2025 तक यह घटकर 56.3 प्रतिशत रह गया। यानी करीब 6 फीसदी की कमी आई है।
जमाराशि में सरकारी बैंकों की तुलना में अधिक वृद्धि- रिपोर्ट के मुताबिक, निजी बैंक कुल जमा में अपनी हिस्सेदारी को लगातार बढ़ा रहे हैं। 5 वर्षों के दौरान निजी बैंकों ने हिस्सा 28.6 से बढ़ाकर 34.8 फीसदी कर लिया। अन्य बैंकों का हिस्सा स्थिर रहा, जो 8.1 और 8.8 प्रतिशत के बीच था। निजी बैंकों की जमाराशि में सरकारी बैंकों की तुलना में अधिक वृद्धि देखी गई है।

निजी बैंकों का प्रदर्शन बेहतर रहा है

सालाना आधार पर जमा की बात करें तो निजी बैंकों का प्रदर्शन बेहतर रहा है। 2023-24 में निजी बैंकों ने 20.1 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की, जबकि सरकारी बैंकों ने 9.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। यह रुझान पिछले वित्त वर्ष में भी जारी रहा। निजी बैंकों ने 12 प्रतिशत और सरकारी बैंकों ने 9.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

अदाणी समूह के किसी भी व्यक्ति पर न्याय में बाधा डालने की साजिश के आरोप नहीं, एजीएम में बोले गौतम अदाणी

नईदिल्ली, एजेंसी। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने समूह की वार्षिक आम बैठक के दौरान अमेरिका में समूह के खिलाफ हुए मुकदमों और पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव पर अपनी राय रखी है। गौतम अदाणी ने कहा है कि पिछले साल अमेरिकी न्याय विभाग और एसीसी ने अदाणी ग्रीन एनर्जी से संबंधित आरोप लगाए थे, लेकिन अदाणी समूह के किसी भी व्यक्ति पर एफसीपीए का उल्लंघन करने या न्याय में बाधा डालने की साजिश रचने का आरोप नहीं लगाया गया है।
दूसरी ओर पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर बोलते हुए गौतम अदाणी ने कहा कि मध्य पूर्व में संघर्ष बढ़ने का असर ऊर्जा और रसद पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यूरोप में आर्थिक आत्मविश्वास डगमगा रहा है और अमेरिका के सामने अपनी चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि इस शोरगुल के बीच भारत अलग खड़ा रहा और किसी भी अन्य प्रमुख देश की तुलना में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इस्राइल के हाइफा पोर्ट पर अदाणी की 70 प्रतिशत हिस्सेदारी

इस्राइल में अदाणी की मौजूदगी का केंद्र हाइफा पोर्ट है, जहां अदाणी पोर्ट्स की 70 प्रतिशत हिस्सेदारी है जिसे 2023 में इस्राइल के गैडोट ग्रुप के साथ साझेदारी में 1.2 बिलियन डॉलर में खरीदा गया है।

उत्तरी इस्राइल में रणनीतिक रूप से स्थित यह पोर्ट अदाणी पोर्ट्स के वार्षिक कार्गो वॉल्यूम में लगभग 3 प्रतिशत का योगदान देता है और इस्राइली आयात और निर्यात के लिए महत्वपूर्ण है।
अदाणी समूह के पास बाधाओं से परे सपने देखने की हिम्मत- हिंडनबर्ग प्रकरण और अमेरिका में हुए मुकदमों की ओर इशारा करते हुए गौतम अदाणी ने कहा कि हम चुनौतीपूर्ण वर्षों में भी एक ऐसे समूह के प्रमाण के रूप में खड़े हैं जो बाधाओं से परे सपने देखने की हिम्मत रखता है।
उन्होंने कहा, हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जहां नकारात्मकता अक्सर सच्चाई से ज्यादा जोर से गूंजती है। हम कानूनी प्रक्रियाओं में सहयोग करते हैं, मैं यह भी दोहराना चाहता हूँ कि हमारा शासन वैश्विक मानकों पर आधारित है। गौतम अदाणी ने कहा कि हमारे अनुपालन ढांचे से कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। हमारे आंकड़े अपनी कहानी खुद बताते हैं। उन्होंने आगे कहा कि चुनौतियों से भरे वर्ष में भी, हमने रिकॉर्ड तोड़ राजस्व, अभूतपूर्व वृद्धि और ऐतिहासिक लाभप्रदता देखी।

अदाणी एयरपोर्ट्स को मिला 1 अरब डॉलर का वित्तपोषण

अदाणी समूह की एविएशन शाखा ने मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के निर्माण के लिए वैश्विक निवेशकों से एक अरब डॉलर का वित्तपोषण हासिल किया है। समूह ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बयान में कहा गया, लेन-देन का नेतृत्व अपोलो द्वारा प्रबंधित फंडों की ओर से किया गया, जिसमें प्रमुख संस्थागत निवेशकों और बीमा कंपनियों के एक समूह ने भाग लिया, जिसमें ब्लैकरॉक द्वारा प्रबंधित फंड, स्टैंडर्ड चार्टर्ड आदि शामिल थे। इस डील ने भारत के बुनियादी ढांचे के अवसर और अदाणी एयरपोर्ट्स के परिचालन प्लेटफॉर्म में वैश्विक विश्वास को दर्शाया है। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी और भारत की सबसे बड़ी निजी हवाई अड्डा ऑपरेटर, अदाणी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स लिमिटेड (एएचएल) ने अपने मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) के लिए परियोजना वित्त संरचना के माध्यम से 1 अरब डॉलर जुटाए।

वेस्टइंडीज ने 12 साल बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीती टी20 सीरीज

बारबाडोस, एजेंसी। कप्तान हेली मैथ्यूज ने निर्णायक मैच में बेहतरीन व्यक्तिगत प्रदर्शन करके अपनी श्रेष्ठता का परिचय दिया जिससे वेस्टइंडीज ने केव हिल में तीसरे टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को 6 विकेट से हराकर 12 साल का सूखा खत्म करते हुए सीरीज जीती। मैथ्यूज (50 गेंदों पर 65 रन) ने शानदार अर्धशतक बनाया और वेस्टइंडीज की रन चेज को गति दी जिसमें शेमेन कैम्पबेल (38 गेंदों पर 42 रन) ने बेहतरीन जोड़ीदार साबित हुए। इससे कैरेबियाई टीम ने 9 गेंद शेष रहते दक्षिण अफ्रीका के 147/6 के स्कोर को हासिल कर लिया। इसकी मदद से वेस्टइंडीज ने प्रोटियाज पर 2-1 से सीरीज जीत दर्ज की, जो 2013 की शुरुआत के बाद पहली बार था जब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को द्विपक्षीय टी20 सीरीज में हराया था। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने मियाने स्मिथ के पहले टी20 अर्धशतक की बदौलत 20 ओवर में 6 विकेट पर 147 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। लेकिन जवाब में मैथ्यूज ने शानदार खेल दिखाया और 9 चौके और एक छक्का लगाकर वेस्टइंडीज को जीत के करीब पहुंचा दिया। मैथ्यूज 16वें ओवर में 65 रन पर सुने लुस का शिकार बनीं, जिससे दक्षिण अफ्रीका को कुछ उम्मीद बंधी, लेकिन चिनेल हेनरी (नाबाद 20) ने अपना अनुभव दिखाते हुए मेजबान टीम को जीत दिलाई। सीरीज हारने से निराश होने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने कहा कि वेस्टइंडीज दौरे से उनकी टीम को कई सकारात्मक चीजें सीखने को मिलीं। उन्होंने कहा, आज के परिणाम से निराश हूं, खासकर इसलिए क्योंकि मुझे लगा कि हमने काफी रन बनाए हैं। लेकिन हमने अपनी गेंदबाजी लाइन सही नहीं की, उन्होंने विकेट के चौकोर हिस्से पर बहुत सारे रन बनाए और हमने कुछ छोटी-छोटी चीजें गलत कीं। लेकिन हेले ने इतना अच्छा खेला कि उसे आउट करना मुश्किल है। वोल्वार्ड्ट ने कहा, कुल मिलाकर इस दौरे में मुझे लगा कि हमने कुछ अच्छी युवा प्रतिभाएं खोज निकाली हैं, जिन्होंने अपना योगदान दिया और टीम के लिए अच्छा योगदान दिया।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिलीप दोषी का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिलीप दोषी का 23 जून को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 77 वर्ष के थे। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ ने उनके निधन की पुष्टि की है। दिलीप दोषी के नाम प्रथम श्रेणी में 898 विकेट दर्ज हैं। उन्होंने 43 बार पारी में पांच विकेट झटके हैं। लिस्ट-ए क्रिकेट में उन्होंने 75 शिकार किए। रणजी क्रिकेट में कई सालों तक बंगाल के अहम खिलाड़ी रहने के रहने के अलावा दिलीप सौराष्ट्र का भी प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। 32 साल की उम्र में इंटरनेशनल करियर की शुरुआत करने वाले दिलीप दोषी ने भारत की ओर से 33 टेस्ट खेले, जिसमें 30.71 की औसत के साथ 114 विकेट अपने नाम किए। टेस्ट करियर में दिलीप दोषी के नाम छह बार पांच या उससे अधिक विकेट दर्ज हैं। वनडे फॉर्मेट की बात करें, तो दिलीप दोषी ने इसमें 15 मैच खेले, जिसमें 22 शिकार किए। साल 1981 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के दौरान दिलीप दोषी के पैर में फ्रैक्चर था, लेकिन इसके बावजूद वह मुकाबला खेले। मेलबर्न के ट्रैक पर दिलीप दोषी ने कुल पांच विकेट अपने नाम किए, जिसकी मदद से टीम इंडिया ने 59 रन से जीत दर्ज की। दिलीप दोषी के निधन पर भारत के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर काफी इमोशनल हो गए। उन्होंने एक्स पर दिलीप दोषी के साथ मुलाकात को याद करते हुए लिखा, मैं दिलीप भाई से पहली बार साल 1990 में यूके में मिला था। उस दौरे पर उन्होंने नेट्स में मेरे लिए गेंदबाजी की थी। वह सच में मुझसे बहुत प्यार करते थे। दिलीप भाई जैसे गर्मजोशी वाले शख्स की बहुत याद आएगी। मैं उन क्रिकेट से जुड़ी बातों को बहुत याद करूंगा, जो हम हमेशा किया करते थे। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। ओम शांति।

कपिल देव ने की इन क्रिकेटरों की बेइज्जती! कहा-

वो जानते हैं 30 कैमरे लगे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनने का स्वाद चखाने वाले कप्तान कपिल देव ने आज के क्रिकेटरों की जमकर बेइज्जती की है. उन्होंने एक सवाल के जवाब में उनकी जमकर आलोचना की. हालांकि, सवाल कपिल देव से आज के दौर में उनके खेल के तरीके से जुड़ा था. मगर उन्होंने जो कहा वो आज के दौर के क्रिकेटरों के लिए बेइज्जती से कम नहीं रहा. कपिल देव ने क्या कुछ कहा आज के क्रिकेटरों को लेकर आइए जानते हैं.

दरअसल, एक प्रोग्राम के दौरान कपिल देव से पूछा गया कि वो अगर आज के समय में क्रिकेट खेल रहे होते, तो क्या फर्क होता. उनका तरीका क्या होता? इस पर कपिल देव ने कहा कि तब के और आज के क्रिकेट जेनरेशन में वो एक ही फर्क देखते हैं और वो ये कि आज के क्रिकेट कमाल के एक्टर हैं. कपिल देव ने अपने इस बयान को उदाहरण देकर समझाया भी.

'पता है 30 कैमरे लगे हैं तो करते हैं दिखावा'

कपिल देव के मुताबिक आज के क्रिकेट गजब के एक्टर हैं. वो जानते हैं कि मैदान पर लगे 30 कैमरों का फोकस सीधा उन पर है. ऐसे में वो जो भी करेंगे वो रिकॉर्ड होगा. कपिल ने इसके पीछे का एक उदाहरण भी दिया. उन्होंने कहा कि हमने सीखा था कि आउट होने के बाद अपना हेड डाउन कर ड्रेसिंग रूम में बैठ जाओ. लेकिन आज के क्रिकेटर जब आउट होते हैं तो अपने बल्ले को जमीन पर पटकते दिखते हैं. सवाल है क्यों? जब पता है कि आउट हो चुके हैं तो फिर बल्ला पटकने से क्या होगा?कपिल देव ने कहा कि आप आउट हुए क्योंकि आपने स्टुपिड शॉट खेला. अब उस पर वैसे रिएक्ट क्यों करना? कपिल देव की कप्तानी में भारत ने साल 1983 में वेस्टइंडीज के वर्चस्व को खत्म करते हुए वनडे का अपना पहला वर्ल्ड कप जीता था.

कमल चावला एशियाई 6 रेड स्नूकर चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी। कमल चावला और पारस गुप्ता ने एशियाई 6 रेड स्नूकर चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। गत आईबीएसएफ चैंपियन कमल चावला ने अपने सभी ग्रुप मुकाबले जीतकर सोमवार को एशियाई 6 रेड स्नूकर चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अपने तीसरे और अंतिम ग्रुप सी मैच में भारत के दिग्गज खिलाड़ी चावला ने हांगकांग के मिंग वा मैन को 4-0 से हराया। चावला ने रविवार देर रात श्रीलंका के त्यागराजा थंजीवन को भी इसी अंतर से हराया था। बाद में राष्ट्रीय चैंपियन पारस गुप्ता ने भी अंतिम 16 में जगह बनाई। ग्रुप डी के करो या मरो के मुकाबले में गुप्ता ने कतर के मोहाना अल ओबैदली को 4-3 से शिकस्त दी। टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे तीसरे भारतीय पुष्पेंद्र सिंह नॉकआउट में जगह बनाने में नाकाम रहे।

इंडिया-इंग्लैंड टेस्ट

ऋषभ पंत ने दोनों पारियों में शतक जड़कर लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

लीड्स, एजेंसी। भारत के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है. उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट 2025 की दोनों पारियों में शतक जड़कर भारतीय क्रिकेट इतिहास में खास जगह बना ली है. पहली पारी में पंत ने शानदार 134 रन बनाए, जबकि दूसरी पारी में उनके बल्ले से 118 रन आए. यह कारनामा करने वाले पंत भारत के सातवें बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया है. उनसे पहले यह उपलब्धि विजय हज़ारे, सुनील गावस्कर (3 बार), राहुल द्रविड़ (2 बार), विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे और रोहित शर्मा ने हासिल की थी. हालांकि पंत ने इस सूची में एक खास रिकॉर्ड भी जोड़ा है. वह इंग्लैंड में टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं.इतना ही नहीं, पंत एक टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले दुनिया के केवल दूसरे नामित विकेटकीपर हैं. इससे पहले यह रिकॉर्ड जिम्बाब्वे के एंडी फ्लावर के नाम था, जिन्होंने 2001 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 142 और नाबाद 199 रन बनाए थे.पंत की यह पारी न सिर्फ भारत को मैच में बनाए रखने के लिए अहम रही, बल्कि उनके करियर के लिहाज़ से भी मील का पत्थर साबित हुई.

हॉकी प्लेयर गैरेट रो ने अचानक किया संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी अमेरिका और यूरोप हॉकी प्लेयर गैरेट रो ने 15 साल के सफल करियर को अलविदा कह दिया, उन्होंने आधिकारिक तौर पर पेशेवर हॉकी से संन्यास ले लिया है. वर्जीनिया के मूल निवासी 36 वर्षीय गैरेट ने 2024-25 में हर्षे बियर के साथ अपना अंतिम सीज़न पूरा किया, जिसमें 38 खेलों में 18 अंक बनाए और प्लेऑफ़ में दो असिस्ट जोड़े.

गैरेट रो मूल रूप से लॉस एंजिल्स किंग्स द्वारा 2008 एनएचएल ड्राफ्ट के 7वें दौर में चुने गए थे. उन्होंने कभी एनएचएल में भाग नहीं लिया, लेकिन शीर्ष यूरोपीय लीग में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला. उत्तरी अमेरिका में, उन्होंने हर्षे बियर और एडिरोंडैक फैंटम्स दोनों के लिए खेला, लेकिन उनका नाम यूरोप में खेलकर बड़ा हुआ. रो ने अपने पेशेवर करियर का ज्यादातर समय ऑस्ट्रिया, जर्मनी, स्वीडन और स्विटजरलैंड में खेलते हुए विदेशों में बिताया.

25 जून जब श्रीकांत ने किया उलटफेर

ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर सीरीज में जीता खिताब

- 25 जून का दिन भारतीय बैडमिंटन जगत के इतिहास में सुनहरे दिनों के रूप में दर्ज है

नई दिल्ली, एजेंसी। 25 जून का दिन भारतीय बैडमिंटन जगत के इतिहास में सुनहरे दिनों के रूप में दर्ज है। यह वही दिन है, जब किदांबी श्रीकांत ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में उलटफेर करते हुए सुपर सीरीज जीती थी। साल 2017 को रविवार के दिन लोग टीवी के सामने बैठे थे। फैंस को उम्मीद थी कि उन्हें उस दिन किदांबी श्रीकांत से कुछ उलटफेर देखने को मिल सकता है, जिसने 18 जून को इंडोनेशिया ओपन का खिताब जीता था। श्रीकांत ने दूसरे दौर में उलटफेर करते हुए साउथ कोरिया के सोन वान हो को 15-21, 21-13, 21-13 से शिकस्त देकर अगले दौर में जगह बनाई। इसके बाद हमवतन बी साईं प्रणीत को 25,23, 21-17 से मात देकर श्रीकांत सेमीफाइनल में पहुंचे, जहां उन्होंने चीन के शी युकी को 21-10, 21-14 से मात देकर लगातार तीसरी बार सुपर सीरीज के फाइनल में जगह बना ली।

श्रीकांत लगातार दो सुपर सीरीज खिताब जीतने वाले भारतीय पुरुष शटलर बने

फाइनल 25 जून को खेला गया। इस खिताबी मुकाबले में किदांबी श्रीकांत ने चीन के रियो ओलंपिक चैंपियन चेन लांग के खिलाफ 22-20, 21-16 से जीत दर्ज की। इसी के साथ श्रीकांत लगातार दो सुपर सीरीज खिताब जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष शटलर बन गए। इस फाइनल मुकाबले से पहले श्रीकांत चीन के इस सुपरस्टार शटलर से पांच बार भिड़ चुके थे,लेकिन हर बार उन्हें शिकस्त का सामना करना पड़ा था, लेकिन ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में आखिरकार श्रीकांत ने चीन की इस दीवार को ढहा दिया। श्रीकांत दाईं एडी में हेयरलाइन फ्रैक्चर के चलते तीन महीनों तक बैडमिंटन कोर्ट से बाहर रहे थे। उनकी इस शानदार वापसी में कोच होंडोया का बड़ा हाथ था। श्रीकांत का यह चौथा सुपर सीरीज खिताब था। इससे पहले श्रीकांत 2014 में चाइना ओपन, 2015 में इंडिया सुपर ओपन और कुछ दिन पहले ही इंडोनेशिया ओपन जीत चुके थे। ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने के बाद किदांबी श्रीकांत ने 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स और 2022 कॉमनवेल्थ में मेडल जीते। 2021 वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर जीतने वाले किदांबी ने अगले साल थॉमस कप जीता।किदांबी श्रीकांत को साल 2015 में अर्जुन पुरस्कार, जबकि साल 2018 में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

RCB के स्टार प्लेयर ने थामा राजस्थान की टीम का साथ

नई दिल्ली, एजेंसी। आमतौर पर भारतीय क्रिकेट खिलाड़ियों को विदेशी लीगों में बहुत कम खेलते हुए देखा जाता है. अब भारतीय महिला टीम की स्टार स्पिनर श्रेयंका पाटिल, कैरेबियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स की टीम बारबाडोस रॉयल्स के लिए खेलती हुई नजर आएंगी. श्रेयंका पिछले लगातार चोटों से जूझती रही हैं, इसलिए पिछले सीजन महिला कैरेबियाई प्रीमियर लीग में भाग नहीं ले पाई थीं. वहीं 2023 सीजन में उन्होंने गुयाना वॉरियर्स की टीम को फाइनल तक का सफर तय करने में मदद की थी.कैरेबियाई प्रीमियर लीग 2025 में श्रेयंका पाटिल बारबाडोस रॉयल्स के स्क्वाड में शामिल हुई चौथी विदेशी खिलाड़ी बनी हैं. चमारी अटापट्टू और हेली मैथ्यूज के रूप में 2 अन्य विदेशी खिलाड़ी बारबाडोस की टीम के लिए ओपनिंग करना जारी रखेंगी. बारबाडोस रॉयल्स की बॉलिंग यूनिट काफी हद तक पिछले सीजन के समान ही दिख रही है, लेकिन श्रेयंका पाटिल के आने से उसका गेंदबाजी लाइन-अप जरूर मजबूत हुआ है.भारत की स्टार स्पिन गेंदबाज श्रेयंका पाटिल ने डब्ल्यूपीएल 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ऐतिहासिक ट्रॉफी जीत में अहम योगदान दिया था. उस जीत के बाद वो टीम इंडिया के लिए बहुत कम मैच खेल पाई हैं और अब डब्ल्यूसीपीएल में वापसी कर मैदान पर अपनी छाप छोड़ना चाहेंगी. श्रेयंका पाटिल के अलावा शिखा पांडे और सलोनी डंगोरे वे दो भारतीय खिलाड़ी होंगी, जो महिला कैरेबियाई प्रीमियर लीग 2025 में खेल रही होंगी. पांडे और सलोनी, दोनों त्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए खेलेंगी. महिला कैरेबियाई प्रीमियर लीग 2025 की शुरुआत 6 सितंबर से होगी और टूर्नामेंट का समापन 17 सितंबर को होगा. श्रेयंका पाटिल, बारबाडोस रॉयल्स के लिए खेलने वाली हैं, जो पिछली दोनों बार से डब्ल्यूसीपीएल का खिताब जीतती आ रही है. बता दें कि बारबाडोस रॉयल्स की टीम अभी तक तीनों बार डब्ल्यूसीपीएल के फाइनल में पहुंची है.

इंटर मियामी और पाल्मेरास ने ड्रा खेला, दोनों टीमें नॉकआउट के लिए क्वालीफाई

मियामी, एजेंसी। इंटर मियामी और पाल्मेरास ने मंगलवार (आईएसटी) को 2-2 से ड्रॉ खेला और इसके साथ ही दोनों टीमें फीफा क्लब विश्व कप 2025 के राउंड ऑफ 16 के लिए क्वालीफाई कर गईं। पाल्मेरास ने लियोनेल मेसी के लिए एक बेहतरीन जन्मदिन का तोहफा छीन लिया। इंटर मियामी ने ग्रुप ए के अंतिम मैच में 79 मिनट तक बढ़त बनाए रखी, इससे पहले ब्राजीलियाई टीम ने लगातार दो गोल करके ग्रुप में पहला स्थान हासिल किया।

लुइस सुआरेज द्वारा मिडफील्ड में एक लंबी गेंद को आगे की ओर धकेलने के बाद हेरॉन्स ने बढ़त हासिल कर ली। युवा अर्जेंटीनाई खिलाड़ी पाल्मेरास के डिफेंडरों को चकमा देते हुए वेवर्टन को पीछे छोड़ते हुए आगे निकल गया। सुआरेज ने दूसरे हाफ में समय को पीछे की ओर मोड़ दिया, कई डिफेंडरों को चकमा देते हुए गोल दागकर इंटर मियामी की बढ़त को दोगुना कर दिया। लेकिन मैच खत्म होने में दस मिनट बाकी थे, स्थानापन्न पॉलिन्हो और एलन ने मिलकर पेनल्टी एरिया में प्रवेश किया। पॉलिन्हो ने पाल्मेरास के प्रशंसकों के सामने गोल दागा, जिससे अंतिम चरण में एक रोमांचक मोड़ आया। समय समाप्त होने के साथ ही पाल्मेरास ने बॉक्स में गेंद फेंकी, जिसे ठीक से क्लीयर नहीं किया गया और स्थानापन्न मौरिसियो के पास गिरी, जिन्होंने बॉक्स के किनारे से गोल दागा, जिससे यात्रा कर रहे प्रशंसक खुशी से झूम उठे। यह हमारे लिए एक शानदार मैच था, दक्षिण अमेरिका की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के खिलाफ खेलना मुश्किल है। शायद अंत में मैच हमारे हाथ में था, इसलिए यह अजीब लग रहा था, लेकिन टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले अगर कोई मुझसे कहता कि हम इस तरह की टीमों के खिलाफ इस तरह का प्रदर्शन करने जा रहे हैं, तो मैं इस पर हस्ताक्षर कर देता। इंटर मियामी के मुख्य कोच जेवियर मास्चेरानो ने कहा, यह एमएलएस के लिए एक ऐतिहासिक रात है क्योंकि हम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ 16 टीमों में शामिल हैं और सभी एमएलएस को इंटर मियामी पर गर्व होना चाहिए।

इंटर मियामी रविवार को अटलांटा में ग्रुप बी विजेता और यूरोपीय चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन का सामना करेगा। पाल्मेरास शनिवार को फिलाडेल्फिया में साथी ब्राजीलियाई टीम और कॉनमेबोल कोपा लिबर्टाडोरेस चैंपियन बोटाफोगो से भिड़ेगा।

सोनम ने दान किए अपने बाल

एक्ट्रेस और फैशन आइकन सोनम कपूर ने अपने लंबे काले बालों को काटकर 12 इंच चैरिटी के लिए दान किए। सोनम ने सोशल मीडिया पर अपने नए लुक की झलक दिखाई।

सोनम ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह हेयरकट करवाती नजर आईं। वीडियो में उन्होंने अपने नए लुक को दिखाया और अपने घने, लंबे बालों का श्रेय जेनेटिक्स, यानी अपने पिता अनिल कपूर को दिया। वीडियो में सोनम कहती नजर आईं, हेलो दोस्तों, मैंने अपने 12 इंच बाल काटने का फैसला किया। यह वीडियो में ज्यादा नहीं लग रहा, लेकिन यह एक फुट बाल है। मेरे बाल जेनेटिक्स वजह से घने और काले हैं। यानी पिता अनिल कपूर की वजह से बहुत लंबे और घने हैं। उन्होंने आगे बताया, मुझे लगा कि अब समय है कि मैं अपने बाल काटकर चैरिटी के लिए दान कर दूं। मेरे हेयर स्टाइलिस्ट पीट, पिछले कुछ सालों से मेरे बालों की देखभाल कर रहे हैं, उन्होंने मेरे साथ मिलकर यह फैसला लिया। मेरे बाल अब भी लंबे हैं, लेकिन मैं गर्मियों के लिए फ्रेश महसूस कर रही हूं। लव यू फ्रेंड्स! सोनम ने शेयर किए वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, 12 इंच बाल काटकर दान करने का फैसला लिया! पीट, थैंक्यू। डैड (अनिल कपूर) जीन के लिए शुक्रिया। वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनम जल्द ही फिल्म 'बैटल ऑफ बिट्टोरा' में नजर आएंगी। यह फिल्म अनुजा चौहान के 2010 के उपन्यास पर आधारित है, जिसमें दो उभरते राजनेताओं की प्रेम कहानी दिखाई जाएगी, जो एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते हैं। इस फिल्म का निर्माण अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क के बैनर तले होगा। हाल ही में सोनम ने अपने गानों 'प्रेम रतन धन पायो' और 'अभी तो पार्टी शुरू हुई है' के यूट्यूब पर एक अरब से ज्यादा व्यूज होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि प्रेम रतन धन पायो का टाइटल ट्रैक रिलीज होने पर वीडियो हर जगह थे। यह गाना आज भी लोगों को पसंद है। वहीं, साल 2014 की फिल्म 'खूबसूरत' के गाने 'अभी तो पार्टी शुरू हुई है' को उन्होंने अपने करियर का पसंदीदा गाना बताया, जो आज भी उनकी प्लेलिस्ट में शामिल है।

हाउसफुल-5 में

अक्षय कुमार के साथ काम करने के अनुभव को लेकर चित्रांगदा सिंह की बात

बॉलीवुड अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए हाउसफुल-5 में अक्षय कुमार के साथ फिर से काम करने के अनुभव को साझा किया। हाल ही में फिल्म हाउसफुल 5 में सुपरस्टार अक्षय कुमार के साथ फिर से काम करने पर चित्रांगदा ने बताया कि जो पहले औपचारिक कामकाजी रिश्ता था, वह अब एक अच्छी दोस्ती में बदल गया है। खिलाड़ी कुमार के साथ दोबारा काम करने के अनुभव पर बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया, मुझे लगता है कि वह खुद का मनोरंजन करने के लिए सेट पर शरारतें करते हैं। वह खुद बोर हो जाते हैं। लेकिन, उनकी एनर्जी बिल्कुल वैसी ही है, जैसी पिछली फिल्म के दौरान थी। जब मैंने पिछली बार उनके साथ काम किया था, तब हमारे बीच में इतनी दोस्ती नहीं थी। वह रिश्ता औपचारिक भी था। अब हम दोस्त बन गए हैं। अभिनेत्री उनके मिलनसार और मार्गदर्शक स्वभाव के बारे में तारीफ करते हुए कहती हैं कि अक्षय व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों तरह से बहुत मदद करते हैं। मुझे लगता है कि मैं किसी भी सलाह के लिए उन्हें कभी भी कॉल कर सकती हूं। यहां तक ??कि सेट पर भी, वह मुझे बहुत समझाते रहते हैं। मैं उनसे अक्सर पूछती रहती थी, क्या मुझे यह अलग तरीके से करना चाहिए? क्या यह बहुत ज्यादा है? क्या मुझे कम काम करना चाहिए? चित्रांगदा सिंह ने 2011 में निर्देशक डेविड धवन के बेटे रोहित धवन द्वारा निर्देशित कॉमेडी फिल्म देसी बॉयज में अक्षय कुमार के साथ काम किया था, जिसमें जॉन अब्राहम और दीपिका पादुकोण भी थे। तरुण मनसुखानी के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'हाउसफुल 5' 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जिसमें दो क्लाइमेक्स हैं। इस फिल्म को साजिद नाडियाडवाला ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत बनाया है। 'हाउसफुल' सीरीज की पहली फिल्म साल 2010 में रिलीज हुई थी। दूसरी फिल्म 2012 में आई। इन दोनों का निर्देशन साजिद खान ने किया था। 'हाउसफुल 3' 2016 में रिलीज हुई, जिसे साजिद-फरहाद ने निर्देशित किया। चौथी फिल्म 2019 में आई और इसका निर्देशन फरहाद सामजी ने किया था।

शेखर कपूर का आत्ममंथन, मैं भी कहानी लिखते समय सिजोफ्रेनिक होता हूं?

दिग्गज फिल्म निर्माता शेखर कपूर ने रचनात्मकता, मानसिक स्वास्थ्य और कलात्मक प्रतिभा के आपसी संबंध पर अपने विचार साझा किए हैं। साथ ही आत्ममंथन करते हुए सवाल किया कि जब वह कहानी लिखते हैं, तो उस दुनिया में खो जाते हैं, क्या ऐसा करके

वह सिजोफ्रेनिक हैं? शेखर कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने मशहूर पेंटिंग स्टारी नाइट के बारे में बात की। यह पेंटिंग महान कलाकार विंसेंट वैन गॉग ने बनाई थी। उन्होंने कहा, स्टारी नाइट दुनिया की सबसे कीमती और मशहूर पेंटिंग में से एक है। लेकिन, इस पेंटिंग के पीछे की सच्चाई यह है कि वैन गॉग ने इसे उस समय बनाया था, जब वह मानसिक रूप से बहुत परेशान थे और अस्पताल में भर्ती थे। शेखर ने अपने अनुभव से बताया कि जब वह कहानी बनाते हैं, तो वह पूरी तरह उस दुनिया में चले जाते हैं, लेकिन काम पूरा होने के बाद वह फिर से सामान्य जिंदगी में लौट आते हैं। वैन गॉग जैसे कई कलाकारों के लिए यह वापस लौटना मुश्किल था। वह अपनी मानसिक परेशानी से बाहर नहीं आ पाए। शेखर कपूर ने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर लोगों से गहरी सोच अपनाने की अपील की है। उन्होंने सवाल उठाया कि हम जिसे सामान्य और बीमारी कहते हैं, उसकी परिभाषा क्या वाकई सही है?

वन नाइट स्टैंड में प्रेग्नेंट हो गई थी ये बॉलीवुड एक्ट्रेस कुब्रा सैत

बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई सितारे इस बात का खुलासा कर चुके हैं कि उन्होंने वन नाइट स्टैंड किया है. इन सितारों के खुलासे के बाद उनके तमाम चाहने वाले फैंस हैरान रह गए थे. क्योंकि इस तरह के खुलासे करना आम बात नहीं होती है. एक पॉपुलर एक्ट्रेस ने खुलासा किया था उसने दोस्त के साथ वन नाइट स्टैंड किया था और प्रेग्नेंट हो गई थी. इसके बाद उसकी लाइफ में कई दिक्कतें आई लेकिन उसने मजबूती से सामना किया और अबॉर्शन कराया. आइए जानते हैं कि ये एक्ट्रेस कौन है और उसके साथ क्या हुआ था.

कुब्रा सैत ने इंटरव्यू में किया था खुलासा

एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया था कि उन्होंने दोस्त के साथ वन नाइट स्टैंड किया था. इसके बाद वह प्रेग्नेंट हो गई थीं. फिर उनके साथ काफी दिक्कतें हुई थीं.

कुब्रा सैत 30 साल में हो गई थीं प्रेग्नेंट

कुब्रा सैत ने बताया था कि वह 30 साल की उम्र में अंडमान ट्रिप पर गई थीं और वहां पर कुछ ड्रिंक्स लिए. उन्होंने अपने एक दोस्त के साथ वन नाइट स्टैंड किया था. कुछ दिनों बाद उन्हें फील हुआ कि वो प्रेग्नेंट हैं और रिजल्ट पॉजिटिव आया था.

कुब्रा सैत नहीं चाहती थीं बच्चा

कुब्रा सैत ने बताया था कि जब वह वन नाइट स्टैंड के दौरान प्रेग्नेंट हुई थीं और वह बच्चा नहीं चाहती थीं. जिसके चलते उन्होंने अबॉर्शन कराया था. कुब्रा सैत ने अपना अबॉर्शन खुद से कराया था.

मुझमें नहीं बची थी हिम्मत

मैं जब अबॉर्शन के दौर से गुजर रही थी तब मुझे नहीं लगता था कि मैं बिल्कुल भी स्ट्रॉन्ग फील कर रही थी. मुझमें उतनी हिम्मत नहीं थी कि मैं कह सकीं कि अगर हम ये नहीं करते हैं तो भी जी लेंगे.

मेरे अंदर था खालीपन

मुझे उस पल ऐसा लगा कि मेरे अंदर ताकत और जज्बा नहीं है. मैं फील कर रही थी मेरे अंदर से बहुत ज्यादा खालीपन है जैसे मैं इसके लायक नहीं हूं. लेकिन उसके लंबे समय बाद जो मुझे महसूस हुआ वो असली हिम्मत थी.

मेरे ससुराल वाले दुनिया के सबसे अच्छे लोग, सोनाक्षी सिन्हा ने गिनाई वजह

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति जहीर इकबाल की शादी को सोमवार को एक साल पूरा हो गया। इस मौके पर सोनाक्षी ने कहा कि उनके ससुराल वाले दुनिया के सबसे अच्छे लोग हैं। वे उन्हें खूब प्यार करते हैं और हर वक्त उनका साथ देते हैं। सोनाक्षी ने अपनी शादी की सालगिरह के मौके पर इंस्टाग्राम स्टोरीज में एक तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में सभी सालगिरह का जश्न मनाते दिख रहे हैं। तस्वीर में जहीर इकबाल बैठे हुए हैं और उनके चारों तरफ पिंक, सिल्वर और वाइट कलर के गुब्बारे लगे हुए हैं। उन गुब्बारों पर लिखा है, वी लव यू। सोनाक्षी ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, दुनिया के सबसे अच्छे ससुराल वाले, पहले तो मुझे यह लड़का दियाज फिर ढेर सारा प्यार दिया। सोनाक्षी और जहीर की शादी 23 जून को मुंबई में हुई। उनकी पहली मुलाकात एक पार्टी में हुई थी, जो बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने रखी थी। दिलचस्प बात यह है कि सोनाक्षी और जहीर, दोनों ने ही अपने फिल्मी करियर की शुरुआत सलमान खान के साथ ही की थी। सोनाक्षी ने फिल्मी करियर की शुरुआत सलमान खान के साथ सुपरहिट फिल्म दबंग से की थी, तो जहीर ने भी पहला फिल्मी कदम सलमान खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म नोटबुक से रखा था। बताया जा रहा है कि सोनाक्षी और जहीर ने 7 साल तक एक-दूसरे को डेट किया और शादी से पहले एक साल तक साथ में भी रहे। वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी जल्द ही फिल्म निकिता रॉय में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म को उनके भाई कुश सिन?हा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म को निकी भगनानी और विक्की भगनानी मिलकर बना रहे हैं। निकिता रॉय फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। शुरुआत में यह फिल्म 30 मई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसकी रिलीज की तारीख बदलकर 27 जून कर दी गई।

मालिक के लिए राजकुमार राव ने तीन महीने तक बढ़ाई दाढ़ी: निर्देशक पुलकित

एक्टर राजकुमार राव अपनी आने वाली फिल्म मालिक की तैयारी में जुटे हुए हैं। फिल्म में अपने किरदार को मजबूत बनाने के लिए अभिनेता ने 80 दिन से भी ज्यादा समय तक दाढ़ी बढ़ाई, ताकि उनका लुक स्क्रीन पर दमदार लगे। फिल्म के निर्देशक पुलकित ने बताया कि उन्होंने ऐसा इसलिए करवाया क्योंकि वह चाहते थे कि राजकुमार राव के किरदार में एक दमदार और ताकतवर अहसास नजर आए। इस तरह का लुक फिल्म में उनके किरदार को असरदार और असली बनाएगा। पुलकित ने कहा, हम चाहते थे कि राजकुमार राव के किरदार में एक ऐसी ताकत दिखे जो अंदर से आए, कुछ ऐसा जो सच्चा, थोड़ा रफ और बिना बनावट के लगे। राजकुमार ने इस किरदार के लिए खुद को शारीरिक और भावनात्मक रूप से पूरी तरह से झोंक दिया। उन्होंने करीब तीन महीने तक दाढ़ी बढ़ाई, ताकि उनका किरदार वास्तविक लगे। उन्होंने आगे कहा कि जो कुछ अभी टीजर में दिखा है, वह तो सिर्फ शुरुआत है, इस किरदार में और भी बहुत कुछ है। राजकुमार ने इस किरदार में ऐसा कुछ किया है जो वाकई बहुत खास है।

मीना कुमारी की बायोपिक में नजर आ सकती हैं कियारा आडवाणी

मीना कुमारी की बायोपिक की घोषणा के बाद से ही कई बड़ी एक्ट्रेसेस इस फिल्म का हिस्सा बनने की दौड़ में हैं। अब खबर है कि इस आइकोनिक रोल के लिए मेकर्स ने कियारा आडवाणी को

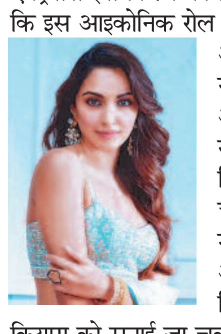

अप्रोच किया है। इस मेगाबजट फिल्म के राइट्स सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने सारेगामा और अमरोही परिवार के साथ मिलकर खरीदे हैं। बड़े स्तर पर बनाई जा रही इस फिल्म को लेकर पहले से ही जबरदस्त चर्चा है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म की टीम मानती है कि मीना कुमारी जैसी दिग्गज अदाकारा का किरदार निभाने के लिए कियारा एक बेहतरीन चॉइस हैं। स्क्रिप्ट कियारा को सुनाई जा चुकी है और उन्हें कहानी काफी पसंद भी आई है। हालांकि अभी उन्होंने आधिकारिक तौर पर हामी नहीं भरी है। अगर कियारा इस प्रोजेक्ट के लिए हां करती हैं, तो यह उनकी प्रेग्नेंसी के बाद शूट होने वाली पहली फिल्म हो सकती है, जो इस प्रोजेक्ट को और खास बना देती है।

साभार एजेंसी

नोरा फतेही पेरिस फैशन वीक में एक बार फिर मन्त्रमुग्ध करने को तैयार

पिछले अक्टूबर में अपनी वायरल उपस्थिति से इंटरनेट पर धमाल मचाने के बाद, ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर पेरिस फैशन वीक में लौट रही हैं–और यह खबर फैशन जगत में खासा उत्साह पैदा कर रही है। नोरा फतेही फैशन की दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित मंचों में से एक पर वापसी कर रही हैं, जहाँ वे फ़ेरेल विलियम्स द्वारा डिज़ाइन की गई लुई वुइत्तों मेन्स स्प्रिंग-समर 2026 कलेक्शन में शामिल होंगी। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में कहा, हम फिटिंग्स और LV के लिए निकल रहे हैं और इस बार भी धमाल मचाएंगे, बिल्कुल पिछले साल की तरह हम अपनी फिटिंग्स का स्क्र भी करने वाले हैं। क्या आप तैयार हैं? इस पोस्ट ने एक और यादगार फैशन मोमेंट के लिए माहौल तैयार कर दिया। उनकी पिछली पेरिस फैशन वीक उपस्थिति ने दुनियाभर की मीडिया की सुर्खियाँ बटोरी थीं विशेषकर उनका सफेद बॉडी-कॉन ड्रेस और स्टेटमेंट ट्रेंच कोट वाला लुक, जो शालीनता और साहसिकता का अनोखा मेल था। यह एक ऐसा क्षण था जो वायरल हो गया, जिसने दुनिया भर के फैशन प्रेमियों को आकर्षित किया और ग्लोबल फैशन आइकन के रूप में उनकी स्थापित मजबूत किया। अब जब वे एक बार फिर फैशन की राजधानी में लौट रही हैं, तो उम्मीदें आसमान छू रही

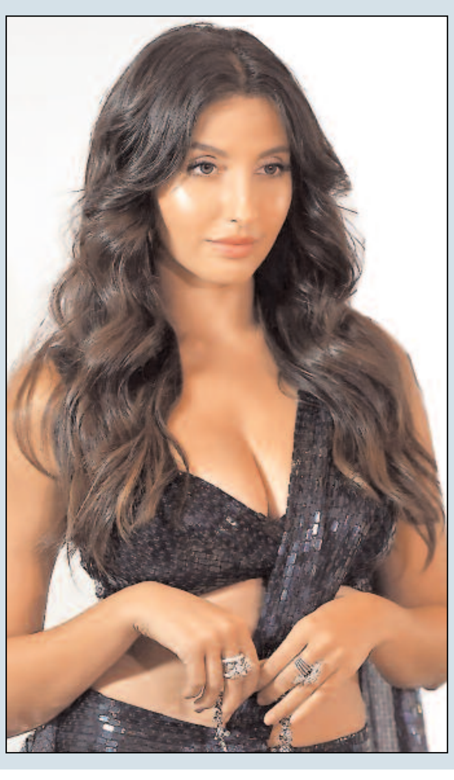

हैं। अपनी बेबाक स्टाइल, आत्मविश्वास से भरी एलीगेंस और बॉलीवुड ग्लैमर को हाइ फैशन से जोड़ने की काबिलियत के साथ, नोरा फतेही सीमाओं को तोड़ती जा रही हैं और एक ग्लोबल सेंसेशन की नई परिभाषा रच रही हैं। उनकी यह वापसी सिर्फ रैम्प वॉक के बारे में नहीं है - यह उनकी यात्रा का जश्न है। यह पूरे आत्मविश्वास और प्रामाणिकता के साथ विश्व मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के बारे में है। हालांकि फैशन ही एकमात्र ऐसा मंच नहीं है जिस पर नोरा राज कर रही हैं। जेसन डेरुलो के साथ उनके अंतर्राष्ट्रीय संगीत सहयोग स्नेक ने पहले ही 130 मिलियन व्यूज़ पार कर लिए हैं, जिससे उनकी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। उन्होंने अमेरिकन म्यूज़िक अवार्ड्स में कस्टम टॉम फ़ोर्ड लुक में भी सबका ध्यान खींचा और वैनिटी फेयर ऑस्कर आफ्टर पार्टी में ऑस्कर डे ला रेंटा में सबको चौंका दिया। बिलबोर्ड फ़ीचर से लेकर एल्योर में दमदार उपस्थिति तक, नोरा फतेही स्टारडम के नियमों को फिर से लिखना जारी रखती हैं। वायरल मोमेंट्स और तेजी से बढ़ते ग्लोबल फैनबेस के साथ, पेरिस फैशन वीक में उनकी वापसी सिर्फ एक फैशन मोमेंट नहीं–बल्कि यह एक सांस्कृतिक बयान है।